THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 352 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.1 2082 गुरुवार, 19 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

देवगौड़ा पर खड़गे बोले-मोहब्बत हमसे, शादी मोदीजी से

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा में बुधवार को अप्रैल से जुलाई के बीच राज्यसभा से रिटायर हो रहे 59 सांसदों को विदाई दी गई। इनमें पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा, शरद पवार, सभापति हरिवंश, आरपीआई नेता रामदास आठवले शामिल हैं। हालांकि पवार और आठवले राज्यसभा के लिए फिर चुन लिए गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा के बारे में कहा, 'मैं सबसे पहले देवगौड़ाजी का उल्लेख करना चाहूंगा। मुझे पता नहीं कि उन्हें क्या हुआ, मोहब्बत हमारे साथ की, लेकिन शादी मोदीजी के साथ की।'

पीएम मोदी ने कुवैत के क्राउन प्रिंस से की बात

क्षेत्र में शांति और होर्मुज पर चर्चा हुई

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री (पीएम) नरेंद्र मोदी ने कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह से बातचीत की। इस दौरान पीएम मोदी ने ईद के लिए अग्रिम हार्दिक शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की बदलती स्थिति पर अपने विचार साझा किए। हाल के घटनाक्रमों पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई। पीएम मोदी ने कहा, हमने पश्चिम एशिया में बदली स्थिति पर विचार-विमर्श किया और हाल के घटनाक्रमों पर चिंता जताई। हमने कुवैत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर हमलों की निंदा को दोहराया। होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम इस बात पर सहमत हुए कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए निरंतर राजनयिक संपर्क जरूरी है।

भारतीय समुदाय का कल्याण और द्विपक्षीय संबंध

प्रधानमंत्री ने कहा, मैंने कुवैत में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण के लिए उनके निरंतर समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। कुवैत में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक निवास करते हैं। उनके हितों की रक्षा करना भारत के लिए हमेशा से एक अहम विषय रहा है। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल-नहयान से फोन पर बात की थी और पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर चर्चा की थी। प्रधानमंत्री ने यूएई पर हमलों की भी निंदा की थी। इन हमलों में आम लोगों की जान गई और नागरिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा। दोनों नेताओं ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित और स्वतंत्र नौवहन सुनिश्चित करने के महत्व पर सहमति जताई और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता बहाल करने के लिए साथ काम जारी रखने की बात कही थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान से बात कर उन्हें ईद की अग्रिम शुभकामनाएं दीं और पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा की। उन्होंने यूएई पर हुए हमलों की कड़ी निंदा दोहराते हुए निर्दोष लोगों की मौत और नागरिक ढांचे को हुए नुकसान पर चिंता जताई।

'ईडी की छापेमारी के दौरान ममता बनर्जी का दखल देना अच्छी स्थिति नहीं'

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पश्चिम बंगाल से कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का दखल देना 'अच्छी स्थिति नहीं' है।

आई-पैक कार्यालय में ईडी की छापेमारी को लेकर शीर्ष कोर्ट ने यह टिप्पणी की। बार एंड बेंच के अनुसार, जस्टिस पंकज मिथा और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसी के काम में बाधा आने पर उसे बिना किसी उपाय के नहीं छोड़ा जा सकता। बेंच की यह टिप्पणी उस समय आई, जब पश्चिम बंगाल की ओर से यह दलील दी गई कि कोई केंद्रीय एजेंसी संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत सीधे सुप्रीम कोर्ट नहीं जा सकती। सुनवाई के दौरान पश्चिम बंगाल की ओर से वकील श्याम दीवान पेश हुए। उन्होंने कहा, ईडी कोई अलग कानूनी इकाई नहीं है, यह केवल सरकार का एक विभाग है। इसकी अपनी कोई अलग पहचान नहीं है। लाइव लॉ के अनुसार, उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई मौलिक अधिकार लागू ही नहीं होता, तो अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर नहीं की जा सकती। वकील दीवान ने दलील दी कि अगर ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों को अनुच्छेद 32 का इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई, तो यह संघीय ढांचे के लिए 'खतरनाक उदाहरण' बन सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा होने पर सांविधानिक व्यवस्था में मौजूद संतुलन और नियंत्रण की प्रक्रिया पूरी तरह दरकिनार हो जाएगी और एक विभाग दूसरे के खिलाफ इस अनुच्छेद का इस्तेमाल करने लगेगा। वहीं, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने भी कहा कि ईडी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को प्राथमिकी दर्ज करने के लिए नहीं कह सकती।

'राजनीति में फुलस्टॉप नहीं होता'

पीएम मोदी बोले-नए सांसदों को सीखना चाहिए

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा से आज कई सदस्य रिटायर हो रहे हैं। खाली होने वाली इन सीटों पर कई सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। आज राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सभी सदस्यों के संसदीय जीवन और कार्यकाल को रेखांकित किया।

इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रिटायर हो रहे सभी सदस्यों की भूमिका को लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने वाला बताते हुए उनकी प्रशंसा की। साथ ही विदाई सत्र में पीएम मोदी ने अपने भाषण में कहा कि सदन एक ओपन यूनिवर्सिटी जैसी है। नए सांसदों को हमेशा सीखना चाहिए। पीएम मोदी ने आगे कहा कि सदन के अंदर अनेक विषयों पर चर्चाएं होती हैं, हर किसी का महत्वपूर्ण योगदान होता है, कुछ खट्टे मीठे अनुभव भी रहते हैं।

लेकिन, जब ऐसा अवसर आता है, तो स्वाभाविक रूप से पार्टी की भावना से ऊपर उठकर हम सबके भीतर एक जैसा भाव प्रकट होता है कि हमारे ये साथी अब किसी और विशेष काम के लिए आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ सांसद फिर से सदन में लौट सकते हैं, जबकि कुछ सामाजिक जीवन में अपने अनुभव का उपयोग करेंगे। जो नेता अब वापस सदन में नहीं आएंगे, उनके लिए मैं कहुंगा कि राजनीति में कभी फुल स्टॉप नहीं होता, उनका योगदान हमेशा देश के लिए मूल्यवान रहेगा। >14

दिल्ली में 4 मंजिला बिल्डिंग में आग, 9 मौतें

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के पालम स्थित साध नगर में एक रिहायशी 4 मंजिला बिल्डिंग में बुधवार सुबह करीब 7 बजे भीषण आग लग गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 3 नाबालिग लड़कियां शामिल हैं। 2 लोगों ने जान बचाने के लिए बिल्डिंग से छलांग लगा दी। दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) के कर्मियों ने 10 लोगों का रेक्स्यू किया है। इनमें 3 लोग घायल हैं। करीब 30 फायर ब्रिगेड मौके पर मौजूद हैं। आग पर काबू पा लिया गया है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी और तेजी से फैल गई।

भारत ने जंग के बीच ईरान को मेडिकल मदद भेजी

> ईरानी दतावास ने धन्यवाद दिया

तेल अवीव, 18 मार्च (एजेंसियां)। इजराइल-अमेरिका और ईरान जंग के बीच भारत ने ईरान को मेडिकल सहायता की पहली खेप भेजी है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, यह खेप ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी को सौंपी गई, जिसमें जरूरी दवाइयां और मेडिकल सप्लाई शामिल हैं। भारत में ईरान के दूतावास ने इस सहायता के लिए भारतीय लोगों का आभार जताया। दूतावास ने कहा कि यह मदद सफलतापूर्वक पहुंचा दी गई है और इसे भारत के लोगों की ओर से मिला सहयोग बताया। दूतावास ने मेडिकल सप्लाई सौंपने का वीडियो भी शेयर किया।

दूसरी ओर इजराइल ने दावा किया है कि उसने ईरान के इंटेलिजेंस मंत्री इस्माइल खातिब को एयरस्ट्राइक में मार गिराया है। हालांकि इस दावे की ईरान की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस्माइल खातिब ईरान की सुरक्षा के लिए बेहद अहम व्यक्ति माने जाते हैं। वे देश की आंतरिक सुरक्षा, विदेशों में जासूसी और राजनीतिक कंट्रोल बढ़ाने का काम करते हैं। इस्माइल खातिब ईरान की सुरक्षा के लिए बेहद अहम व्यक्ति माने जाते हैं। वे देश की आंतरिक सुरक्षा, विदेशों में जासूसी और राजनीतिक कंट्रोल बढ़ाने का काम करते हैं।

ईरान की सबसे बड़ी गैस फील्ड पर हमला

> इजराइली रक्षा मंत्री बोले-आज बड़े सरप्राइज देंगे

तेल अवीव/तेहरान, 18 मार्च (एजेंसियां)। मिडिल-ईस्ट में जारी जंग के बीच अमेरिका-इजराइल ने अब ईरान के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक अमेरिका और इजराइल ने दक्षिणी ईरान में साउथ पार्स गैस फील्ड और असालुयेह शहर की तेल-गैस सुविधाओं पर एयरस्ट्राइक की है। साउथ पार्स दुनिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस फील्ड माना जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक हमले में गैस के साथ-साथ पेट्रोकेमिकल और तेल इंफ्रास्ट्रक्चर को भी निशाना बनाया गया है। इजराइली मीडिया ने भी बुशेहर क्षेत्र में गैस फैसिलिटी पर हमले की जानकारी दी है। इससे पहले इजराइल के रक्षा मंत्री ने कहा था कि आज ईरान और लेबनान में 'बड़े सरप्राइज' देखने को मिलेंगे, जिसे इन हमलों से जोड़कर देखा जा रहा है। इसके जवाब में ईरान ने खाड़ी देशों में बड़े हमलों की चेतावनी दी है।

ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने लोगों से सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कतर के प्रमुख तेल और गैस ठिकानों से दूर रहने को कहा है। वहीं कतर ने ईरान के गैस फील्ड पर हमले की निंदा की है।

'चाबहार पोर्ट के भविष्य पर छाए संकट के बादल'

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच संसद की विदेश मामलों की समिति ने कहा है कि हाल के घटनाक्रम से भारत के लिए महत्वपूर्ण और रणनीतिक महत्व वाले चाबहार बंदरगाह के भविष्य पर संकट के बादल छा गए हैं।

हालांकि, समिति ने इस बात का स्वागत किया कि केंद्र इन घटनाक्रमों के प्रभावों को दूर करने के लिए सभी संबंधित पक्षों के संपर्क में है। विदेश मंत्रालय की अनुदान मांगों (2026-27) पर विदेश मामलों की समिति की 12वीं रिपोर्ट संसद में प्रस्तुत की गई। कांग्रेस सांसद शशि थरूर विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष हैं। विदेश मामलों की समिति की यह टिप्पणी काफी मायने रखती है क्योंकि यह पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और चाबहार परियोजना में भारत की भागीदारी पर अमेरिकी प्रतिबंधों या टैरिफ नीतियों में हाल ही में हुए बदलावों की पृष्ठभूमि में आई है।

रिपोर्ट में कहा गया है, समिति ने पाया कि चाबहार बंदरगाह के विकास के लिए वर्ष 2025-26 के बजट अनुमान में 100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, जिसे संशोधित अनुमान में बढ़ाकर 400 करोड़ रुपये कर दिया गया था।

ईवी चार्जिंग के दौरान घर जला, 8 मौतें

इंदौर, 18 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर में इलेक्ट्रिक कार टाटा पंच में चार्जिंग के दौरान शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई, जिसने तीन मंजिला मकान को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में रबर कारोबारी मनोज पुगलिया, उनकी गर्भवती बहू सिमरन सहित 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हैं। मारे गए लोगों में से 6 मनोज के रिश्तेदार थे, जो मंगलवार को बिहार के किशनगंज से आए थे। घटना बुधवार तड़के 3.30 से 4 बजे के बीच बंगाली चौराहे के पास ग्रेटर बृजेश्वरी कॉलोनी की है। >14

2.6 लाख भारतीयों की सुरक्षित वतन वापसी

> सरकार अलर्ट, लगातार हो रही निगरानी

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत ने अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बड़े स्तर पर कदम उठाए हैं। सरकार ने बताया कि 28 फरवरी से अब तक करीब 2.6 लाख यात्री उस क्षेत्र से भारत लौट चुके हैं। हालात को देखते हुए विदेश मंत्रालय लगातार निगरानी कर रहा है और लोगों को सुरक्षित निकालने की प्रक्रिया जारी है।

सरकार ने साफ किया है कि फ्लाइट सेवाएं धीरे-धीरे सामान्य हो रही हैं और स्थिति पहले से बेहतर है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यूएई से भारत के लिए बड़ी संख्या में उड़ानें संचालित हो रही हैं। साथ ही भारतीय दूतावास जरूरतमंद लोगों, खासकर छात्रों की मदद कर रहा है और उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का काम कर रहा है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, यूएई के विभिन्न एयरपोर्ट से रोजाना बड़ी संख्या में फ्लाइट्स भारत आ रही हैं। 17 मार्च को करीब 70 उड़ानें संचालित हुईं और बुधवार को भी इतनी ही उड़ानों की उम्मीद जताई गई है। कतर का एयरस्पेस आंशिक रूप से खुला है, जबकि कुवैत में एयरस्पेस बंद है। वहां से विशेष उड़ानों की योजना बनाई जा रही है।सरकार ने बताया कि विदेशों में स्थित भारतीय दूतावास लगातार लोगों की मदद कर रहे हैं। फंसे हुए भारतीय नागरिकों, नाविकों और अल्पकालिक यात्रियों को वीजा, काउंसलर सेवा और यात्रा से जुड़ी मदद दी जा रही है। तेहरान में

उद्योग, कृषि और इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 54,926 करोड़ रुपये की योजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की अहम बैठक में देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए कई बड़े फैसले लिए गए हैं। सरकार ने उद्योग, कृषि, सड़क निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों को लक्षित करते हुए कुल 54,926 करोड़ रुपये के भारी-भरकम वित्तीय परिव्यय वाली चार प्रमुख योजनाओं पर मुहर लगाई है।

यह कदम भारत के समग्र आर्थिक विकास और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। बैठक के संपन्न होने के बाद सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन फैसलों की विस्तृत जानकारी मीडिया के साथ साझा की। भारत औद्योगिक विकास योजना (बीएचएवीवाईए: केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण योजना को मंजूरी दे दी है। 'भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य)' नामक इस केंद्रीय क्षेत्र की योजना के लिए 33,660 करोड़ रुपये का परिव्यय निर्धारित किया गया है। इस योजना के तहत देशभर में 100 निवेश-तैयार प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य उद्योगों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करना है। केंद्र सरकार प्रति एकड़ एक करोड़ रुपये तक का वित्तीय सहयोग प्रदान करेगी।

रसोई गैस सिलिंडर फटा एक ही परिवार के 8 लोग झुलसे

कुरुक्षेत्र, 18 मार्च (एजेंसियां)। शाहबाद के गांव यारा में आज सुबह करीब साढ़े छह बजे एक घर में रसोई गैस सिलिंडर फट गया। ये हादसा तब हुआ जब रसोई में खाना बनाया जा रहा था। सिलिंडर फटने से घर में लगी आग में परिवार के सात से आठ लोगों के झुलसने की बात कही जा रही है। इन सभी को शाहाबाद के एक। निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दमकल विभाग के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया है।

'टपोरी की तरह व्यवहार करते हैं राहुल गांधी

उन्हें अपनी बहन से सीखना चाहिए', बोलीं कंगना रनौत

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)।

बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तीखा जुबानी हमला बोला है। कंगना रनौत ने दावा किया कि राहुल गांधी का व्यवहार अच्छा नहीं है। उनके आते ही महिला सांसद असहज महसूस करती हैं। राहुल गांधी इंटव्यू के दौरान हूटिंग कॉल्स करते हैं। वह किसी के साथ भी तू-तड़ाक करके बात करने लगते हैं। साथ ही, कंगना रनौत ने राहुल गांधी की बहन प्रियंका गांधी की तारीफ की और कहा कि राहुल गांधी को उनसे सीखना चाहिए। जानें कंगना रनौत ने और क्या-क्या कहा?

कंगना रनौत ने राहुल गांधी को बोला टपोरी

जब कंगना रनौत से पूछा गया कि जिस तरह से ब्यूरोक्रेट्स ने एक लेटर लिखा है और उसमें ये कहा है कि राहुल गांधी का जो आचरण है, जो एटीट्यूड है पार्लियामेंट में, वो सही नहीं है। उस पर क्या कहेंगी आप? तो उन्होंने कहा कि हां बिल्कुल, हम महिलाओं को उनको देखकर बहुत ज्यादा अनकंफर्टेबल फील होता है क्योंकि एकदम जैसे टपोरी की तरह वो आते हैं। और किसी से भी तू-तड़ाक करते हैं। कोई इंटरव्यू दे रहा हो तो उनको वो हूटिंग कॉल्स करते हैं।

राहुल को प्रियंका से सीखना चाहिए- कंगना

हालांकि, राहुल गांधी की बहन प्रियंका गांधी के व्यवहार की कंगना रनौत ने तारीफ की। कंगना ने कहा कि राहुल गांधी को अपनी बहन से सीखना चाहिए। उनका बिहेवियर कितना अच्छा है, लेकिन राहुल गांधी स्वयं शर्म के पात्र हैं।

भारत में सभी लोग सनातनी

वहीं, सनातन के सवाल पर कंगना रनौत ने कहा कि यहां पर जो भी हैं, सब सनातनी हैं क्योंकि हमारा जब जन्म हुआ है, सनातन मतलब जिसका ना आदि है, ना अंत। सारे रिलीजन हजार या 1500 साल पुराने हैं। सनातन ही है जो सत्य है। तो वो भी सनातनी ही हैं। अब उनको लिखने में, सत्य लिखने में क्या घबराहट? लिख दीजिए।

राजस्थान सरकार से पानी का बकाया मांगेगा पंजाब

सीएम बोले-1960 के बाद से पैसा नहीं दिया

चंडीगढ़, 18 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब राजस्थान सरकार से पानी का बकाया मांगेगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बताया कि साल 1920 राजस्थान के साथ समझौता हुआ था। साल 1960 तक तो राजस्थान 18000 क्यूसेक पानी का पैसा पंजाब को देता रहा मगर 1960 के बाद नया जल समझौता हुआ तो उसके बाद पानी का पैसा राजस्थान की ओर से आना बंद हो गया। अब पंजाब ने राजस्थान सरकार को पत्र लिखकर अपना पुराना बकाया मांगा है।

मुख्यमंत्री मान और सिंचाई मंत्री बरिंदर गोयल ने बताया कि चार साल में नहरी पानी से पंजाब में 70 लाख एकड़ जमीन सिंचित की गई है। अब ऐसे जल स्रोतों को वजूद में लाया जा रहा है जो पहले से कई दबे हुए थे। इसके अलावा कई नहरों और फीडरों की क्षमता भी बढ़ाकर किसानों को सिंचाई के लिए नहरी पानी पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने पिछले 4 साल में जल स्रोतों के जरिए किसानों को फायदा पहुंचाने वाली योजनाओं की समीक्षा भी की। सिंचाई एवं खनन मंत्री बरिंदर गोयल और विभाग के अफसरों के साथ कई भावी योजनाओं पर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री का दावा है कि सिंचाई के लिए नहरी पानी की पहुंच और ट्यूबवेलों पर दबाव कम होने के कारण पंजाब का भूजलस्तर 0 से 4 मीटर तक ऊपर आया है भविष्य में सिंचाई के लिए नहरों का जाल और बिछाया जाएगा।

असम में कांग्रेस सांसद ने छोड़ी पार्टी

शिवसेना यूबीटी की प्रियंका चतुर्वेदी को सताई चिंता कहा- यह शर्मनाक है

मुंबई, 18 मार्च (एजेंसियां)। असम के पूर्व कैबिनेट मंत्री और नगांव से दो बार सांसद रह चुके प्रद्युत बोरदोलोई ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इस बीच शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कांग्रेस नेताओं के पार्टी छोड़ने को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने नेताओं के पार्टी छोड़ने और कांग्रेस में चल रहे घमासान पर कहा कि यह जो हो रहा है यह शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेताओं में बाहर जाने का सिलसिला चल रहा है। राज्यसभा चुनाव में भी क्रॉस वोटिंग हमें दिखी है।

उन्होंने आगे कहा कि क्या दवाब पड़ रहा है या फिर उनके काम के प्रति क्या दिक्कतें खड़ी कर रहे हैं यह चिंता का विषय है। सत्ता पक्ष किस तरह से साम-दाम दंड-भेद के साथ नेताओं को उनकी जगहों से अस्थिर कर रहा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी दिखा रही है कि उनके पास इतनी प्रतिभा की कमी है कि उनको दूसरी पार्टियों से अपनी पार्टी में समावेश करना पड़ रहा है।

असम के मुख्यमंत्री भी कांग्रेस से गए हुए हैं- प्रियंका चतुर्वेदी प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि बीजेपी के अनेक कार्यकर्ता और खासकर असम में वहां के मुख्यमंत्री भी कांग्रेस से गए हुए हैं। इतने सारे जो बीजेपी के कार्यकर्ता हैं उनके मन में द्वेष आता होगा कि झंडा लेकर वो चलें और पैराशूट करके दूसरी पार्टी से लोगों को लेकर आया जाता है।

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग पर क्या कहा?

शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने बिहार की पांच राज्यसभा सीटों पर महागठबंधन को मिली हार पर कहा कि अब राज्यसभा चुनाव में भी खुलेआम 'हॉर्स-ट्रेडिंग' हुई है। बिहार में कांग्रेस के तीन विधायकों ने वोट नहीं किया। बता दें कि महागठबंधन जिस एक सीट पर जीत का दावा कर रहा था, उस पर भी एनडीए को जीत मिल गई। बता दें कि पांच राज्यों में चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद कांग्रेस में सियासी उठापटक देखने को मिली रही है।

जम्मू पुलिस ने बलवीर सिंह की हत्या का मामला सुलझाया

साले सहित दो गिरफ्तार

जम्मू, 18 मार्च (एजेंसियां)। पुलिस ने बलवीर सिंह की ब्लाइंड मर्डर केस में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस मामले में उनके साले देवेंद्र सिंह और एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार यह पूरी साजिश बलवीर सिंह की संपत्ति को हड़पने के मकसद से रची गई थी। हत्या में शामिल व्यक्ति ने बलवीर को घर दिलाने के लिए आर्थिक मदद देने का वादा किया था। उसके कहने पर ही आरोपी ने बलवीर की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्याकांड देर रात हुआ था। जम्मू पुलिस ने मामले की जांच पूरी कर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के लिए आगे भेज दिया है।

सबसे ज्यादा महिलाओं के साथ अपराध

सरकार नहीं दे रही ध्यान: रोहित पवार

मुंबई, 18 मार्च (एजेंसियां)। एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार ने राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती आपराधिक घटनाओं को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में एसिड अटैक, रेप, यौन उत्पीड़न और लड़कियों के गायब होने जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, "महाराष्ट्र में एसिड अटैक, रेप, सेक्सुअल हैरेसमेंट और लड़कियों के गायब होने जैसी घटनाएं बहुत नियमित हो चुकी हैं।

अगर देश में ऐसे मामलों का प्रतिशत देखें, तो महाराष्ट्र सबसे ऊपर है, जो बेहद खतरनाक और चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है। उनका दावा है कि यदि पूरे देश के आंकड़ों पर नजर डाली जाए, तो महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में महाराष्ट्र शीर्ष पर दिखाई

देता है।" रोहित पवार ने कहा कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकार की ओर से अपेक्षित कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने हाल ही में अहिल्यानगर में छठी कक्षा की एक छात्रा पर हुए एसिड अटैक का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं समाज के लिए बेहद शर्मनाक हैं और इन पर तत्काल सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि महाविकास अघाड़ी सरकार की ओर से लाया गया "शक्ति कानून" केंद्र सरकार को भेजा गया था, लेकिन एक तकनीकी त्रुटि के कारण उसे वापस कर दिया गया। इस मामले को तीन साल बीत चुके हैं, लेकिन वर्तमान राज्य सरकार ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि गृह विभाग के स्तर पर भी अपेक्षित कार्य नहीं हो रहा है। इसके अलावा, रोहित पवार ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार से जुड़े कथित प्लेन क्रैश मामले की जांच को लेकर भी सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि कल मैं खुद महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर से मिला और उनसे कहा कि अलग-अलग माध्यमों से इस विषय पर चर्चा होनी चाहिए। हमारे पक्ष के नेता और अपर हाउस में भी हमारे सदस्य इस मुद्दे को उठाने का प्रयास कर रहे हैं। रोहित पवार ने कहा कि दुर्भाग्य से इस विषय को जानबूझकर चर्चा में नहीं लाया जा रहा है।

आग ने मां के साथ आने वाली संतान को भी छीना, गर्भवती थी परिवार की बहू सिमरन

इंदौर, 18 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर के ब्रजेश्वरी एनेक्स में पुगलिया परिवार के बंगले में लगी आग ने दो परिवारों को तबाह कर दिया। पुगलिया परिवार के मुखिया और उनकी बहू सिमरन की इस हादसे में मौत हो गई। सिमरन, सौरभ की पत्नी थी वह तीन साल पहले ही इस घर की बहू बनकर आई थी और वह गर्भवती थी। उसने इस परिवार के साथ एक नई ज़िंदगी भी संजोए थीं। चार महीने से अधिक की गर्भवती सिमरन अब इस दुनिया में नहीं रहीं और उनके साथ ही उस नन्हीं जान ने भी दम तोड़ दिया, जो अभी इस दुनिया में आने वाली थी।

केजरीवाल पर अवमानना की कार्रवाई की मांग

पूर्व वीसी व वरिष्ठ वकीलों ने चीफ जस्टिस को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। देश की कई यूनिवर्सिटियों के सेवारत और रिटायर्ड वाइस चांसलर, झारखंड की पूर्व पुलिस महानिदेशक और वरिष्ठ वकीलों के एक समूह ने भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत को पत्र लिखकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू करने की मांग की है।

पत्र में कहा गया है कि दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने आबकारी नीति से जुड़े मामले की सुनवाई कर रहीं जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा पर गंभीर आरोप लगाए हैं और अपने केस को दूसरी बेंच में ट्रांसफर करने की मांग की है। हस्ताक्षरकर्ताओं का मानना है कि इस तरह की मांग न्यायपालिका की गरिमा को कमजोर करती है और यह एक गलत परंपरा को बढ़ावा दे सकती

है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि किसी भी पक्षकार को यह अधिकार नहीं है कि वह तय करे कि उसका मामला किस जज के सामने सुना जाएगा।

अदालतों की कार्यप्रणाली एक तय प्रक्रिया के तहत चलती है और उसमें हस्तक्षेप करना न्यायिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है। बिना ठोस सबूत के किसी न्यायाधीश पर पक्षपात का आरोप लगाना भी गंभीर मामला है और इससे न्यायपालिका की निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं। पत्र में कहा गया है कि अगर इस तरह के व्यवहार को नजरअंदाज किया गया, तो यह आगे चलकर एक खतरनाक मिसाल बन सकता है। इससे भविष्य में अन्य लोग भी इसी तरह के आरोप लगाकर अपने मामलों को प्रभावित करने की कोशिश कर सकते हैं, जिससे न्याय व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कमजोर हो सकता है।

हस्ताक्षरकर्ताओं ने चीफ जस्टिस से इस मामले में हस्तक्षेप करने और उचित कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि न्यायपालिका की गरिमा और स्वतंत्रता बनी रहे। इस तरह के मामलों में समय रहते सख्त कदम उठाना जरूरी है, जिससे न्याय व्यवस्था पर जनता का विश्वास कायम रह सके।

प्रॉपर्टी डीलर की हत्या जिम से निकलते गोलियों से भूना

चंडीगढ़, 18 मार्च (एजेंसियां)। सेक्टर 9 में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां जिम के बाहर एक युवक को गोली मार दी गई। मृतक की पहचान चरणप्रीत सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, जब वह जिम से बाहर निकल रहा था, तभी बाइक सवार हमलावरों ने उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद युवक को गंभीर हालत में चंडीगढ़ के पीजीआई अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि मृतक प्रॉपर्टी डीलर का काम करता था। वहीं हमलावरों ने उस पर करीब 10 से 12 राउंड फायर किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक को पहले भी एक गैंग की तरफ से धमकियां मिल चुकी थीं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और हमलावरों की तलाश की जा रही है।

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग को लेकर संजय राउत का बड़ा दावा

कहा- बीजेपी ने 50 करोड़ रुपये से भी अधिक की राशि दी

मुंबई, 18 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा चुनावों के दौरान कथित क्रॉस-वोटिंग को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। जिसे लेकर शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने आज दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी ने पैसे और सत्ता के दम पर अलग-अलग राज्यों में क्रॉस-वोटिंग करवाई। उन्होंने दावा किया कि यह सिर्फ एक राज्य में नहीं किया गया, बल्कि हरियाणा, बिहार और ओडिशा जैसे राज्यों में भी इसी तरह की रणनीति अपनाई गई।

संजय राउत ने विशेष रूप से ओडिशा पर सवाल उठाया कि वहां किसके पक्ष में क्रॉस-वोटिंग करवाई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस व्यक्ति को समर्थन दिया गया, उस पर कोयला घोटाले के आरोप थे। राउत के बताया कि, उस व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज थी और अदालत ने उसे दोषी करार देते हुए तीन साल की सजा भी सुनाई थी। ऐसे व्यक्ति के लिए क्रॉस-वोटिंग करवाना बीजेपी की पर कई सवाल खड़े करता है। उन्होंने आगे कहा कि जिन विधायकों ने क्रॉस-वोटिंग की, चाहे वे बीजेडी के हों या कांग्रेस के, उन्हें करोड़ो रुपए दिए गए। राउत का दावा है कि इन विधायकों को 50 करोड़ रुपये से भी अधिक की धनराशि दी गई, और कुछ पैसा मुंबई से भी मंगवाया गया था।

उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी का अधिकतर समय तो खरीदी-बिक्री में ही बीतता है। संजय राउत ने यह भी कहा कि जिस तरह के आरोपों से घिरे व्यक्ति को चुनने का बीजेपी ने कार्य किया है, वह बेहद शर्मनाक है और जिस पर पार्टी को शर्म तक नहीं आई। उन्होंने बीजेपी के खुद को नैतिक और संस्कारी पार्टी बताने पर भी सवाल उठाए और कहा कि पता नहीं देश में ये सब क्या चल रहा है?

गिरनार अंबाजी मंदिर में नॉन-वेज पार्टी करने वाले 11 पुजारियों पर केस दर्ज के निर्देश

डीएम के आदेश से आरोपियों में हड़कंप

अहमदाबाद, 18 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के गिरनार में स्थित प्रसिद्ध मां अंबाजी मंदिर में सुरक्षा और मंदिर परिसर की पवित्रता को भंग करने का मामला सामने आया है। यहां मंदिर के पुजारी पर आरोप लगा है कि उन्होंने मंदिर परिसर में कुछ लोगों के साथ शराब और मांस पार्टी की। इतना ही नहीं, ये भी आरोप है कि उन्होंने मंदिर में दान के लिए आने वाली राशि से लाखों रुपए का गबन किया है। इस मामले में कलेक्टर ने 11 लोगों के खिलाफ केस दर्ज करने का आदेश दिया है। इन 11 लोगों के खिलाफ दो अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई गई थीं। जानकारी के मुताबिक, कलेक्टर ने जूनागढ़ के गिरनार स्थित अंबाजी मंदिर में अनियमितताओं और पवित्रता भंग करने के गंभीर आरोपों में कुल 11 लोगों के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज करने का आदेश दिया। इस मामले में दो अलग-अलग शिकायतें दर्ज की जाएंगी। शिकायत वायरल वीडियो सामने आने के बाद दर्ज की गई। डीएम ने वीडियो के आधार पर जांच के आदेश दिए थे। मंदिर परिसर में शराब और मांसाहार के साथ पार्टी आयोजित करने के आरोप में दो नाबालिगों सहित 6 व्यक्तियों (अभिषेक चौहान, छगन डाभी, निखिल मेघनाथी और जिग्नेश डाभी) के खिलाफ पहली शिकायत दर्ज की जाएगी। जांच में पता चला है कि 22 अक्टूबर को इन व्यक्तियों ने सीढ़ी के रास्ते शराब और मांसाहार लाया और वहां चार दिनों तक रहकर पार्टी की।

वित्तीय प्रशासन में अनियमितताओं और गबन के आरोप में पांच पुजारियों (योगेशगिरि, दुष्यंतगिरि, कुंदनगिरि, देवगिरि और भरतनाथ) के खिलाफ एक और शिकायत दर्ज की जाएगी। इस पूरे मामले में प्रशासक और नगर पालिका के मामलतदार को भी नोटिस जारी किए गए हैं और यदि जांच में उनकी लापरवाही पाई जाती है, तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस एक अर्थहीन संपत्ति की तरह

जिसकी कोई मूल्य और अहमियत नहीं: मुख्तार अब्बास नकवी

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला और भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर कांग्रेस सहित विपक्ष पर निशाना साधा है। पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों पर भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, मुझे लगता है कि उन्हें (ममता बनर्जी) पहले से ही पता है कि चुनाव में हारने वाली हैं।

जब ऐसा होगा तो वे चुनाव आयोग के साथ खेल खेलना शुरू कर देंगे। आपको अपने किए का परिणाम भुगतना ही होगा। आज पश्चिम बंगाल की जनता कुशासन, भ्रष्टाचार और अपराध से तंग आ चुकी है। वे अब इस बोझ को सहन नहीं कर पा रहे हैं और इससे बोझिल महसूस कर रहे हैं। अफगानिस्तान में पाकिस्तान द्वारा किए गए हवाई हमलों पर अब्बास नकवी ने कहा, अफगानिस्तान में जो कुछ भी हुआ है वह बेहद चिंताजनक है।

आतंकवाद और क्रूरता में शामिल लोग न केवल राज्य के दुश्मन हैं, बल्कि इस्लाम के सच्चे सिद्धांतों के भी दुश्मन हैं। निर्दोष लोगों की जान जाने की तस्वीरें बेहद विचलित करने वाली हैं और किसी भी संवेदनशील और मानवीय व्यक्ति को चिंतित कर देंगी।

अब्बास नकवी ने कहा, कांग्रेस पार्टी एक अर्थहीन संपत्ति की तरह हो गई है, जिसका न तो अंदर कोई मूल्य है और न ही बाहर कोई अहमियत। इसी वजह से यह अपना घर भी नहीं संभाल पा रही है, फिर भी पूरे देश में शोर मचा रही है, 'हमें बचाओ! हमें बचाओ! हमें बचाओ !कांग्रेस से सांसद प्रद्युत बोरदोलोई के इस्तीफे पर नकवी ने कहा, आप अपना घर संभालने में असमर्थ हैं। आप अपने सीमित संसाधनों की रक्षा करने या उनका सही ढंग से प्रबंधन करने में सक्षम नहीं हैं। आप उनका विश्वास जीतने में विफल रहे हैं। वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, कांग्रेस पार्टी एक बार फिर बिखर रही है। कांग्रेस में अब किसी को भी राहुल गांधी पर भरोसा नहीं रहा। यही कारण है कि कांग्रेस के असम सांसद प्रद्युत बोरदोलोई और उपाध्यक्ष नवज्योति दोनों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

दोनों ने कहा कि कोई समन्वय नहीं है, कोई संवाद नहीं है और कोई विचार-विमर्श नहीं है। शहजाद पूनावाला ने कहा, तमिलनाडु में एक बार फिर डीएमके-कांग्रेस वाम गठबंधन में मिशन या विजन की बजाय भ्रम, विभाजन, सत्ता की महत्वाकांक्षा और भ्रष्टाचार की झलक दिखाई दे रही है।

वामपंथियों को सिर्फ पांच सीटें मिली हैं और अब उन्होंने डीएमके के खिलाफ बगावत कर दी है। अभी हाल ही में हमने कांग्रेस नेताओं को डीएमके के खिलाफ, कुशासन की कमी और महिलाओं की सुरक्षा के अभाव को लेकर आवाज उठाते देखा है।

चंगुल से बचने को नीरव मोदी ने चली नई चाल

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। देश से धोखाधड़ी मामले में फरार नीरव मोदी ने भारत प्रत्यर्पण को रोकने के लिए लंदन हाईकोर्ट में अपील रिओपेन की मांग की है।कोर्ट ने दो दिन की सुनवाई के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। नीरव मोदी के वकील एडवर्ड फिट्जगेराल्ड ने दो जजों की बेंच के सामने दलील दी कि नए तथ्यों के आधार पर मामला दोबारा देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नीरव मोदी को मुंबई की आर्थर रोड जेल से बाहर ट्रांसफर किया जा सकता है और वहां उनसे जबरदस्ती पूछताछ हो सकती है। फिट्जगेराल्ड ने भारतीय अधिकारियों द्वारा दिए गए भरोसे पर सवाल उठाये। उन्होंने कहा कि ये भरोसा सिर्फ सीबीआई तक सीमित है, जबकि इनकम टैक्स, एसएफआईओ और डीआरआई जैसी अन्य एजेंसियां भी नीरव मोदी के खिलाफ केस चला रही हैं। वकील ने भारत में हिरासत में होने वाली सख्त पूछताछ को 'आम बात' बताया और कहा कि वहां निगरानी का कोई प्रापर सिस्टम नहीं है। जस्टिस स्टुअर्ट-स्मिथ ने पूछा कि क्या ऐसी कोई कार्रवाई भारत द्वारा दिए गए भरोसे का उल्लंघन माना जाएगा। भारत सरकार की तरफ से हेलन माल्कम ने कहा कि यह अपील बहुत देर से दाखिल की गई है और इसमें कोई दम नहीं है। उन्होंने दावा किया कि भारत ने भरोसा दिया है और ये पूरी तरह मानी जाएगी। माल्कम ने नीरव मोदी पर आरोप लगाया कि वह बार-बार कानूनी प्रक्रिया में खामी ढूंढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीरव मोदी ने सबूत नष्ट करने और गवाहों को डराने की कोशिश की है। साथ ही उन्होंने बताया कि नीरव मोदी अभी भी करीब 300 मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी आए पैसे छिपाए हुए हैं। भारतीय पक्ष ने कोर्ट को बताया कि नीरव मोदी से सीबीआई या ईडी द्वारा कोई पूछताछ नहीं होगी, क्योंकि जांच पूरी हो चुकी है और चार्जशीट दाखिल हो चुकी है।

साथ ही यह भी कहा गया कि जेल में वकील से मिलने, मेडिकल सुविधा और निगरानी जैसी सुरक्षा व्यवस्थाएं उपलब्ध रहेंगी। नीरव मोदी 2019 से लंदन की पेंटनविल जेल में बंद हैं। उन्होंने वीडियो लिंक के जरिए सुनवाई में हिस्सा लिया। अब कोर्ट का फैसला तय करेगा कि क्या उनका केस दोबारा खुलेगा या प्रत्यर्पण की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

सु वि चा र

मन की बात कह देने से फैसले हो जाते है, मन में रखने से फासले हो जाते है!

मूसी परियोजना पर विधानसभा में हंगामा

बीआरएस का सदन से वॉकआउट

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा में बुधवार को मूसी नदी पुनर्जीवन परियोजना को लेकर भारी राजनीतिक घमासान देखने को मिला। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायकों ने परियोजना में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और विसंगतियों का आरोप लगाते हुए सदन से वॉकआउट किया। प्रश्नकाल के दौरान बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) ने सरकार को घेरते हुए कहा कि उनकी पार्टी नदी के जीर्णोद्धार के खिलाफ नहीं है, लेकिन सरकार जिस तरह से 1.5 लाख करोड़ रुपये के खर्च का दावा कर रही है, वह एक बड़े घोटाले का संकेत है।

केटीआर ने सदन में सरकार के दावों की पोल खोलते हुए कहा कि जनवरी में उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए 18 महीने का समय मांगा था, लेकिन अब सरकार कह रही है कि डीपीआर तैयार है। उन्होंने एशियाई विकास बैंक (एडीबी) का हवाला देते हुए कहा कि बैंक ने स्पष्ट किया है कि उन्हें कोई डीपीआर नहीं मिली है और न ही परियोजना को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई है। केटीआर ने सवाल उठाया कि जिस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 16,000 करोड़ रुपये थी, उसे बढ़ाकर 1.5 लाख करोड़ रुपये किस आधार पर किया गया? विपक्षी दल ने विस्थापन के मुद्दे पर भी सरकार को आड़े हाथों लिया। राजपत्र अधिसूचनाओं का हवाला देते हुए केटीआर ने बताया कि 10,000 से अधिक घरों को गिराने और 3,260 एकड़ भूमि अधिग्रहण की संभावना है, जबकि सरकार केवल 1,435 ढांचों की बात कर रही है। उन्होंने मेइनहार्ड कंपनी को इस प्रोजेक्ट में शामिल करने पर भी आपत्ति जताई, जिसे कथित तौर पर अन्य देशों में प्रतिबंधित किया गया है। सरकार की ओर से स्पष्ट जवाब न मिलने और पारदर्शिता की कमी के विरोध में बीआरएस सदस्यों ने सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किया और बाहर निकल गए।

उगादी पर राज्यपाल ने शांति और समृद्धि की कामना की

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल ने 'श्री पराभव नाम संवत्सर उगादी' पर्व के अवसर पर देश-विदेश में रह रहे सभी तेलुगु भाषी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए। उन्होंने उगादी को उल्लास और आशा का प्रतीक बताते हुए कहा कि नया वर्ष नई उमंग और उज्ज्वल भविष्य की सौगात लेकर आता है। राज्यपाल ने कहा कि उगादी पच्चड़ी के विभिन्न स्वाद जीवन के विविध अनुभवों का प्रतीक हैं, जो हमें हर परिस्थिति का सकारात्मकता के साथ सामना करने की प्रेरणा देते हैं।

तेलंगाना परिवहन निगम का बड़ा निर्णय

परिवार नियोजन पर मिलने वाली अतिरिक्त वेतन वृद्धि बंद

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम ने अपने कर्मचारियों के लिए लागू एक पुरानी नीति में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए परिवार नियोजन प्रोत्साहन को समाप्त कर दिया है। निगम के बोर्ड से मंजूरी मिलने के बाद 17 मार्च, 2026 को इस संबंध में एक आधिकारिक आदेश जारी किया गया। इस नए निर्णय के अनुसार, अब उन कर्मचारियों को अतिरिक्त वेतन वृद्धि का लाभ नहीं मिलेगा जो परिवार नियोजन के लिए नसबंदी की प्रक्रिया अपनाते हैं। इस कदम का मुख्य उद्देश्य निगम की नीतियों को राज्य सरकार के उन मौजूदा नियमों के समान बनाना है, जिन्होंने बहुत पहले ही ऐसे वित्तीय लाभों को बंद कर दिया था।

यह योजना मूल रूप से वर्ष 2000 के शुरुआती दशक में शुरू की गई थी। इसके तहत, जिन कर्मचारियों के दो या उससे कम बच्चे थे और वे स्वयं या उनके जीवनसाथी नसबंदी करवाते थे, उन्हें विशेष प्रोत्साहन के रूप में वेतन में बढ़ोतरी दी जाती थी। हालांकि, राज्य सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए यह सुविधा जुलाई 1998 से ही समाप्त कर दी थी, लेकिन परिवहन निगम आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद भी इसे लगातार जारी रखे हुए था। अब अधिकारियों ने इस विसंगति को दूर करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि 17 मार्च, 2026 या उसके बाद प्रक्रिया करवाने वाले कर्मचारी किसी भी अतिरिक्त वित्तीय लाभ के पात्र नहीं होंगे।

वित्तीय लाभ वापस लेने के बावजूद, निगम ने कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कल्याण को ध्यान में रखते हुए कुछ सुविधाएं जारी रखी हैं। संशोधित नियमों के तहत, परिवार नियोजन करवाने वाले कर्मचारियों को पहले की तरह ही विशेष आकस्मिक अवकाश मिलता रहेगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि कर्मचारियों को चिकित्सा प्रक्रिया के बाद आराम और सुधार के लिए पर्याप्त समय मिल सके। निगम ने सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे इस बदली हुई नीति को तत्काल प्रभाव से लागू करें और पूरे संगठन में इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।

लाभार्थियों को घर में रहना अनिवार्य : जिला कलेक्टर

अधूरे घरों का आवंटन जल्द पूरा होगा

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में इंदिरम्म आवास योजना के तहत लाभार्थियों को अब अपने आवंटित घरों में अनिवार्य रूप से निवास करना होगा। जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मार्च 31 तक सभी लाभार्थियों का चयन पूरी तरह पूरा किया जाए। बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हाउसिंग अधिकारी, आरडीओ, तहसीलदार, मिशन भागीरथ अधिकारी और विद्युत अधिकारी शामिल हुए। कलेक्टर ने कहा कि पूर्ण और अधूरे निर्माण वाले डबल बेडरूम घरों के लाभार्थियों का चयन तुरंत किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन लाभार्थियों को डबल बेडरूम आवास मिल चुका है लेकिन वे अब तक वहां नहीं रह रहे हैं, उन्हें नोटिस जारी कर आवास रद्द किया जाएगा और अप्रैल के पहले सप्ताह में नए लाभार्थियों को आवंटित किया जाएगा। सभी हाउसिंग कॉलोनियों में आवश्यक बुनियादी सुविधाओं जैसे विद्युत और पीने के पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा, अधूरे निर्माण वाले घरों के लिए एकर से अधिक जमीन की पहचान कर मंजूरी के लिए प्रस्ताव भेजने को कहा गया। डबल बेडरूम कॉलोनियों में स्थित दुकानों की नीलामी की जाएगी और इससे प्राप्त राशि कॉलोनियों के विकास में उपयोग की जाएगी। जिला कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पूरी जिम्मेदारी और समन्वय के साथ कार्य करें और निर्धारित लक्ष्य समयबद्ध तरीके से पूरा करें। वीडियो कॉन्फ्रेंस में अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएं) के. शीनिवास, जिला हाउसिंग प्रोजेक्ट निदेशक डी. चांपला नायक, आरडीओ अनंत रेड्डी, जगदीश्वर रेड्डी, वेंकट रेड्डी, सरित, पार्थसिंह रेड्डी, तहसीलदार और हाउसिंग विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

इंदिरम्मा आवास योजना सतत प्रक्रिया, अप्रैल-मई में दूसरी किश्त: मंत्री

शहरी क्षेत्रों में आवास निर्माण को प्राथमिकता

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राजस्व, आवास एवं सूचना विभाग के मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि 'इंदिरम्म आवास योजना' एक बार चलने वाली योजना नहीं, बल्कि निरंतर जारी रहने वाली प्रक्रिया है। सरकार इसे हर वर्ष लागू करते हुए गरीबों को पक्के घर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। विधान परिषद में आवास से जुड़े प्रश्नों का उत्तर देते हुए मंत्री ने बताया कि इस वर्ष अप्रैल और मई में राज्यभर में दूसरी किश्त के तहत आवासों का आवंटन शुरू किया जाएगा। पहली किश्त पहले ही पूरी की जा चुकी है और शेष चरणों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि आगामी तीन वर्षों में शहरी क्षेत्रों के प्रत्येक वार्ड में इंदिरम्म आवासों का निर्माण किया जाएगा। साथ ही दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों और बस्तियों में अधूरे पड़े आवासों को पूरा करने के लिए विशेष योजना बनाई जा रही है। मंत्री ने कहा कि लाभार्थियों के चयन में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाएगा और जाति, धर्म या राजनीतिक संबद्धता से परे सबसे गरीब लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी। किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि मार्च तक लगभग एक लाख घरों का निर्माण पूरा होने की संभावना है, जबकि जून-जुलाई तक पहली किश्त के तहत स्वीकृत तीन लाख घरों में अधिकांश पूरे हो जाएंगे। शहरी क्षेत्रों में आवास निर्माण को प्राथमिकता देते हुए सरकार ऐसे स्थानों का चयन कर रही है जो लाभार्थियों के वर्तमान निवास के निकट हों, ताकि उनकी आजीविका प्रभावित न हो। इसके अलावा टूबीएचके योजना के तहत लंबित 99 प्रतिशत बिलों का भुगतान किया जा चुका है और शेष भी जल्द निपटाए जाएंगे। अधूरे पड़े टूबीएचके घरों को पूरा करने के लिए 99 दिन का विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है।

मंचेरियल में सड़क हादसा, ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर में हमाली की मौत

मंचेरियल, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हाजीपुर मंडल के वेमपल्ली और मुल्कल्ला गांवों के बीच बुधवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना में 32 वर्षीय हमाली (मजदूर) की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान मुल्कल्ला निवासी बुदारपु वेंकटेश के रूप में हुई है। घटना उस समय हुई जब वेंकटेश अपनी मोटरसाइकिल से मंचेरियल की ओर जा रहे थे और विपरीत दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी दोपहिया गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, D PULLAMMA ,M/O: HAV DASARIPALLE BALAIAH, R/O: VILLAGE & POST: AKKALAREDDY-PALLE, TEHSIL: PORUMAMILLA, DISTRICT: CUDDAPAH, ANDHRA PRADESH – 516193, have changed my name from D PULLAMMA to DASARIPALLI PULLAMMA and my DOB is:01/01/1958 vide Affidavit dt.16-03-2026 AT Hyderabad

I, D GURAIAH, F/O: HAV DASARIPALLE BALAIAH, R/O: VILLAGE & POST: AKKALAREDDYPALLE, TEHSIL: PORUMAMILLA, DISTRICT: CUDDAPAH, ANDHRA PRADESH – 516193, have changed my name from D GURAIAH to DASARI PALLE GURUVAIAH and my DOB is:01/01/1955 vide Affidavit dt.16-03-2026 AT Hyderabad

I, No.17002298M, NK, Bavliya Pravinbhai Dhanjibhai, R/o, Dist: Rajkot, Gujarat, changed my Mother's name from Bhvliya Geetaben Dhanji Bhgai to Bavliya Gitaben Dhanjibhai, vide Affidavit No. 466013 dt. 17.03.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सावधान! आपकी थाली में पहुँच रहा 'जहरीला' पनीर

हैदराबाद में 2,600 किलो मिलावटी माल जब्त

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के महाकाली मंदिर क्षेत्र में टास्क फोर्स और स्थानीय पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए मिलावटी डेयरी उत्पादों के काले कारोबार का भंडाफोड़ किया है। बुधवार को पुलिस की संयुक्त टीम ने दो प्रमुख निर्माण इकाइयों पर छापा मारकर लगभग 2,600 किलोग्राम मिलावटी पनीर और उसे बनाने में इस्तेमाल होने वाले खतरनाक रसायनों को जब्त किया। यह पनीर शहर के विभिन्न भोजनालयों और स्थानीय विक्रेताओं को सप्लाई किया जाना था।

पुलिस के अनुसार, विजय मिल्क शॉप सहित सात ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई। जांच में पाया गया कि इन इकाइयों के मालिक दूध में हानिकारक रसायनों का मिश्रण कर नकली पनीर तैयार कर रहे थे। इस मिलावटी पनीर को मुख्य रूप से शहर के पुराने इलाकों और स्थानीय बाजारों में कम दामों पर बेचा जा रहा था, जो आम जनता की सेहत के लिए एक बड़ा खतरा बन सकता था।

छापेमारी के दौरान मालिक मौके से फरार होने में सफल रहे, जिनकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। प्रशासन ने इन अवैध निर्माण इकाइयों को पूरी तरह सील कर दिया है और जब्त किए गए पनीर के नमूनों को प्रयोगशाला में जांच के लिए भेज दिया है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि जनता डेयरी उत्पाद खरीदते समय सावधानी बरते और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत अधिकारियों को दे।

कर्ज के बोझ से दबे किसान ने की आत्महत्या

फसल खराब होने और आर्थिक तंगी के चलते उठाया आत्मघाती कदम

सिद्दिपेट, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दिपेट जिले के दुब्बक मंडल के रागोथमपल्ली गांव में बुधवार तड़के एक हृदय विदारक घटना सामने आई है। यहाँ 45 वर्षीय एक किसान ने कथित तौर पर बढ़ते कर्ज और फसल बर्बाद होने के डर से आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान रेड्डी मोहन रेड्डी के रूप में हुई है, जो मुख्य रूप से धान की खेती करते थे। पुलिस द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, मोहन रेड्डी पिछले काफी समय से भारी आर्थिक तंगी का सामना कर रहे थे और उन पर करीब 45 लाख रुपये का कर्ज था।

प्राप्त विवरण के मुताबिक, इलाके में पानी की भारी कमी के कारण उनकी धान की फसल सूखने लगी थी, जिससे वे मानसिक रूप से काफी परेशान रहने लगे थे। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि किसान को उम्मीद थी कि इस बार अच्छी फसल होने पर वह अपने ऋण का कुछ हिस्सा चुका पाएगा, लेकिन फसल की हालत देख उसने उम्मीद खो दी। आर्थिक दबाव और भविष्य की चिंता के चलते उसने यह खौफनाक कदम उठा लिया। मृतक किसान अपने पीछे पत्नी और दो बेटियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गया है, जो इस घटना के बाद गहरे सदमे में हैं। स्थानीय पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना के सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है ताकि आत्महत्या के सटीक कारणों और ऋण की परिस्थितियों का पता लगाया जा सके।

अंडों की कीमतों में भारी गिरावट

ईरान-इजराइल संघर्ष और गर्मी का असर

निर्यात रुकने से बाजारों में बढ़ा स्टॉक, मुर्गी पालकों को भारी नुकसान

करीमनगर, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सहित देश के विभिन्न हिस्सों में अंडों की कीमतों में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट का मुख्य कारण ईरान और इजराइल के बीच जारी संघर्ष को माना जा रहा है, जिसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय निर्यात बाधित हुआ है। जहाँ एक ओर कीमतों में कमी आने से आम उपभोक्ताओं को फायदा हो रहा है, वहीं दूसरी ओर घरेलू बाजार में अंडों का स्टॉक जमा होने से मुर्गी पालन व्यवसाय से जुड़े लोगों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

भारत हर दिन पश्चिम एशियाई देशों को लाखों की संख्या में अंडे निर्यात करता है, लेकिन मौजूदा संघर्ष के कारण समुद्री और हवाई परिवहन सेवाएं प्रभावित हुई हैं। आंकड़ों के अनुसार, भारत आमतौर पर संयुक्त अरब अमीरात, ओमान और कतर जैसे खाड़ी देशों को प्रतिदिन लगभग 75 लाख अंडे भेजता है। निर्यात में आई इस रुकावट के कारण स्थानीय बाजारों में अंडों की आपूर्ति आवश्यकता से अधिक हो गई है। फरवरी के पहले सप्ताह में जो अंडा 7.50 रुपये से 8 रुपये के भाव पर बिक रहा था, उसकी कीमत अब घटकर लगभग 5 रुपये रह गई है। थोक बाजार में भी कीमतें 4.50 रुपये से गिरकर 4 रुपये प्रति अंडा तक पहुँच गई हैं। निर्यात की समस्या के साथ-साथ बढ़ते तापमान ने भी इस संकट को और गहरा कर दिया है। गर्मियों के मौसम में आमतौर पर अंडों की मांग और खपत कम हो जाती है, जिससे कीमतों में मौसमी गिरावट आती है। पिछले साल गर्मियों में थोक कीमतें 5 से 6 रुपये के बीच थीं, लेकिन इस वर्ष युद्ध के कारण स्थितियां अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई हैं। अकेले करीमनगर क्षेत्र में प्रतिदिन लगभग 75 लाख अंडों का उत्पादन होता है, जिसमें से 40 लाख अकेले जगतियाल जिले से आते हैं। मांग में कमी और निर्यात बंद होने से उत्पादकों के सामने लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा है।

छात्रा की संदिग्ध मौत

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। चिलाकलगुडा पुलिस थाना क्षेत्र में बुधवार को एक 19 वर्षीय इंटरमीडिएट छात्रा ने संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद इलाके में तनाव है और मृतका के परिजनों ने गंभीर उत्पीड़न व मारपीट के आरोप लगाए हैं। मृतका की पहचान जेनिमा के रूप में हुई है, जो अपने घर में फंदे से लटकी पाई गई। जेनिमा की मां रमा देवी के अनुसार, जगदीश नाम का एक युवक पिछले कुछ समय से उनकी बेटी को लगातार परेशान कर रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में आरोपी युवक जबरन उनके घर में घुस गया था और जब जेनिमा घर पर अकेली थी, तब उसने उस पर हमला भी किया था। इस घटना के बाद से ही छात्रा काफी डरी हुई और मानसिक तनाव में थी।

परिवार के सदस्यों का दावा है कि आरोपी द्वारा किए गए हमले और लगातार मिल रही धमकियों के सदमे से बाहर न निकल पाने के कारण जेनिमा ने यह आत्मघाती कदम उठाया। परिजनों ने मृतका के शरीर पर चोट के निशानों की ओर भी इशारा किया है, जिससे मामला और भी संदिग्ध हो गया है। जेनिमा को आनन-फानन में गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पीड़ित परिवार ने आरोपी जगदीश के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

नकली स्नैक्स फैक्ट्री का भंडाफोड़

पूर्णिया, 18 मार्च (एजेंसियां)। पूर्णिया में सेहत के सौदागरों का एक बड़ा सिंडिकेट सक्रिय था, जो आपकी पसंद के स्नैक्स के नाम पर नकली माल बाजारों में खपा रहा था। सदर थाना पुलिस और दरभंगा की अम्बे फूड प्रोडक्ट्स के अधिकारियों ने एक संयुक्त ऑपरेशन चलाकर कार्रवाई की। टीम ने कप्तान पाड़ा स्थित एक फैक्ट्री में चल रहे इस फर्जीवाड़े का पर्दाफाश किया है। यहां अम्बे फूड प्रोडक्ट्स के ब्रांड पालक पनीर की नकल कर धड़ल्ले से बाजार में अवैध कारोबार चलाया जा रहा था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में नकली माल, रोल और पैकेजिंग सामग्री बरामद की है। अम्बे फूड प्रोडक्ट्स के अधिकृत अधिकारी पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि कंपनी को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि पूर्णिया के बाजारों में उनके प्रमुख ब्रांड पालक पनीर की हुबहू नकल कर घटिया गुणवत्ता वाला माल बेचा जा रहा है। कंपनी के निर्देश पर कोलकाता की जीएस आईपीआर सर्विसेज के प्रतिनिधियों ने सदर थाना में इसकी लिखित शिकायत दर्ज कराई।

राष्ट्रपति आज करेंगी रामलला के दर्शन

लखनऊ, 18 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19 से 21 मार्च तक उत्तर प्रदेश में रहकर विभिन्न धार्मिक स्थलों का दौरा करेंगी। सबसे पहले उनका मथुरा स्थित संत प्रेमानंदजी महाराज से मुलाकात करना तय है। इस दौरान राष्ट्रपति श्री राम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगी और वहां श्रीराम यंत्र स्थापित करेंगी, जो इस यात्रा का मुख्य आकर्षण है। 19 मार्च का दिन खास रहेगा, क्योंकि इसी दिन हिंदू नववर्ष और चैत्र नवरात्रि की शुरुआत भी होगी। राष्ट्रपति मुर्मू राम मंदिर परिसर में एक विशेष धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेंगी।

यहां वे श्री राम यंत्र का विधि-विधान से पूजन करेंगी, जो 150 किलो वजनी और सोने की परत चढ़ा हुआ है। यंत्र पर कई वैदिक मंत्र भी अंकित हैं। अयोध्या से 19 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सेना के हेलीपैड से वृंदावन के लिए रवाना होंगी। यहां वो इस्कॉन मंदिर में भगवान के दर्शन करेंगी और प्रेम मंदिर में भी जाएंगी।

संत प्रेमानंद महाराज के साथ आध्यात्मिक चर्चा

20 मार्च को, राष्ट्रपति संत प्रेमानंद महाराज के साथ आध्यात्मिक चर्चा के लिए केली कुंज आश्रम जाएंगी। उनकी मुलाकात से पहले उनके भक्तों में नामी हस्तियों का समावेश है, जैसे विराट कोहली और अनुष्का शर्मा। संत प्रेमानंद का नाम अब काफी चर्चा में है और उनके अनुयायी भी बढ़ते जा रहे हैं।

बाबा नीब करौरी की समाधि स्थल पर पुष्पांजलि

संत प्रेमानंद से मुलाकात के बाद राष्ट्रपति बाबा नीब करौरी की समाधि स्थल पर भी पुष्पांजलि अर्पित करेंगी। बाबा ने 1973 में इस आश्रम में अंतिम सांस ली थी। राष्ट्रपति यहां आधे घंटे तक रहेंगी और हनुमान जी के दर्शन करेंगी। बाबा नीब करौरी के विचार भी राष्ट्रपति के लिए प्रेरणादायक रहेंगे।

उड़िया बाबा के आश्रम की यात्रा

इसके बाद, राष्ट्रपति उड़िया बाबा के आश्रम जाएंगी, जहां वह संत की समाधि के दर्शन करेंगी। उड़िया बाबा का जन्म ओडिशा में हुआ था और राष्ट्रपति का सांस्कृतिक संबंध भी इसी प्रदेश से है। राष्ट्रपति का यह दौरा उनके आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जुड़ाव को और मजबूत करेगा।

कैंसर विभाग का उद्घाटन

20 मार्च को, राष्ट्रपति रामकृष्ण मिशन हॉस्पिटल में नए कैंसर विभाग का उद्घाटन करेंगी। यह विभाग आसपास के क्षेत्रों के मरीजों के लिए अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करेगा। चिकित्सकीय संसाधनों के साथ यह अस्पताल जरूरतमंद लोगों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।

साध्वी ऋतम्भरा के साथ मुलाकात और गोवर्धन परिक्रमा

राष्ट्रपति साध्वी ऋतम्भरा से मिलने वाले दिन बच्चियों और महिलाओं से भी मुलाकात करेंगी। 21 मार्च को गोवर्धन की 21 किलोमीटर की परिक्रमा भी उनके कार्यक्रम में शामिल है।

69000 शिक्षक भर्ती मामले में आरक्षण पीड़ितों को न्याय की आस

सुप्रीम कोर्ट में आज अहम सुनवाई

प्रयागराज, 18 मार्च (एजेंसियां)। बेसिक शिक्षा परिषद की 69 हजार सहायक शिक्षक भर्ती से जुड़े आरक्षण पीड़ित याची अभ्यर्थियों के मामले में 19 मार्च को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई प्रस्तावित है। यह सुनवाई जस्टिस दीपांकर दत्ता व जस्टिस एजी मसीह की बेंच में होगी। पीड़ित अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री कार्यालय में मुलाकात कर सरकार से याची लाभ का प्रस्ताव सुनवाई की तिथि पर प्रस्तुत किए जाने की मांग की।

अभ्यर्थियों को न्याय मिलने की उम्मीद जताई है। पिछड़ा दलित संयुक्त मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी राजेश चौधरी ने कहा कि पीड़ित अभ्यर्थी वर्ष 2020 से हाई कोर्ट में याचिका दायर कर 'याची लाभ' की मांग कर रहे हैं।

अभ्यर्थियों को न्याय मिलने की उम्मीद

13 अगस्त 2024 को हाई कोर्ट की डबल बेंच ने भर्ती सूची को रद कर नई सूची बनाने का आदेश दिया था, जिसमें आरक्षण नियमावली के पालन के निर्देश दिए गए थे, लेकिन विभाग ने अनुपालन नहीं किया। अब प्रकरण पिछले 18 महीने से सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

मोर्चा पदाधिकारियों का आरोप है कि राज्य सरकार की ओर से पर्याप्त पैरवी न होने के कारण मामला लंबित है, जिससे अभ्यर्थियों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति प्रभावित हो रही है। यदि सरकार 19 मार्च की सुनवाई में 'याची लाभ' का प्रस्ताव प्रस्तुत करती है, तो यह विवाद समाप्त हो सकता है।

हाईकोर्ट जज को परोसा फंगस लगा खाना, टोकने पर क्रू ने पार की सारी हदें! एफआईआर दर्ज

लखनऊ, 18 मार्च (एजेंसियां)। विमान सेवाओं में लापरवाही का एक बड़ा मामला सामने आया है। दिल्ली से लखनऊ आ रही एयर इंडिया की उड़ान में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार को दूषित भोजन परोसा गया। जब उन्होंने इसकी शिकायत की, तो आरोप है कि एयरलाइन स्टाफ ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। इस मामले में लखनऊ के सरोजनी नगर थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार रात एयर इंडिया की फ्लाइट (एआई-1720) से दिल्ली से लखनऊ की यात्रा कर रहे थे।

उनकी सीट संख्या 1ए थी। यात्रा के दौरान उन्हें जो खाना दिया गया, उसमें फंगस लगा हुआ था।न्यायमूर्ति ने जब खराब भोजन पर आपत्ति जताई, तो केबिन क्रू सदस्य मनप्रीत और प्रीति ने माफी मांगने या समाधान करने के बजाय उनके साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया। विमान के लखनऊ लैंड होने के बाद भी विवाद थमा नहीं। आरोप है कि एयर इंडिया के कस्टमर सर्विस कर्मचारी सूफियान ने भी न्यायमूर्ति के साथ अभद्र व्यवहार किया। इतना ही नहीं, सूफियान पर आरोप है कि उसने उस दूषित भोजन (सबूत) को विमान से बाहर ले जाने से रोकने की कोशिश की।

न्यायमूर्ति के साथ यात्रा कर रहे सुमित गुप्ता ने इस पूरी घटना की लिखित शिकायत सरोजनी नगर थाने में दी। एसीपी कृष्णा नगर, रजनीश वर्मा ने पुष्टि की है कि सुमित गुप्ता की तहरीर पर संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब यात्रियों की सुरक्षा और अधिकारों के उल्लंघन के इस गंभीर मामले की गहनता से जांच कर रही है।

आज से बारिश-ओले का अलर्ट

वाराणसी, 18 मार्च (एजेंसियां)। यूपी में मौसम बिगड़ने वाला है, क्योंकि फिर से बारिश का अलर्ट जारी हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, 19 मार्च से 4 दिनों तक सुबह बारिश हो सकती है। 30 से 40 की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। पश्चिमी यूपी में ज्यादा असर देखने को मिलेगा। पिछले 24 घंटे की बात करें तो बांदा सबसे गर्म शहर रहा। यहां का अधिकतम तापमान 39.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। 37.6 डिग्री सेल्सियस के साथ वाराणसी दूसरे नंबर पर और 37.5 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रयागराज तीसरे नंबर पर रहा। 19 मार्च से एक और विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इस वजह से बारिश और तूफान का दौर फिर से शुरू होगा, जिससे अधिकतम तापमान में 5 से 7 डिग्री तक गिरावट आ सकती है।

बारिश हुई तो खड़ी फसलों को होगा नुकसान

कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि अगर बारिश के साथ तेज हवाएं चलीं, तो फसलों को नुकसान हो सकता है। गेहूं की खड़ी फसल गिर सकती है, इसलिए किसान फसलों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएं।

मार्च में ही क्यों बढ़ रही है गर्मी?

स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष महेश पलावत का कहना है कि पिछले कुछ साल में जलवायु परिवर्तन (क्लाइमेट चेंज) का असर मौसम पर साफ दिखाई दे रहा है। इसी कारण मौसम का पैटर्न तेजी से बदल रहा है। गर्मी पहले की तुलना में जल्दी शुरू हो रही है। इसलिए तापमान ज्यादा तेजी से बढ़ने लगा है। आमतौर पर मार्च के आखिरी हफ्ते तक पारा 40 डिग्री तक पहुंचता था, लेकिन अब मार्च के दूसरे हफ्ते में ही पारा 40 डिग्री तक पहुंच गया। कई बार लू (हीटवेव) का दौर भी पहले से ज्यादा दिनों तक चलता है। बीते कुछ सालों में देश के कई शहरों में गर्मी के पुराने रिकॉर्ड भी टूटे हैं।

लंबे समय तक चल सकती है हीटवेव

आईएमडी यानी मौसम विभाग के मुताबिक, इस साल कुछ इलाकों में लंबे समय तक हीटवेव की स्थिति बन सकती है। इसका मतलब है कि कई शहरों में लगातार कई दिनों तक तापमान बहुत ज्यादा रह सकता है और लोगों को तेज गर्मी का सामना करना पड़ सकता है।

कब मानी जाती है हीटवेव?

मौसम विभाग के मुताबिक, हीटवेव तब मानी जाती है, जब मैदानों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे ज्यादा पहुंच जाए या फिर सामान्य तापमान से 4 से 6 डिग्री ज्यादा दर्ज किया जाए। ऐसी स्थिति में लोगों के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ सकता है और लू लगने का खतरा बढ़ जाता है।

डॉक्टर ने बेहोश करके बना लिया युवती का अश्लील वीडियो

मुजफ्फरनगर, 18 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में एक डॉक्टर ने पहले गरीब परिवार की बेटी को सहारा देने के नाम पर उसे अपने घर पर नौकरी पर रखा और उसके बाद मौका मिलते ही बेहोशी का इंजेक्शन देकर कथित रूप से बलात्कार की घटना को अंजाम दे दिया। इतना ही नहीं उसने युवती का अश्लील वीडियो भी अपने मोबाइल में बना लिया। जिसके बाद शुरू हुआ 14 महीने तक ब्लैकमेल करते हुए बलात्कार का सिलसिला।

बताया जा रहा है कि इस मामले की शिकायत पीड़िता ने पुलिस से भी की लेकिन कोई कार्रवाई न होने के चलते पीड़ित युवती ने अपना एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर आत्महत्या की धमकी देते हुए पुलिस प्रशासन को इसका जिम्मेदार तक बता दिया। पीड़िता का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस भी हरकत में आई।

एयरपोर्ट पर 10 करोड़ का गांजा जब्त

गयाजी, 18 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के गया जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर कस्टम विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई की। इस बीच करीब 10 करोड़ रुपये मूल्य का 'हाईटेक गांजा' जब्त किया। बरामदगी के बाद एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था और जांच प्रक्रिया को और सख्त कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, थाई एयरवेज की बैंकॉक से आई एक शेड्यूल फ्लाइट से पहुंचे दो संदिग्ध बैग को कस्टम अधिकारियों ने जांच के दौरान अलग कर लिया था। बैग की स्थिति और उसमें मौजूद सामान को लेकर अधिकारियों को संदेह हुआ, जिसके बाद उन्हें निगरानी में रखा गया। चौंकाने वाली बात यह रही कि ये दोनों बैग एयरपोर्ट पर लगातार तीन दिनों तक लावारिस पड़े रहे, लेकिन कोई भी यात्री उन्हें लेने नहीं पहुंचा। इससे कस्टम विभाग का शक और गहरा गया। अधिकारियों ने नियमों के तहत बैग की तलाशी लेने का फैसला किया।

राज्यसभा चुनाव के बाद अब बिहार के अगले सीएम पर चर्चा शुरू

बीजेपी ने कहा- 'अगला मुख्यमंत्री कोई तो होगा ही न'

पटना, 18 मार्च (एजेंसियां)। बिहार की पांच राज्यसभा सीटों के नतीजे आ चुके हैं। एनडीए के सारे प्रत्याशियों की जीत के साथ यह भी साफ हो गया है कि नीतीश कुमार राज्यसभा जाएंगे। राज्यसभा चुनाव के रिजल्ट के बाद एक बार फिर से चर्चा शुरू हो गई है कि बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? बीजेपी के वरिष्ठ नेता और बिहार सरकार में कृषि मंत्री रामकृपाल यादव ने बुधवार (18 मार्च, 2026) को अपनी प्रतिक्रिया दी। रामकृपाल यादव ने कहा, अगला मुख्यमंत्री कोई न कोई तो होगा ही न... और एनडीए से ही होना है तो एनडीए का नेतृत्व तय करेगा। यह सब कुछ ही दिनों में सामने आ जाएगा... थोड़ा धैर्य रखें। पर्दे में रहने दें... पर्दा ने उठाएं... जो एनडीए का नेतृत्व है... चाहे वो राज्य का हो या केंद्र का हो... जो तय होगा वो सामने आ जाएगा...

खत्म हो जाएगी कांग्रेसः रामकृपाल यादव

दूसरी ओर राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के तीन विधायकों ने वोट नहीं दिया था। इस पर रामकृपाल यादव ने कहा कि उनके छह विधायक हैं, इसलिए जो विधायक और कार्यकर्ता हैं उन्होंने मन बना लिया है कि साथ नहीं रहेंगे, इसीलिए वोट नहीं किया। आने वाले वक्त में कांग्रेस खत्म हो जाएगी। कृषि मंत्री रामकृपाल यादव ने वाराणसी में नाव पर इफ्तार पार्टी के दौरान गंगा नदी में मांसाहारी भोजन फेंकने के आरोप में 14 युवकों की

गिरफ्तारी पर कहा, दुर्भाग्यपूर्ण घटना है... नाव पर नॉनवेज खाकर और गंगा मैया को अपवित्र कर रहे थे... खासकर जो बनारस का घाट है दुनिया भर से लोग आते हैं... देसी से ज्यादा विदेशी आते हैं और वहां उसे अपवित्र करना... कार्रवाई होनी चाहिए... घोर अपमान है... सनातन का और हिंदू धर्म का अपमान है, इसे कभी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

बंगाल चुनाव पर क्या बोले रामकृपाल यादव?

पश्चिम बंगाल में चुनाव होना है। इस पर रामकृपाल यादव ने कहा कि टीएमसी के राज में, ममता बनर्जी के राज में, बंगाल बर्बाद हो चुका है। वहां भ्रष्टाचार... मार-काट... लोगों के साथ अन्याय होता रहा है। बंगाल की जनता डरी हुई है। पांच साल के बाद ही जनता को मौका मिलता है। अब वो मौका ममता दीदी को नहीं मिलने वाला है। वहां जनता बीजेपी की सरकार बनाएगी।

60 बीघा जमीन पर अतिक्रमण

राजस्व टीम ने 40 बीघा भूमि कराई मुक्त; 20 मकान चिह्नित

संभल, 18 मार्च (एजेंसियां)। नखासा थाना क्षेत्र के गांव महराना में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया। राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने जांच में 65 बीघा जमीन पर अवैध कब्जे की पुष्टि की, जिसमें से 40 बीघा भूमि पर हुई फसल को जुतवाकर तुरंत कब्जा मुक्त करा दिया गया। वहीं शेष भूमि पर बने लगभग 20 पक्के मकानों की पैमाइश के बाद बेदखली की कार्रवाई की तैयारी कर दी गई है। तहसील क्षेत्र के गांव महराना निवासी ग्रामीण रविराज द्वारा एसडीएम को दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर मामले की जांच कराई गई। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम निधि पटेल ने 13 मार्च को राजस्व विभाग की एक विशेष टीम गठित की, जिसमें नायब तहसीलदार, दो कानूनगो और आठ लेखपालों को शामिल किया गया। इसी क्रम में मंगलवार की दोपहर करीब एक बजे नायब तहसीलदार बबलू कुमार के नेतृत्व में टीम गांव पहुंची। टीम ने मौके पर पहुंचकर भूमि की पैमाइश शुरू की। जांच के दौरान पाया गया कि पशुचर और खलिहान की कुल 65 बीघा सरकारी जमीन पर ग्रामीणों द्वारा अवैध कब्जा कर लिया गया है। इनमें से करीब 40 बीघा भूमि पर गेहूं की फसल खड़ी थी। राजस्व टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर बुलवाकर पूरी फसल जोतवा दी और जमीन को कब्जा मुक्त करा दिया। राजस्व टीम को शेष करीब 15 बीघा भूमि पर 20 से 22 पक्के मकान भी बने हुए मिले। इन मकानों को चिन्हित कर उनकी पैमाइश की गई। बताते हैं कि कुछ निर्माण कई वर्ष पुराने हैं, जबकि कुछ हाल ही में किए गए हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि समय-समय पर जमीन पर अतिक्रमण बढ़ता गया। एसडीएम निधि पटेल ने बताया कि शिकायत में खाता संख्या 78, 79, 82 और गाटा संख्या 81, 76, 68, 71, 77, 85, 83 की भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप था, जिसकी जांच में पुष्टि हो चुकी है।

आईपीएस अपर्णा कौशिक बॉडी शेमिंग की शिकार

मिर्जापुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में पुलिस अधीक्षक आईपीएस अपर्णा कौशिक सोशल मीडिया पर बॉडी शेमिंग की शिकार हो गयीं। एक क्राइम पर दिए बाईट/इंटरव्यू को मिर्जापुर पुलिस की ऑफिसियल इंस्टाग्राम पर जैसे ही डाला गया और वो तेजी से वायरल हो गया। लोग महिला आईपीएस के शरीर को लेकर बेहद भद्दे कमेन्ट करने लगे। जिस कारण पुलिस ने कमेन्ट सेक्शन बंद कर दिया। अब यह मामला तूल पकड़ गया गया है। सोशल मीडिया पर इस तरह की सोच वालों पर कंमेंट हो रहे हैं। अपर्णा कौशिक के वीडियो पर 4 मिलियन से ज्यादा व्यूज आए हैं। जबकि 11 हजार से अधिक कमेन्ट हैं। इनमें ज्यादातर कमेन्ट महिला अधिकारी एक शरीर की बनावट को लेकर हैं। फ़िलहाल इस मामले में पुलिस की तरफ से कोई अधिकारिक कार्रवाई या बयान जैसा अभी कुछ नहीं आया है।

क्या है पूरा मामला ?

दरअसल 13 मार्च को मिर्जापुर पुलिस द्वारा 25 हजार के इनामी गौतस्कर को पकड़ा गया था। इस संबंध में मिर्जापुर एसपी अपर्णा कौशिक द्वारा एक प्रेस बाईट जारी की गयी। जिसे मिर्जापुर पुलिस ने अपने रूटीन प्रोसेस में सभी अधिकारिक सोशल मीडिया के पेजों पर डाला। लेकिन इंस्टाग्राम पर एसपी के शरीर को लेकर ट्रोलिंग शुरू हो गयी। वीडियो तेजी से वायरल हुए और 40 लाख व्यूज तक पहुंच गया। भद्दे कमेन्ट के कारण मिर्जापुर पुलिस ने कमेन्ट सेक्शन बंद कर दिया।

वीडियो पर प्रतिक्रियाएं

वीडियो डालने के बाद उस पर 4 मिलियन व्यूज से ज्यादा आए, 11 हजार से अधिक कमेन्ट, लगभग चार लाख लोगों वो वीडियो शेयर किया। कमेन्ट में महिला अधिकारी की शारीरिक बनावट, लुक और अपीयरेंस पर आपत्तिजनक और सेक्सिस्ट और बॉडी शेमिंग रिमार्क्स किए। कई कमेन्ट बेहद अश्लील थे। और अधिकारी का मजाक उड़ाया।

सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

महिला आईपीएस अधिकारी पर इस तरह कमेंट्स से सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गयी, ज्यादातर लोगों ने इसकी निंदा की और ऐसे लोगों पर कार्रवाई की वकालत की। कुछ लोगों ने लिखा जब आईपीएस अधिकारी ट्रोल किया जा सकता है तो आम महिला के लिए कितनी मुश्किल होती होगी। फ़िलहाल इस मामले में मिर्जापुर पुलिस की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं है।

25 किलो गांजे के साथ 2 गिरफ्तार

प्रतापगढ़, 18 मार्च (एजेंसियां)। नशीले पदार्थ की तस्करी का अंतरराज्यीय गिरोह पकड़ा गया है। पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत यह कार्रवाई की, जिसमें 25 किलो गांजा, कार व नकदी के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया। रानीगंज पुलिस व एएनटीएफ (मेरठ व प्रयागराज) की संयुक्त टीम ने ओडिशा से गांजा खरीदकर एनसीआर क्षेत्र में सप्लाई करने वाले तस्करों को पकड़ा। थाना रानीगंज के प्रभारी निरीक्षक प्रभात कुमार सिंह, दारोगा गिरजा प्रसाद सिंह, एएनटीएफ मेरठ के कांस्टेबल रोहित, कपिल रावत एवं एएनटीएफ आपरेशनल यूनिट प्रयागराज के दारोगा मनीष कुमार सिंह ने वाहनों की चेकिंग के दौरान यह कार्रवाई की।

पकड़ा गया रोहित कुमार गौतम पुत्र राजकुमार अंतपुर मानधाता इन दिनों जेजे कॉलोनी बवाना ईस्ट दिल्ली में रहता था। दूसरा मेहराज पुत्र इरशाद गोहटिया खुर्द कला जैथरा एटा है, जो भंगी गली दल्लूपुरा थाना अशोक नगर दिल्ली में रहता था। यह लोग अर्टिगा कार से गांजा पहुंचाते थे। रोहित कुमार ने पुलिस को बताया कि दिल्ली और आसपास में क्षेत्र में इस कार को भाड़े पर चलाता था। वहीं, गांजा की तस्करी करने वाले लोगों के संपर्क में आ गया था।

यूपी में बीजेपी सरकार के 9 साल पूरे होने पर सीएम योगी का संबोधन

गिनाईं अपने कार्यकाल की उपलब्धियां

लखनऊ, 18 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार को आज 9 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी सरकार की तमाम उपलब्धियां गिनाईं। सीएम योगी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार प्रधानमंत्री मोदी के विजन को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम यह सुनिश्चित करते हैं कि योजनाएं जमीनी स्तर पर लागू हों और वे लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत, गांव के आखिरी व्यक्ति तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने की पहल की गई है। जल जीवन योजना के कामयाबी से कार्यान्वयन के लिए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल जी ने केंद्र और राज्य सरकार के बीच आज हुए समझौता ज्ञापन कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश में 1,05,000 से ज्यादा राजस्व गांव हैं, जिनमें से 10 हजार से ज्यादा गांवों में पाइपलाइन के जरिए पेयजल की सुविधा उपलब्ध है। उत्तर प्रदेश में स्कीम के कार्यान्वयन के साथ, हमने यह सुनिश्चित किया है कि सभी एजेंसियां और ठेकेदार काम पूरा होने के बाद 10 साल तक इसके रखरखाव के लिए जिम्मेदार होंगे।

प्रदूषित जल से बढ़ी थीं बीमारियों से मौत की शिकायत

सीएम योगी ने कहा कि 85 हजार से ज्यादा ग्राम पंचायतें ऐसी थीं जहां पर पेयजल की कोई भी स्कीम नहीं थी। वहां पर हैंडपंप के माध्यम से या फिर तालाबों से या नदियों से जनता जल लेती थी। परिणाम था पर्याप्त जल संसाधन होने के कारण सामान्यतः लोगों को इसकी समस्या नहीं थी। लेकिन प्रदूषित जल के कारण बहुत बार तमाम प्रकार की बीमारियों के कारण असमय मौत की शिकायतों में काफी बढ़ोतरी हुई थी।

एआई की मदद से मौत के कारणों का पता लगाया

मुख्यमंत्री बोले कि मैं केवल एक उदाहरण दूंगा। पूर्वी उत्तर प्रदेश में पर्याप्त जल संसाधन है। लेकिन पूर्वी उत्तर प्रदेश में इन्सेफेलाइटिस से प्रतिवर्ष हजारों मौतें होती थीं। इन हजारों मौतों का परिणाम वहां पर प्रतिवर्ष जब हम लोगों ने इन सभी आंकड़ों को लेकर के एआई टूल के माध्यम से इसकी एनालिसिस की तो पता लगा कि खुले में शौच और अशुद्ध पेयजल के कारण ये मौतें हो रही हैं।

प्रदूषित जल से मौत का आंकड़ा किया जीरो

उन्होंने आगे कहा कि आज जल जीवन मिशन के तहत जब उन गांवों में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता हुई और हर घर में शौचालय बने, जिन क्षेत्रों में 40 साल में 50 हजार से अधिक मौतें हुई थीं। आज मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि पिछले 5 साल में मौत के आंकड़ों को जीरो तक पहुंचाने में हमें सफलता मिली है। और इसका श्रेय मैं प्रधानमंत्री के इस विजन को देता हूं, जिन्होंने स्वच्छ भारत मिशन में हर घर में शौचालय और जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर नल की इस स्कीम को जारी किया, इसको लागू किया।

साध्वी निरंजन ज्योति बनीं राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष, संभाला पदभार

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता साध्वी निरंजन ज्योति को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें सरकार की ओर से राष्ट्रीय ओबीसी आयोग की अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस पर पूर्व सांसद ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। साध्वी निरंजन ज्योति ने बुधवार को राष्ट्रीय ओबीसी आयोग की अध्यक्ष का पद ग्रहण किया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ ग्रुप फोटो खिंचाई। इसके साथ ही, सभी के साथ एक बैठक भी की। नवनियुक्त राष्ट्रीय ओबीसी आयोग की अध्यक्ष ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, **सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके। शरण्ये त्र्यम्बके गौरी नारायणि नमोस्तुते।** नई दिल्ली में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। पिछड़े समाज के सम्मान, अधिकारों की रक्षा और उनके समग्र विकास के लिए समर्पित यह दायित्व प्रदान करने के लिए महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हृदय से आभार। उन्होंने आगे लिखा, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग का यह संकल्प है कि पिछड़े समाज को न्याय, सुरक्षा, सम्मान और विकास के समान अवसर प्राप्त हों। इसी भावना के साथ आयोग कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बता दें कि साध्वी निरंजन ज्योति केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के पहले दो कार्यकाल में मंत्री रही हैं। उन्हें 2014 में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री बनाया गया था। 2019 में दूसरी बार सरकार बनने पर साध्वी निरंजन ज्योति को ग्रामीण विकास मंत्रालय (राज्य मंत्री) की जिम्मेदारी सौंपी गई। 2021 में उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय (राज्य मंत्री) में जिम्मेदारी निभाने का अवसर मिला। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में जन्मी साध्वी निरंजन ज्योति अति पिछड़े निषाद मल्लाह समाज से आती हैं। वे फतेहपुर से सांसद रहीं।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव

'सीएम पद का ऑफर और 50 फीसदी सीटें', एक्टर विजय को लेकर बड़ा दावा

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु में सियासी हलचल तेज है। अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) को चुनावी गठबंधन में बड़ा ऑफर मिला था। पार्टी के महासचिव आदव अर्जुन ने दावा किया है कि किसी एक पार्टी ने विजय को मुख्यमंत्री पद देने और 50 प्रतिशत विधानसभा सीटें देने का प्रस्ताव रखा था। लेकिन विजय ने इसे सीधे ठुकरा दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें तमिलनाडु की जनता का भरोसा चाहिए, मुख्यमंत्री का पद नहीं चाहिए। यह ऑफर सिर्फ 50 सीटों तक सीमित नहीं था।

अर्जुन के मुताबिक, बातचीत के दौरान 50 से लेकर 90 सीटों तक के प्रस्ताव आए। साथ ही मुख्यमंत्री पद दो-ढाई साल के लिए देने की बात भी कही गई। फिर भी विजय नहीं माने। अर्जुन ने कोलाथुर में पार्टी की बैठक को संबोधित करते हुए यह खुलासा किया। उन्होंने किसी पार्टी का नाम नहीं लिया, लेकिन दावा किया कि विजय दिल्ली के सामने झुकने वाले नहीं हैं।

'विजय ने जनता का विश्वास चुना'

अर्जुन ने कहा, विजय अन्ना ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो मुख्यमंत्री पद के लिए दिल्ली के सामने घुटने टेक दें। उन्हें तरह-तरह के ऑफर दिए गए। 50:50 सीट शेयरिंग से लेकर 90 सीटें तक। मुख्यमंत्री पद भी दो-ढाई साल के लिए।

लेकिन विजय अन्ना ने साफ कहा कि उन्हें तमिलनाडु की जनता का भरोसा चाहिए, सीएम का पद नहीं। यह दावा ऐसे समय में आया है जब टीवीके अपनी पहली विधानसभा चुनाव लड़ने जा रही है। पार्टी 23 अप्रैल को होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में पहली बार मैदान में उतरेगी। अर्जुन ने जोर देकर कहा कि टीवीके अकेले ही सभी 234 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कोई गठबंधन नहीं करेगी।

अन्नाद्रमुक और बीजेपी ने गठबंधन की अफवाहों से किया इनकार

इस बीच, अन्नाद्रमुक के महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने हाल ही में मीडिया से बातचीत में साफ कहा कि उनकी पार्टी टीवीके से किसी भी तरह की गठबंधन बातचीत में शामिल नहीं है। बीजेपी के तमिलनाडु अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने भी अपने सहयोगी पलानीस्वामी का समर्थन किया। हालांकि, पहले काफी चर्चा थी कि बीजेपी से जुड़े कुछ सूत्र टीवीके से बातचीत कर रहे थे।

एनडीए के साथ मिलकर डीएमके के खिलाफ मोर्चा बनाने की कोशिशें बताई जा रही थीं। लेकिन अब टीवीके ने साफ संकेत दे दिया है कि वह अकेले चुनाव लड़ेगी और विजय को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाएगी।

एलपीजी संकट के बीच अब गैस सिलेंडर चुरा रहे चोर

रिटायर्ड जज के घर को भी नहीं बख्शा 4 सिलेंडर उठा ले गए

भोपाल/शिवपुरी/रायपुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। मध्य पूर्व में चल रहे तनाव के कारण एलपीजी गैस सिलेंडर की किल्लत बढ़ गई है। ऐसे में अब चोरों की नजर घरों में रखे गैस सिलेंडर पर पड़ गई है। अब शहर-शहर में गैस सिलेंडर चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं। मध्य प्रदेश से लेकर छत्तीसगढ़ तक लोग परेशान हैं और पुलिस चोरों की तलाश में लगी हुई है। चोरी की ये घटनाएं सीसीटीवी में कैद होने की वजह से दुनिया के सामने आ गईं।

इनमें चोर शातिराना तरीके से एलपीजी सिलेंडर चुराते नजर आ रहे हैं। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के लालघाटी इलाके में एक रिटायर्ड जज के घर से 4 खाली गैस सिलेंडर चोरी हो गए। बाइक सवार 3 चोर घर की पार्किंग से सिलेंडर उठाकर ले गए। पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित परिवार ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

उन्होंने बताया कि 15 मार्च की रात करीब साढ़े 12 बजे पार्किंग में 4 सिलेंडर रखे थे, जो देर रात चोरी हो गए। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश कर रही है। शिवपुरी के कोतवाली थाना क्षेत्र की कृष्णपुरम कॉलोनी में एक घर से गैस सिलेंडर चोरी की घटना हुई। चोर घर का ताला तोड़कर अंदर घुसा और सिलेंडर ले गया।

सीसीटीवी में साफ दिख रहा है कि एक चोर सिलेंडर को कंधे पर रखकर ले जाता है। वार्ड नंबर 10 में रहने वाली नीतू मायके गई हुई थीं। अगले दिन जब वे लौटीं तो ताला टूटा मिला, घर का सामान बिखरा पड़ा था। सिलेंडर के अलावा सोने-चांदी के जेवरात, नकदी और जरूरी दस्तावेज भी चोरी हो गए। पुलिस सीसीटीवी के जरिए आरोपी की पहचान में जुटी हुई है।

बदमाशों ने एडीजी को दी जान से मारने की धमकी

डीजीपी से लगाई गुहार

भोपाल, 18 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में अपराधियों के हौसले किस कदर बुलंद हैं, इसका अंदाजा इस घटना से लगाया जा सकता है कि अब वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी निशाने पर आ गए हैं। एडीजी (ट्रेनिंग) राजाबाबू सिंह को उनके ही घर के बाहर धमकाने का मामला सामने आया है।

घटना भोपाल के त्रिलंगा इलाके की है, जहां कुछ अज्ञात युवक कार से एडीजी राजाबाबू सिंह के घर के बाहर पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने घर के बाहर खड़े होकर गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। एक युवक हाथ में डंडा भी लिए हुए था। पूरी वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई है।

इस घटना के बाद मामला और गंभीर हो गया, जब एडीजी राजाबाबू सिंह ने खुद अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने पुलिस कमिश्नर और डीजीपी को पत्र लिखकर सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने साफ कहा है कि यह घटना उनकी जान को खतरे का संकेत है। मामले में शाहपुरा थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। एडीजी की ओर से पुलिस को सीसीटीवी फुटेज भी सौंपे गए हैं। फिलहाल पुलिस फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी हुई है।

राजाबाबू सिंह मध्य प्रदेश कैडर के 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के रहने वाले सिंह ने यूपीएससी परीक्षा पास कर पुलिस सेवा जॉइन की थी। हाल ही में वे बीएसएफ से डेपुटेशन पूरा कर लौटे हैं और वर्तमान में एडीजी (ट्रेनिंग) की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। हाल के दिनों में पुलिस ट्रेनिंग में किए गए कुछ बदलावों को लेकर भी वे चर्चा में रहे हैं। पुलिस ट्रेनिंग के दौरान रामचरित्र मानस का पाठ कराना, मदरसों में कुरान के साथ गीता का पाठ कराने की सलाह देना जैसे कामों को लेकर चर्चाओं में रहे है।

जमानत पर जेल से बाहर आया पिता का कातिल तो बेटे ने दिनदहाड़े काट डाला

मुंबई, 18 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में गोंदिया जिले के गोरेगांव तहसील अंतर्गत पालेवाड़ा हेटी गांव में एक बेटे ने अपने पिता के कातिल को दिनदहाड़े तलवार से काट डाला। वारदात को अंजाम देने के बाद से आरोपी फरार है और पुलिस की कई टीमें उसकी तलाश में जुटी हुई हैं। इस खूनी संघर्ष की पटकथा 9 माह पहले शुरू हुई थी। मृतक भूरू उर्फ देवेंद्र ताराम (25) पर आरोप था कि उसने आसाराम कांबले की लोहे की कुल्हाड़ी से सिर पर वार कर बेरहमी से हत्या की थी। पुलिस ने देवेंद्र को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा, लेकिन कुछ ही दिनों बाद पहले वह जमानत पर जेल से बाहर आया था और यही उसकी जिंदगी की सबसे बड़ी भूल साबित हुई। देवेंद्र की रिहाई आसाराम के बेटे सुनील कांबले के लिए जख्मों पर नमक जैसी थी। पिता की हत्या का बदला लेने के लिए सुनील 'शिकारी' की तरह मौके की तलाश में था।

अधीर रंजन चौधरी 26 साल बाद लड़ सकते हैं विधानसभा चुनाव, बरहमपुर से होंगे उम्मीदवार

कोलकाता, 18 मार्च (एजेंसियां)। बंगाल की राजनीति में कांग्रेस अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए नयी रणनीति पर काम कर रही है। कांग्रेस हाई कमांड अधीर रंजन चौधरी को बंगाल की राजनीति में उतारने की सोच रही है। अधीर चौधरी को विधानसभा में उम्मीदवार बनाया जा सकता है। बंगाल प्रदेश कांग्रेस ने भी इस बात को दोहराया है।

अधीर चौधरी को उनके गृह क्षेत्र बरहमपुर से चुनाव में उतारा जा सकता है। हालांकि, इस मामले पर अंतिम फैसला कांग्रेस केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में लिया जाएगा। करीब ढाई दशकों से संसद के गलियारों में नजर आनेवाले अधीर रंजन चौधरी लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के नेता के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।

करीब 26 वर्षों बाद वो विधानसभा के लिए चुनावी मैदान में दिखेंगे। 24वीं लोकसभा चुनाव हारने के बाद वर्तमान में अधीर पूर्व सांसद हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी सुभंकर सरकार के कंधों पर है। कुल मिलाकर, अधीर पर फिलहाल कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी नहीं है। कांग्रेस नेतृत्व इस समय अधीर रंजन चौधरी को बंगाल विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाती है तो उनके कंधे पर अपनी सीट जीतने के साथ-साथ कांग्रेस को बंगाल में फिर से खड़ा करने की जिम्मेदारी भी होगी। बरहमपुर के 'रॉबिन हुड' कहे जाने वाले अधीर रंजन चौधरी 1996 में मुर्शिदाबाद के नबग्राम से कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुने गए थे। वे 1999 के लोकसभा चुनावों तक विधायक रहे।

फिर, 1999 के लोकसभा चुनावों में, अधीर ने बरहमपुर निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल करके पहली बार संसद में प्रवेश किया। वे बरहमपुर से 25 वर्षों तक सांसद रहे। 2024 के लोकसभा चुनावों में उन्हें तृणमूल के यूसुफ पठान ने हराया था। बहरामपुर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्रों में से एक बहरामपुर है। इस क्षेत्र में अधीर का दबदबा कभी काफी रहा है, लेकिन, पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के सुब्रता मैत्रा ने बहरामपुर से जीत हासिल की।

चुनाव से पहले बंगाल को दहलाने की थी साजिश

कोलकाता, 18 मार्च (एजेंसियां)। बंगाल में विधानसभा चुनाव की तरीखों की घोषणा होने के महज तीन बाद बड़ी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ है। यह बरामदगी बीरभूमि इलाके से हुई है।

ग्रामीणों ने विस्फोटक से लदे एक ट्रैक्टर को तस्करी के दौरान जब्त कर पुलिस को सौंप दिया है। यह घटना बीरभूमि के नलहाटी पुलिस स्टेशन के कदासिर गांव में हुई है। लोगों का कहना है कि पुलिस को यह पता लगाना चाहिए कि चुनाव से पहले विस्फोटक सामग्री कहां और क्यों ले जाई जा रही थी।

जब्त किए गए विस्फोटकों में 10,000 जिलेटिन स्टिक और 360 डेटोनेटर शामिल हैं। पुलिस का दावा है कि चुनाव से पहले बंगाल को दहलाने की साजिश नाकाम कर दी गयी है। घटना के बाद केंद्रीय बलों ने बंगाल के कोने-कोने में गश्त तेज कर दी है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने स्पष्ट किया है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

मुंबई की मेयर तावड़े को आरोपमुक्त करने संबंधी याचिका कोर्ट ने की खारिज

मुंबई, 18 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई की एक अदालत ने दो स्कूल शिक्षकों पर हमले के मामले में शहर की मेयर और भाजपा पार्षद रितु तावड़े को बरी करने से इनकार कर दिया है। अदालत ने पीड़ितों के बयानों को उनके खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सबूत बताया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वाईपी मनथका ने अपने फैसले में कहा कि अन्य गवाहों ने भी कहा कि तावडे ने शिक्षकों पर हमला किया था। यह घटना 29 जुलाई, 2016 को वाकोला क्षेत्र में नगर निगम के एक उर्दू माध्यम विद्यालय में घटी थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह विवाद एक महिला शिक्षिका के अचानक तबादले को लेकर भड़का, जो कथित तौर पर कैंसर से जूझ रही थीं।

अभियोजन पक्ष ने कहा कि तावड़े ने छह अन्य लोगों के साथ कथित तौर पर स्कूल में प्रवेश किया। इसके साथ ही कैंसर से पीड़ित होने के बावजूद शिक्षक के तबादले को लेकर प्रबंधन के साथ तीखी बहस की।

दो स्कूल शिक्षकों पर हमला किया

इसके अलावा, पुलिस ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने प्रबंधन को गालियां देना शुरू कर दिया। इसके साथ ही दो स्कूल शिक्षकों पर हमला किया। इस मामले पर 11 अगस्त, 2016 को एक प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की गई थी, और बचाव पक्ष ने 13 दिन की देरी को अस्पष्ट बताया था। तावड़े ने अपनी याचिका में दावा किया कि घटनास्थल पर उनकी उपस्थिति संयोगवश थी और कथित भीड़ की घटना से इसका कोई संबंध नहीं था। उन्होंने दावा किया कि भाजपा पार्षद के रूप में उनकी स्थिति का दुरुपयोग शिकायतकर्ता (स्कूल की प्रधानाध्यापिका) द्वारा अनुचित प्रचार प्राप्त करने के लिए किया गया प्रतीत होता है।

झूठा फंसाया गया है- तावड़े

पार्षद ने दावा किया, शिकायतकर्ता ने आवेदक की राजनीतिक पहचान के बारे में जानने के बाद, दुर्भावना और गुप्त इरादों से काम करते हुए तावडे को झूठा फंसाया ताकि अपनी व्यक्तिगत शिकायत को बल प्रदान कर सके। हालांकि, अतिरिक्त लोक अभियोजक इकबाल सोलकर द्वारा प्रतिनिधित्व की गई पुलिस ने तर्क दिया कि पीड़ितों के बयान से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि तावड़े ने दोनों शिक्षकों को थप्पड़ मारकर उन पर हमला किया था।

अभियोजन पक्ष ने कहा कि स्कूल एक ऐसी जगह है जहां छात्रों को जीवन के सबक मिलते हैं, लेकिन जिस जगह पर झगड़ा हुआ, वह जगह भी वैसी ही है, इसलिए इस कृत्य को गंभीरता से देखा जाना चाहिए। मामले के तथ्यों पर विचार करने के बाद, न्यायाधीश ने कहा कि पीड़ितों ने स्पष्ट रूप से आवेदक का नाम उस व्यक्ति के रूप में लिया है जिसने स्कूल के अंदर उन्हें हाथ से पीटा था।

अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि अन्य गवाहों ने भी कहा कि तावडे ने शिक्षकों पर हमला किया था। अदालत ने तावड़े की याचिका खारिज करते हुए फैसला सुनाया, यह आवेदक के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त से अधिक है।

बेटे-बहू ने बुजुर्ग को बोरे में बांधकर पार्सल कर दिया, कूरियर खुला तो जिंदा निकला

बेंगलुरु, 18 मार्च (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर व्यूज और लाइक्स की भूख किस कदर लोगों के सिर चढ़कर बोल रही है, इसका एक हैरान कर देने वाला मामला बेंगलुरु से सामने आया है। यहां एक परिवार ने 'ह्यूमन पार्सल' (पार्सल में इंसान) बनाकर रील शूट करने की कोशिश की, जिससे कूरियर ऑफिस के कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। जब कूरियर ऑफिस में एक परिवार एक बहुत बड़ा बॉक्स लेकर पहुंचा। जब कर्मचारियों ने संदेह होने पर पैकेट के बारे में पूछताछ की और उसे खोलकर देखा, तो उनके होश उड़ गए। उस बॉक्स के अंदर एक बुजुर्ग व्यक्ति (महिला के पिता) बंद थे।

पूछताछ में पता चला कि इस पूरी साजिश में एक महिला, उसका पति, सास और देवर शामिल थे। उन्होंने महिला के पिता को ही पार्सल के अंदर बंद कर दिया था। परिवार का कहना था कि वे रमजान और उगादी के त्यौहारों के दौरान होने वाली भीड़ पर एक रील बनाना चाहते थे। उनका आइडिया यह दिखाना था कि त्यौहारों पर बसों के टिकट मिलना इतना मुश्किल है कि इंसान को 'कूरियर' के जरिए भेजना ही एकमात्र विकल्प बचा है। जब बॉक्स खोला गया तो बुजुर्ग की स्थिति ठीक नहीं थी। उन्हें सांस लेने में भारी दिक्कत हो रही थी। कूरियर कर्मचारियों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत हस्तक्षेप किया। हैरानी की बात यह है कि स्थिति बिगड़ने के बावजूद परिवार वाले कर्मचारियों से बहस करने लगे कि वे इतनी दूर से आए हैं,

इसलिए उनका 'पार्सल' स्वीकार किया जाए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे परिवार को थाने ले जाया गया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी के बयान दर्ज किए। बाद में परिवार ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए एक माफीनामा वीडियो भी जारी किया, जिसमें उन्होंने माना कि उनका यह कृत्य बेहद गैर-जिम्मेदाराना था। पुलिस ने परिवार को कड़ी चेतावनी देकर छोड़ दिया है कि भविष्य में इस तरह के जानलेवा स्टंट या रील बनाने की कोशिश न की जाए।

असम में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 86.5 प्रतिशत की कमी: हिमंता बिस्वा सरमा

गुवाहाटी, 18 मार्च (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार के सत्ता में आने के बाद से राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 86.5 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उनकी सरकार ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों को रोकने के लिए निरंतर उपाय किए हैं, हालांकि ऐसे मामलों को पूरी तरह से समाप्त करने तक प्रयास जारी रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा, माताओं और बहनों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। यही कारण है कि हमारी सरकार के सत्ता में आने के बाद से महिलाओं के खिलाफ अपराधों में भारी कमी आई है। लेकिन हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक हम यह सुनिश्चित नहीं कर लेते कि एक दिन महिलाओं के खिलाफ अपराध शून्य हो जाएं। सरमा ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 86.5 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिसका श्रेय उन्होंने मजबूत कानून प्रवर्तन और लक्षित हस्तक्षेपों को दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पुलिस व्यवस्था में सुधार, निगरानी तंत्र को मजबूत करने और महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित कानूनों के सख्त कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया है। अधिकारियों ने कहा कि असम पुलिस ने हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों से निपटने के लिए अपने प्रयासों को तेज किया है,

जिसमें मामलों की तेजी से जांच, गश्त में वृद्धि और अपराधों की रिपोर्टिंग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान शामिल हैं। सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षा में सुधार लाने के उद्देश्य से कई पहलें भी शुरू की हैं, जिनमें महिला पुलिस स्टेशनों को मजबूत करना, समर्पित कर्मियों की तैनाती करना और बेहतर निगरानी के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना शामिल है।

डेढ़ साल तक 'पापा जी' की हैवानियत दबाए बैठी रही मासूम, मां के पूछने पर बेटी की सिसकियों ने खोले राज

देहरादून, 18 मार्च (एजेंसियां)। देहरादून नेहरू कॉलोनी थानाक्षेत्र स्थित जगत जीवन ज्योति पीठ के शिक्षक जनार्धन बिंजोला को किशोरी के साथ दुष्कर्म करने के मामले दोषी करार दिया है। न्यायालय अपर जिला एवं सेशन जज रजनी शुक्ला की पीठ ने दोषी को 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। न्यायालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार घटना वर्ष 2019 से 2021 के बीच घटित हुई है।

इस मामले में पीड़िता की मां की ने बताया कि उनकी 13 वर्षीय बेटी जगत जीवन ज्योति पीठ में पढ़ाई कर रही थी। जनार्धन बिंजोला इसके संचालक हैं। इसके साथ ही ओपर्णा उर्फ दोपी संगमा भी यहां पर काम करती थी। संस्थान का अपना खुद का हॉस्टल था, जिसमें उनकी बेटी रहती थी। बेटी के साथ जनार्धन बिंजोला ने कई बार दुष्कर्म किया।

क्या अजित पवार विमान हादसे की सीबीआई जांच कराएगी सरकार?

सीएम फडणवीस ने अमित शाह को पत्र लिखा

मुंबई / नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। बारामती विमान हादसे को लेकर अब सियासी हलचल तेज हो गई है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर विस्तृत और पारदर्शी जांच की मांग की है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब इस हादसे को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं और विपक्ष भी जांच को लेकर दबाव बना रहा है। दरअसल, एनसीपी-एससी के विधायक रोहित पवार की मांग पर मुख्यमंत्री ने यह पहल की है।

रोहित पवार ने 4 मार्च 2026 को एक पत्र भेजकर इस पूरे हादसे की गंभीर जांच कराने की अपील की थी। इसके बाद फडणवीस ने अमित शाह को लिखे पत्र में कहा कि इस दुर्घटना में तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार और चार अन्य लोगों की मौत हुई थी, इसलिए इसकी जांच पूरी तरह निष्पक्ष और समयबद्ध होनी चाहिए।

पत्र में यह भी कहा गया है कि विमान चलाने वाली कंपनी एम/एस वीएसआर वेंचर्स के सुरक्षा रिकॉर्ड पर सवाल उठ रहे हैं। बताया गया है कि 2023 में भी इसी ऑपरेटर से जुड़ा एक हादसा सामने आया था। साथ ही अंतरराष्ट्रीय एविएशन नियामकों की ओर से भी कुछ सुरक्षा संबंधी टिप्पणियां सामने आई थीं, जिससे नियामक निगरानी और नियमों के पालन पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

इस हादसे में पायलट की तैनाती को लेकर भी गंभीर सवाल उठे हैं। जानकारी के अनुसार आखिरी समय में पायलट बदले गए थे। साथ ही यह भी जांच की मांग की गई है कि क्या फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन के नियमों का पालन हुआ था या नहीं। क्रू की रिपोर्टिंग प्रक्रिया और उनकी तैयारी को लेकर भी संदेह जताया गया है।

पत्र में विमान की मेंटेनेंस हिस्ट्री और उसकी तकनीकी स्थिति की जांच की मांग की गई है। इसमें तकनीकी लॉग, सुरक्षा सिस्टम और मरम्मत एजेंसियों की भूमिका की भी जांच जरूरी बताई गई है। इसके अलावा एयर ट्रैफिक कंट्रोल रिकॉर्ड, फ्लाइट रडार डेटा और ट्रांसपोंडर सिग्नल में अंतर जैसी बातों को भी गंभीर माना गया है। कॉकपिट रिकॉर्डिंग को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं।

सबसे अहम सवाल लैंडिंग के समय लिए गए फैसलों पर उठ रहे हैं। कम विजिबिलिटी के बावजूद लैंडिंग की कोशिश क्यों की गई, रनवे का चुनाव कैसे हुआ, गो-अराउंड का फैसला क्यों नहीं लिया गया और वैकल्पिक एयरपोर्ट पर जाने का विकल्प क्यों नहीं अपनाया गया। इन सभी पहलुओं की जांच की मांग की गई है। साथ ही यह भी कहा गया है कि पूरे मामले में नियामक एजेंसियों की निगरानी कितनी मजबूत थी, इसकी भी जांच होनी चाहिए।

पाकिस्तान को सस्ता तेल देने को रूस तैयार

बोला- वे खुद बात करें, पाक के पास सिर्फ 11 दिन का ऑयल बचा

इस्लामाबाद, 18 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान में रूसी राजदूत अल्बर्ट खोरेव ने बुधवार को कहा कि उनका देश पाकिस्तान को सस्ता तेल देने के लिए तैयार है। हालांकि अभी तक पाकिस्तान की तरफ से कोई आधिकारिक मांग नहीं आई है।

उनका कहना है कि अगर पाकिस्तान खुद आगे बढ़कर बात करता है, तो रूस उसे कम कीमत पर ऑयल सप्लाई कर सकता है।

रॉयटर्स के मुताबिक रूसी क्रूड ऑयल की कीमत करीब 70 से 76 डॉलर प्रति बैरल है। जबकि इंटरनेशनल क्रूड ऑयल की कीमत 95 से 105 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक पाकिस्तान के पेट्रोलियम सचिव ने देश की संसदीय समिति को बताया कि देश के पास फिलहाल सिर्फ 11 दिन का कच्चा तेल (क्रूड ऑयल) बचा है।

इसके अलावा 21 दिन का डीजल, 27 दिन का पेट्रोल, 9 दिन का एलपीजी और करीब 14 दिन के लिए जेट फ्यूल मौजूद है। मिडिल ईस्ट में जारी जंग की वजह से सप्लाई पर असर पड़ा है, जिससे चिंता बढ़ गई है।

सरकार ईरान से बात कर रही है ताकि होर्मुज स्ट्रेट से तेल लाने की इजाजत मिल सके। अगर मंजूरी मिलती है, तो पाकिस्तान के चार जहाज इस रास्ते से तेल ला सकते हैं। साथ ही अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि 14 अप्रैल के बाद देश में गैस की भारी कमी हो सकती है, क्योंकि एलएनजी की सप्लाई भी प्रभावित हुई है।

पाकिस्तान का करीब 70% तेल मिडिल ईस्ट से आता है, लेकिन जंग के कारण शिपिंग रूट और सप्लाई चेन पर असर पड़ा है। तेल की कीमतें भी तेजी से बढ़ी हैं। डीजल की कीमत 88 डॉलर से बढ़कर 187 डॉलर और पेट्रोल 74 डॉलर से बढ़कर 130 डॉलर तक पहुंच गया है। पहले जहां तेल 4-5 दिन में पहुंच जाता था, अब रेड सी के रास्ते आने में करीब 12 दिन लग रहे हैं।

अधिकारियों ने यह भी बताया कि कतर से आने वाली गैस सप्लाई लगभग बंद हो गई है। मार्च में आने वाले 8 एलएनजी कार्गो में से सिर्फ 2 ही पहुंचे, जबकि अप्रैल में भी आधे से ज्यादा कार्गो नहीं पहुंच सकते। ऐसे में गैस की सप्लाई घट सकती है और सरकार घरेलू इस्तेमाल के लिए, गैस बचाने पर विचार कर रही है।

हालात को संभालने के लिए पाकिस्तानी सरकार ने 23 अरब पाकिस्तानी रुपए की सब्सिडी देने का फैसला किया है, जो मोटरसाइकिल और रिक्शा चलाने वाले करीब 3 करोड़ लोगों को दी जाएगी। यह पैसा सरकार की बचत से दिया जाएगा, जो खर्च कम करने की पॉलिसी से आया है।

सरकार रोजाना तेल के स्टॉक पर नजर रख रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि देश में अभी तेल की सप्लाई ठीक है और लोगों को बेवजह पेट्रोल जमा करने की जरूरत नहीं है। सरकार ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर कोई जमाखोरी की कोशिश करेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रूस ने 2023 में पाकिस्तान को ऑयल सप्लाई की थी

रूस ने 2023 में भी पाकिस्तान को ऑयल सप्लाई की थी। तब जून 2023 में पहला जहाज कराची पहुंचा था। उस समय यह डील उतनी फायदेमंद साबित नहीं हुई, जितनी उम्मीद की जा रही थी। पाकिस्तान की रिफाइनरियों को रूसी तेल प्रोसेस करने में दिक्कत आई, क्योंकि इससे पेट्रोल और डीजल कम निकलता था और फर्नेस ऑयल ज्यादा बनता था। इसके अलावा रूस से तेल लाने में दूरी ज्यादा होने के कारण शिपिंग खर्च भी बढ़ गया।

पाकिस्तान के पोर्ट बड़े जहाजों को सीधे हैंडल नहीं कर पाते, इसलिए तेल को बीच में छोटे जहाजों में ट्रांसफर करना पड़ता था, जिससे लागत और बढ़ जाती थी। साथ ही पाकिस्तान को भुगतान चीनी मुद्रा युआन में करना पड़ा, जबकि उसके पास विदेशी मुद्रा की कमी पहले से ही थी। इन सारी दिक्कतों की वजह से पाकिस्तान ने कुछ समय बाद यह तेल खरीदना बंद कर दिया था। हालांकि अधिकारियों का कहना था कि यह सिर्फ ट्रायल था और अगर भविष्य में रूस और पाकिस्तान के बीच कीमत पर समझौता होता है, तो पाकिस्तान फिर से इस ऑप्शन पर विचार कर सकता है। ईरान जंग के बाद भी होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों का आना-जाना पूरी तरह बंद नहीं हुआ है। जंग शुरू होने के बाद से अब तक करीब 90 जहाज इस रास्ते से गुजर चुके हैं, जिनमें तेल ले जाने वाले टैंकर भी शामिल हैं।

किम जोंग उन की पार्टी को 99.93% वोट मिले

सभी सीटें जीतीं, 70% सांसद बदले

प्योंगयांग, 18 मार्च (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया के संसदीय चुनाव में किम जोंग उन की पार्टी ने जीत दर्ज की है। 15 मार्च को हुए चुनाव में वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया और उसके सहयोगी दलों को 99.93% वोट मिले और सभी सीटों पर कब्जा किया गया। राज्य मीडिया के मुताबिक 99.99% प्रतिशत मतदान हुआ।

सुप्रीम पीपुल्स असेंबली के 687 डिप्टी चुने गए, जिसमें सिर्फ 0.07% वोट विरोध में बताए गए। नई संसद का पहला सत्र जल्द प्योंगयांग में होगा, जिसमें देश के शीर्ष नेतृत्व का चुनाव और संविधान में संशोधन पर चर्चा होगी। रिपोर्ट्स के अनुसार संविधान में दक्षिण कोरिया को दुश्मन देश घोषित करने का प्रावधान जोड़ा जा सकता है।

इस सत्र में किम जोंग उन का फिर से सर्वोच्च नेता चुना जाना तय माना जा रहा है। चुनाव में 70% से ज्यादा सांसद बदले गए हैं, जिसे सत्ता को और मजबूत करने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। नई सूची में किम यो-जोंग, विदेश मंत्री चोए सोन-हुई और किम के करीबी सहयोगी जो योंग-वोन शामिल हैं, जबकि पूर्व अध्यक्ष चोए योंग-हे को हटाया गया है। हालांकि उत्तर कोरिया की संसद को अक्सर औपचारिक माना जाता है।

नेपाल में हेलिकॉप्टर क्रैश, 1 घायल

काठमांडू से शव लेकर लौट रहा था

काठमांडू, 18 मार्च (एजेंसियां)। नेपाल में लैंडिंग के दौरान एक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया, जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया। एयर डायनेस्टी कंपनी का हेलिकॉप्टर खोटांग जिले में खेत में लैंडिंग करने की कोशिश कर रहा था।

कंपनी के मुताबिक हेलिकॉप्टर में 5 यात्री सवार थे। खोटांग जिले की मुख्य जिला अधिकारी रेखा कंडेल ने बताया कि 9एन-एएसक्यू रजिस्ट्रेशन वाला यह हेलिकॉप्टर सुबह करीब 11:51 बजे क्रैश हुआ। यह काठमांडू से शव लाया जा रहा था। इसमें एक शव भी ले जाया जा रहा था।

अधिकारी ने कहा कि अभी तक किसी की मौत नहीं हुई है और बाकी जानकारी अभी आनी बाकी है। कंपनी ने बताया कि हेलिकॉप्टर में सवार एक यात्री घायल हुआ है, जबकि पायलट और बाकी यात्री सुरक्षित हैं। घायल को निकालने के लिए 9एन-एएन रजिस्ट्रेशन वाला दूसरा हेलिकॉप्टर भेजा गया है।

शुरुआती जांच के अनुसार, तेज हवा या लैंडिंग के दौरान उठी धूल इस हादसे की वजह हो सकती है। कंपनी के अनुसार पायलट का नाम सबिन थापा है। फिलहाल इस मामले में और जानकारी का इंतजार है।

एसएसबी जवान ने की आत्महत्या

चतरा, 18 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के चतरा जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र स्थित शिला ओपी पिकेट में तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवान प्रह्लाद कुमार सिंह ने मंगलवार रात करीब 10 बजे अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनते ही कैंप में तैनात अन्य जवान मौके पर पहुंचे, जहां प्रह्लाद खून से लथपथ पड़े थे।

इसे आत्महत्या का मामला बताया जा रहा है। घटना के बाद पूरे कैंप में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस और एसएसबी के अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया।

गटर साफ करने उतरे 3 स्वीपर की मौत

रायपुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। रायपुर के पचपेड़ी नाका स्थित रामकृष्ण अस्पताल के पीछे बने सीवरेज टैंक (गटर) की सफाई करने उतरे 3 सफाईकर्मियों की दम घुटने से मौत हो गई। वहीं, 1 की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना टिकरापारा थाना क्षेत्र की है।

टैंक के अंदर मौजूद जहरीली गैस के संपर्क में आने से तीनों बेहोश हो गए थे और देखते ही देखते उनकी जान चली गई। मृतकों में अनमोल मांझी, गोविंद सेंद्रे और पेरां कुमार शामिल हैं। वहीं एक की हालत गंभीर बनी हुई है। मंगलवार रात की घटना के बाद अस्पताल के बाहर परिजनों ने हंगामा किया। इस दौरान पुलिस के साथ उनकी झूमाझटकी भी हो गई। पुलिस पर पत्थर फेंके गए। वहीं, अस्पताल प्रबंधन ने 2 मौत की पुष्टि की है।

रामकृष्ण हॉस्पिटल में हादसे के बाद हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए थे। अस्पताल के बाहर मृतकों के परिजन बिलखते नजर आए।

वेनेजुएला-ईरान के बाद क्यूबा पर हमला कर सकता है अमेरिका

ट्रम्प बोले- क्यूबा को हासिल करके रहूंगा 65 साल से दोनों देशों के संबंध खराब

हवाना, 18 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोमवार को ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वह 'क्यूबा को अपने कब्जे में लेने' का इरादा रखते हैं। उन्होंने कहा, "किसी न किसी रूप में क्यूबा को लूंगा... चाहे मैं उसे आजाद करूं या अपने नियंत्रण में ले लूं। मैं उसके साथ कुछ भी कर सकता हूं।"

ट्रम्प के इस बयान को काफी चौंकाने वाला माना जा रहा है। अमेरिका के इतिहास में कई राष्ट्रपति क्यूबा के साथ तनावपूर्ण रिश्तों में रहे हैं, लेकिन किसी ने भी इस तरह खुलेआम पर क्यूबा पर कब्जा करने की बात नहीं कही थी। इस साल ट्रम्प पहले ही वेनेजुएला और ईरान में सैन्य कार्रवाई कर चुके हैं। ऐसे में उनके बयान को सिर्फ मजाक या अचानक कही गई बात नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे एक संभावित अगला कदम समझा जा रहा है। अमेरिका और क्यूबा के संबंध 65 साल से खराब चल रहे हैं।

ट्रम्प ने इससे पहले रविवार को एयर फोर्स वन में भी कहा था, "मैं क्यूबा को संभाल रहा हूं... जल्द ही हम कोई डील करेंगे या जो करना होगा करेंगे।" उन्होंने यह भी साफ किया कि उनकी प्राथमिकता पहले ईरान है, उसके बाद क्यूबा।

असल में, अमेरिका पहले से ही क्यूबा पर दबाव बना रहा है। जनवरी से अमेरिका ने क्यूबा को हो रही तेल सप्लाई को लगभग रोक दिया है। दूसरे देशों को भी चेतावनी दी जा रही है कि वे क्यूबा को तेल न दें। हाल ही में अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने कोलंबिया से क्यूबा जा रहे एक तेल टैंकर को भी रोक लिया। इसका असर क्यूबा में साफ दिख रहा है। 9 जनवरी के बाद से वहां कोई बड़ी तेल सप्लाई नहीं पहुंची है। वहां हालात तेजी से खराब हो रहे हैं। क्यूबा के ब्लैक मार्केट में पेट्रोल करीब 35 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गया है।

रोजाना बिजली कट रही है, सोमवार को पूरे देश में ब्लैकआउट हुआ। अस्पतालों में सर्जरी टल रही हैं। दवाइयों की कमी हो रही है और खाने की समस्या बढ़ रही है। इन हालात में क्यूबा की सरकार पर दबाव बढ़ गया है। क्यूबा के राष्ट्रपति मिगेल डियाज-कैनेल ने हाल ही में देश को संबोधित करते हुए माना कि अमेरिका से बातचीत चल रही है और जल्द ही अर्थव्यवस्था खोलने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है।

साथ ही खबर यह भी है कि अमेरिका चाहता है कि क्यूबा के राष्ट्रपति पद से डियाज-कैनेल हटें। हालांकि, अमेरिका फिलहाल कास्त्रो परिवार के खिलाफ सीधी कार्रवाई की बात नहीं कर रहा है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन से बाहर हुआ अर्जेंटीना

राष्ट्रपति मिलेई बोले- यह एक खतरनाक संगठन

ब्यूनस आयर्स, 18 मार्च (एजेंसियां)। अर्जेंटीना ने अब आधिकारिक तौर पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से बाहर होने का फैसला लागू कर दिया है।

इस कदम के साथ उसने अमेरिका के रास्ते पर चलते हुए इस वैश्विक स्वास्थ्य संस्था से अपने रिश्ते तोड़ लिए हैं।

मंगलवार को विदेश मंत्री पाब्लो क्विरनो ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि यह फैसला एक साल पहले लिया गया था और अब औपचारिक रूप से लागू हो गया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि

अर्जेंटीना अब भी स्वास्थ्य के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग करेगा, लेकिन अपनी नीतियों पर पूरा नियंत्रण खुद रखेगा।

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई की यह नीति अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प के फैसले जैसी ही है। दोनों नेताओं ने अंतरराष्ट्रीय संगठनों पर आरोप लगाया है कि वे स्वास्थ्य और अन्य मामलों में एक खास विचारधारा को आगे बढ़ाते हैं।

मिलेई ने खास तौर पर डब्ल्यूएचओ की आलोचना कोविड महामारी के दौरान दी गई सलाह को लेकर की।

उन्होंने कहा कि मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग और वैक्सीनेशन जैसे उपाय लोगों पर नियंत्रण का तरीका थे। उन्होंने डब्ल्यूएचओ को 'खतरनाक संगठन' तक कहा।

पाकिस्तान के खिलाफ जिहाद करेंगे अफगानी

सुप्रीम कोर्ट के ग्रैंड मुफ्ती ने जारी किया फतवा, मुनीर सेना की बढ़ेगी मुश्किल

काबुल, 18 मार्च (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के तालिबान शासन के साथ देश के धार्मिक संस्थान पाकिस्तान के खिलाफ एकजुट हो गए हैं। अफगानिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय के ग्रैंड मुफ्ती ने पाकिस्तान की फौज के खिलाफ जिहाद का फतवा दिया है। ग्रैंड मुफ्ती की ओर से यह फतवा ऐसे समय दिया गया है, जब अफगानिस्तान और पाकिस्तान युद्ध जैसी स्थिति में हैं। पाकिस्तान आर्मी के सोमवार शाम को काबुल में अस्पताल पर बमबारी के बाद दोनों देशों में तनाव बहुत ज्यादा बढ़ गया है।

अफगानिस्तान की मीडिया के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के ग्रैंड मुफ्ती शेख मौलवी अब्दुल रऊफ की ओर मंगलवार को पाकिस्तान के खिलाफ जिहाद का फतवा जारी किया है। फतवे में कहा गया है कि देश के सभी मुसलमानों मर्दों पर पाकिस्तानी सेना के

विरुद्ध युद्ध के शामिल होना फर्ज किया जाता है। यानी सभी को पाकिस्तान को दुश्मन मानते हुए लड़ाई लड़नी है।

पाकिस्तान आर्मी की सोमवार शाम को काबुल के एक अस्पताल पर हमला किया है। इस हमले में 400 से ज्यादा लोगों की जान गई है और 250 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। पुल-ए-चरखी क्षेत्र में दो हजार बेड वाले उम्मीद एडिक्शन ट्रीटमेंट हॉस्पिटल को निशाना बनाए जाने के बाद काबुल की सरकार और सेना में गुस्सा देखा जा रहा है।

अफगानिस्तान के गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन ने पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि काबुल में किए गए घातक हवाई हमलों का करारा जवाब दिया जाएगा। अफगानिस्तान की सरकार ने पाकिस्तान के इस हमले को मानवता के खिलाफ अपराध बताया है। अफगान तालिबान ने कहा है कि निर्दोष लोगों की मौत का बदला लिया जाएगा।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हालिया हफ्तों में बॉर्डर पर भीषण गोलीबारी देखने को मिली है लेकिन सोमवार के हमले ने दोनों देशों के संबंधों को निचले स्तर पर पहुंचा दिया है। पाकिस्तान सेना ने इसे ऑपरेशन गजब लिल-हक के तहत आतंकी ठिकानों पर हमले बताए हैं। वहीं अफगानिस्तान ने निर्दोष लोगों के मारे जाने की बात कही है।

पाकिस्तान की सेना और सरकार लंबे समय से यह कह रही है कि अफगानिस्तान की जमीन पर टीटीपी जैसे गुटों के ठिकाने हैं, जो उनकी जमीन पर आतंकी हमलों को अंजाम दे रहे हैं।

पति से विवाद के बीच विवाहिता की मौत

कोडरमा, 18 मार्च (एजेंसियां)। कोडरमा जिले के नवलशाही थाना क्षेत्र स्थित मसमोहना गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मृतका की पहचान 25 वर्षीय मनीषा सिंह के रूप में हुई है। उसके पति का नाम अबोध सिंह है। ससुराल पक्ष जहां इसे आत्महत्या बता रहा है।

वहीं मायके वालों ने इस पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए हत्या की आशंका जताई है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

गिरिडीह जिले के बिरनी के रहने वाले मृतका के पिता चंद्र सिंह ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2023 में अपनी बेटी की शादी हिंदू रीति-रिवाज से मसमोहना निवासी अबोध सिंह के साथ कराई थी।

अवैध गैस सिलेंडर भंडारण का भंडाफोड़

माराफारी से 27 खाली सिलेंडर और रिफिलिंग उपकरण जब्त

बोकारो, 18 मार्च (एजेंसियां)। बोकारो के माराफारी थाना क्षेत्र में अवैध गैस सिलेंडर भंडारण का भंडाफोड़ हुआ है। मंगलवार शाम जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने बाँसगोड़ा स्थित एक दुकान पर छापेमारी कर 27 खाली गैस सिलेंडर और कई रिफिलिंग उपकरण जब्त किए।

यह कार्रवाई जिला आपूर्ति पदाधिकारी (डीएसओ) शालिनी खलखो और माराफारी थाना प्रभारी मो. आजाद खान के नेतृत्व में की गई। टीम ने राजेश स्टोर नामक संदिग्ध दुकान की तलाशी ली। दुकान के अंदर एक कमरे में छिपाकर रखे गए 8 एचपी और 19 इंडेन गैस सिलेंडर बरामद हुए, जो सभी खाली थे।

छापेमारी के दौरान गैस ट्रांसफर करने वाला पाइप, लोहे के औजार और अन्य सामग्री जैसे कई उपकरण भी जब्त किए गए। इन उपकरणों की बरामदगी से अवैध गैस रिफिलिंग या भंडारण की आशंका जताई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि ऐसी गतिविधियां न केवल गैरकानूनी हैं बल्कि बड़े हादसों का कारण भी बन सकती हैं।

सभी जब्त सिलेंडरों और उपकरणों को विधिसम्मत रूप से कब्जे में ले लिया गया है। डीएसओ के निर्देश पर दुकान संचालक के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और इसमें शामिल अन्य व्यक्तियों की पहचान की जा रही है।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खलखो ने कहा कि अवैध गैस कारोबार के खिलाफ यह अभियान जारी रहेगा।

उन्होंने आम लोगों से अपील की है कि यदि उन्हें कहीं भी ऐसी गतिविधियों की जानकारी मिलती है, तो वे तुरंत प्रशासन को सूचित करें ताकि समय पर कार्रवाई कर संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

ऑपरेशन सिंदूर की मार से नहीं उबर पा रहा पाकिस्तान

धर्म और जाति नहीं, अब पैसों की लालच से युवाओं को फंसा रहा

इस्लामाबाद, 18 मार्च (एजेंसियां)। दुनियाभर में कटोरा लेकर घूम रहा पाकिस्तान अभी तक ऑपरेशन सिंदूर की करारी मार से उबर नहीं पा रहा है। इसका बड़ा कारण है कि भारतीय सेना की कार्रवाई ने आतंकवाद के ढांचे को बड़ा झटका दिया है, जिसका सीधा असर आतंकी संगठनों की भर्ती पर पड़ा है। पहले जहां जैश और लश्कर जैसे संगठनों में आसानी से भर्ती होती थी, अब इसमें भारी गिरावट आई है। खुफिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान अब नई रणनीति के तहत युवाओं को जोड़ने की कोशिश कर रहा है, लेकिन हालात पहले जैसे नहीं रहे हैं।

रिपोर्ट्स बताती है कि इससे पहले जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकवादी समूहों में भर्ती आसानी से हो जाती थी। हालिया खुफिया आकलन के मुताबिक, इन समूहों में भर्ती अब लगभग 30-40 प्रतिशत कम हो गई है।

इससे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने अपनी रणनीति बदल दी है। अब भर्ती धर्म या विचारधारा नहीं, बल्कि पैसे के लालच पर ज्यादा आधारित है।

मीडिया रिपोर्टस में बताया गया जा रहा है कि आईएसआई अब किसी भी धर्म, जाति या विश्वास के युवाओं को भर्ती करने के लिए तैयार है। इसके लिए, बड़े पैमाने पर युवाओं को ढूंढा और पैसे का लालच दिया जा रहा है। भर्ती में शामिल लोगों को उनके काम के हिसाब से 10,000 से 2,00,000 रुपये तक दिए जा रहे हैं।

खुफिया सूत्रों के अनुसार, अब आईएसआई पैसे और बेहतर जीवनशैली की लालच देकर युवाओं को आकर्षित कर रही है। इसका मुख्य निशाना छात्र और पैसे की जरूरत वाले लोग हैं, लेकिन हाल की जांच में यह भी पता चला कि अधिकतर लोग उच्च जीवन स्तर और विलासिता के लिए भर्ती हो रहे हैं।

इतना ही नहीं गौर करने वाली बात यह भी है कि आईएसआई की नई रणनीति पहले खालिस्तान नेटवर्क पर लागू की गई। पंजाब में नशे की समस्या का फायदा उठाकर युवाओं को पैसे देकर भर्ती किया जा रहा है, ताकि वे नशे के लिए पैसा खर्च कर सकें। खुफिया एजेंसियों का कहना है कि यह भर्ती अभियान सिर्फ बढ़ने वाला है। इसका लक्ष्य पूरे भारत में नेटवर्क तैयार करना और आतंकवादी समूहों को लॉजिस्टिक और जासूसी सहायता देना है।

ईरानियों के नरसंहार में अमेरिका की सीक्रेट मदद कर रहे खाड़ी देश

सऊदी प्रिंस एमबीएस पर भड़का शिया ईरान

तेहरान, 18 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका और इजरायल के भीषण हमलों के बीच ईरान ने खाड़ी देशों खासकर सऊदी अरब पर जमकर निशाना साधा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिकी सेना को शरण देने वाले खाड़ी के कुछ देश गुपचुप तरीके से अमेरिका को ईरानी नागरिकों की हत्या के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। ईरानी विदेश मंत्री का इशारा सऊदी अरब की ओर था। उन्होंने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से उन खबरों पर सफाई मांगी है जिसमें कहा जा रहा है कि प्रिंस एमबीएस ने डोनाल्ड ट्रंप से अनुरोध किया था कि वह ईरान पर

भीषण हमले जारी रखें। सऊदी अरब एक सुन्नी देश है और ईरान शिया देश। दोनों की दशकों पुरानी दुश्मनी है। इस युद्ध से पहले चीन ने दोनों में दोस्ती कराई थी लेकिन अब फिर से दोनों देशों में तनाव तेज हो गया है।

ईरानी विदेश मंत्री ने उस अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दी जिसमें कहा गया था कि सऊदी प्रिंस ने डोनाल्ड ट्रंप से निजी बातचीत में ईरान पर हमले जारी रखने के लिए कहा है। वहीं सऊदी अरब सार्वजनिक रूप से इस हमले का विरोध कर रहा है।

अब्बास अराघची ने एक्स पर कहा कि इस मामले में रुख को तत्काल स्पष्ट करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इजरायल और अमेरिका के हमले में सैकड़ों की तादाद में ईरानी मारे गए हैं जिसमें 200 बच्चे भी शामिल हैं।

इससे पहले ईरान के हाल ही में मारे गए ताकतवर नेता अली लारीजानी ने भी खाड़ी देशों की मुस्लिम जनता से अपील की थी कि वे बताएं कि युद्ध में किस ओर हैं। साथ ही यह भी बताएं कि कोई भी इस्लामिक देश क्यों ईरानी जनता के साथ खड़ा नहीं है।

कलश स्थापना से कन्या पूजन तक, नवरात्रि के नौ दिन क्या-क्या करना चाहिए?

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा
तिथि आरंभः 19 मार्च, प्रातः 6:52 बजे से
चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा
तिथि समाप्तः 20 मार्च, प्रातः 4:52 बजे तक
गुड़ी पड़वा का त्योहार गुरुवार, 19 मार्च को मनाया जाएगा।

कलश स्थापना शुभ मुहूर्त
चैत्र नवरात्रि पर कलश स्थापना के लिए पहला शुभ मुहूर्तः प्रातः 06 बजकर 52 मिनट से प्रातः 07 बजकर 43 मिनट तक
चैत्र नवरात्रि पर कलश स्थापना के लिए दूसरा मुहूर्तः दोपहर 12 बजकर 05 मिनट से 12 बजकर 53 मिनट तक रहेगा।

चैत्र नवरात्र तिथियां
19 मार्चः मां शैलपुत्री पूजा और कलश स्थापना
20 मार्चः मां ब्रह्मचारिणी की आराधना
21 मार्चः मां चंद्रघंटा की पूजा
22 मार्चः मां कूष्मांडा का पूजन
23 मार्चः मां स्कंदमाता की उपासना
24 मार्चः मां कात्यायनी की वंदना
25 मार्चः मां कालरात्रि की पूजा
26 मार्चः मां महागौरी (महाअष्टमी व्रत)
27 मार्चः मां सिद्धिदात्री (राम नवमी)

पहले दिन करें घटस्थापना

नवरात्रि के पहले दिन घर में घटस्थापना यानी कलश स्थापना जरूर करें। ये नवरात्रि पर्व का एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है जो शुभ मुहूर्त में संपन्न किया जाता है। घटस्थापना का मुहूर्त और विधि जानने के लिए यहां क्लिक करें

माता को चढ़ाएं प्रिय सामग्री

नवरात्रि में माता रानी की विशेष कृपा पाना चाहते हैं तो उन्हें उनकी प्रिय सामग्री जरूर अर्पित करें। माता को लाल पुष्प, लाल चुनरी, लाल श्रृंगार का सामान, लाल चूड़िया इत्यादि चीजें जरूर चढ़ाएं। इसके अलावा माता रानी को कौड़ी और कमल का फूल अर्पित करना भी बेहद शुभ माना जाता है।

दुर्गा सप्तशती का जरूर करें पाठ

नवरात्रि में कई लोग दुर्गा सप्तशती का पाठ जरूर करते हैं। कहते हैं इस पाठ को करने से मां दुर्गा की विशेष कृपा प्राप्त होती है। नवरात्र के नौ दिनों में आप अपनी सहूलियत के हिसाब से कम से कम एक बार दुर्गा सप्तशती का पाठ जरूर ही करें। दुर्गा सप्तशती का पाठ कैसे करते हैं यहां जानिए

माता रानी के मंत्र

नवरात्रि में मां दुर्गा के मंत्रों का जाप करना बेहद शुभ माना जाता है। आप अपनी सुविधानुसार माता रानी के किसी भी मंत्र का जाप कर सकते हैं। वैसे इस दौरान 'ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे' मंत्र का जाप बहुत फलदायी होता है। माता के इस मंत्र का कम से कम 108 बार उच्चारण जरूर करना चाहिए।

नवरात्रि में जरूर करें कन्या पूजन

अक्सर लोग इस चीज को लेकर दुविधा में रहते हैं कि कन्या पूजन सिर्फ व्रत रखने वाले लोगों को ही करना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं है नवरात्रि में कोई भी कन्या पूजन कर सकता है। ज्यादातर लोग नवरात्रि की अष्टमी और नवमी को कन्या पूजन करते हैं। लेकिन आप अपनी सुविधानुसार नवरात्रि के किसी भी दिन कन्याओं की पूजा कर सकते हैं। कई लोग तो पूरे नौ दिनों तक कन्याओं का पूजन करते हैं।

उगादी कैसे मनाई जाती है

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे दक्षिण भारतीय क्षेत्रों में उगादी पर्व धूम धाम से मानते हैं। इस पर्व का अध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। उगादी नाम दो संस्कृत शब्दों से मिलकर बना है। इसमें युग का अर्थ है काल और आदि का अर्थ है आरम्भ। यानि उगादी एक ने युग की शुरुआत का प्रतीक है। धार्मिक मान्यता है कि जब ब्रह्मा जी का जन्म हुआ तो उन्हें सृष्टि में अन्य कोई प्राणी नजर नहीं आया। उन्होंने हर स्थान पर खोजी की लेकिन कोई उद्देश्य न मिलने के कारण वह गहन ध्यान में लीन हो गये। सौर वर्षों की तपस्या के बाद उन्हें अपने दिव्य स्वरूप का
उगादी कैसे मनाई जाती है

उगादी नए शुरुआत का प्रतीक है। बहुत से लोग सप्ताह भर पूर्व से ही इस पर्व की तैयारी करना आरम्भ कर देते हैं। घरों की साफ़-सफाई के साथ खरीदारी भी करते हैं। इस दिन लोग अपनी पसंद के कपड़े पहनते हैं और एक दूसरे को उगादी की शुभकामनाएं देते हैं। इस दिन उगादी के पारम्परिक व्यंजन खाए जाते हैं। उगादी के दिन श्रद्धालु सूर्योदय से पूर्व उठकर तेल से स्नान करते हैं। इसके बाद नए वस्त्र धारण करते हैं। घरों के सामने रंगोली बनायी जाती है। घर में फूल और आम के पत्तों के तोरण लगाए जाते हैं।

उगादी की खास परम्पराओं में से एक हैं पंचांग श्रवणम। इस अनुष्ठान में घर का कोई बुजुर्ग या कोई पुजारी वार्षिक पंचांग पढ़ते हैं। इन्हीं ज्योतिषीय गणना के आधार पर पूरे वर्ष कृषि, आर्थिक स्थिति और सुख समृद्धि का अनुमान लगाया जाता है। ज्ञान हुआ और उन्होंने ब्रह्मांड की रचना की। कहते हैं इसी के परिणामस्वरुप उगादी को नयी शुरुआत का प्रतीक माना जाता है।

क्यों अलग-अलग नामों से मनाया जाता है हिंदू नव वर्ष?

भारत विविधताओं का देश है और यही विविधता हमारे त्योहारों में भी साफ दिखाई देती है. हिंदू नव वर्ष इसका सबसे सुंदर उदाहरण है. एक ही समय पर पूरे देश में नया साल शुरू होता है, लेकिन अलग अलग राज्यों में इसे अलग नामों से मनाया जाता है. कहीं इसे चैत्र नवरात्रि कहा जाता है, तो कहीं उगादी और कहीं गुड़ी पड़वा. कई लोगों को यह कन्फ्यूजन होता है कि आखिर ये अलग अलग त्योहार हैं या एक ही चीज के अलग नाम. असल में ये सभी एक ही समय पर मनाए जाने वाले हिंदू नव वर्ष के अलग अलग रूप हैं, जिनकी जड़ें हमारी परंपराओं, क्षेत्रीय संस्कृतियों और पंचांग की गणना से जुड़ी हुई हैं।

भारत में हर क्षेत्र की अपनी भाषा, खानपान और रीति रिवाज होते हैं, इसलिए त्योहारों के नाम और उन्हें मनाने के तरीके भी बदल जाते हैं. लेकिन इन सभी का मूल भाव एक ही है नई शुरुआत, नई ऊर्जा और जीवन में सकारात्मकता का स्वागत करना. यही वजह है कि एक ही दिन अलग अलग नामों के साथ पूरे देश में उत्सव जैसा माहौल होता है।

हिंदू नव वर्ष का आधार क्या है

हिंदू नव वर्ष की शुरुआत चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से मानी जाती है. यह दिन वसंत ऋतु के आगमन के साथ आता है, जब प्रकृति में नई हरियाली, फूल और ताजगी दिखाई देती है. इसे सृष्टि के निर्माण का दिन भी माना जाता है. हिंदू पंचांग चंद्र और सूर्य की गणना पर आधारित होता है, इसलिए इसकी तिथियां अंग्रेजी कैलेंडर से अलग होती हैं. यही कारण है कि हर साल इसकी तारीख बदलती रहती है, लेकिन इसका महत्व हमेशा एक जैसा रहता है।

चैत्र नवरात्रि क्यों कहा जाता है

उत्तर भारत में इसी दिन से नौ दिनों तक चलने वाले नवरात्रि की शुरुआत होती है, जिसे चैत्र नवरात्रि कहा जाता है. इस दौरान मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है और लोग व्रत रखते हैं. इसलिए यहां नव वर्ष की शुरुआत धार्मिक साधना और भक्ति के साथ होती है. इस कारण उत्तर भारत में लोग इस दिन को ज्यादा चैत्र नवरात्रि के रूप में पहचानते हैं, भले ही यह हिंदू नव वर्ष का पहला दिन ही क्यों न हो।

गुड़ी पड़वा का महत्व

महाराष्ट्र और गोवा में इसी दिन को गुड़ी पड़वा के नाम से मनाया जाता है. यहां लोग अपने घर के बाहर एक खास तरह का ध्वज लगाते हैं, जिसे गुड़ी कहा जाता है. यह जीत, समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है. मान्यता है कि इसी दिन भगवान राम अयोध्या लौटे थे, इसलिए इसे विजय और नई शुरुआत का दिन भी माना जाता है. लोग नए कपड़े पहनते हैं, मिठाइयां बनाते हैं और पूरे उत्साह के साथ इस दिन को सेलिब्रेट करते हैं।

उगादी का मतलब और परंपरा

दक्षिण भारत के कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में इस दिन को उगादी कहा जाता है. उगादी शब्द का मतलब होता है नई शुरुआत. इस दिन खास तौर पर उगादी पचड़ी नाम की डिश बनाई जाती है, जिसमें मीठा, खट्टा, कड़वा और तीखा सभी स्वाद होते हैं. यह जीवन के अलग अलग अनुभवों का प्रतीक माना जाता है, यानी खुशी और दुख दोनों जीवन का हिस्सा हैं. यहां लोग घर साफ करते हैं, रंगोली बनाते हैं और नए साल का स्वागत करते हैं।

अलग नाम लेकिन भावना एक

अगर ध्यान से देखा जाए तो चैत्र नवरात्रि, गुड़ी पड़वा और उगादी तीनों में एक चीज समान है नई शुरुआत और सकारात्मकता. फर्क सिर्फ नाम और रीति रिवाज का है. भारत जैसे विशाल देश में जहां हर राज्य की अपनी पहचान है, वहां त्योहारों का अलग तरीके से मनाया जाना स्वाभाविक है. यही हमारी संस्कृति की खूबसूरती भी है कि हम अलग होते हुए भी एक हैं।

हिंदू नववर्ष की शुरुआत कड़वी नीम से क्यों होती है?

हिंदू नव वर्ष और नीम खाने की परंपरा

भारत में हिंदू नव वर्ष की शुरुआत चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा से होती है. इस दिन देश के अलग-अलग हिस्सों में इसे अलग नामों से मनाया जाता है- कहीं गुड़ी पड़वा, तो कहीं उगादी. इस खास मौके पर सुबह उठकर नीम की पत्तियां खाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है. दिलचस्प बात ये है कि यह परंपरा सिर्फ पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है. कई घरों में नीम की पत्तियों को गुड़, इमली और कच्चे आम के साथ मिलाकर एक खास मिश्रण बनाया जाता है, जिसे परिवार के सभी लोग खाते हैं. यह सिर्फ एक रस्म नहीं, बल्कि एक तरह का संदेश है जो हर साल हमें याद दिलाया जाता है।

जीवन के कड़वे-मीठे सच को स्वीकार करने की सीख

हर स्वाद में छिपा है एक मतलब

नीम की कड़वाहट, गुड़ की मिठास, इमली की खटास-ये सब मिलकर जीवन का पूरा अनुभव बनाते हैं. परंपरा के अनुसार, साल के पहले दिन इन सभी स्वादों को चखना यह दर्शाता है कि आने वाला समय सिर्फ खुशियां ही नहीं, बल्कि चुनौतियां भी लेकर आएगा. जैसे एक परिवार में बड़े बुजुर्ग कहते हैं- "साल की शुरुआत में अगर कड़वाहट स्वीकार कर ली, तो आगे आने वाली मुश्किलें उतनी भारी नहीं लगतीं." यह सोच आज के दौर में भी काफी प्रैक्टिकल लगती है, जहां हर कोई सफलता चाहता है, लेकिन संघर्ष से बचना चाहता है।

आयुर्वेद में नीम का खास स्थान

सिर्फ परंपरा नहीं, सेहत का भी खजाना नीम को आयुर्वेद में एक बेहद उपयोगी औषधि माना जाता है. इसमें एंटीबैक्टीरियल, एंटीफंगल और डिटॉक्स करने वाले गुण होते हैं. बदलते मौसम में जब शरीर संक्रमण के प्रति ज्यादा संवेदनशील होता है, तब नीम का सेवन शरीर को अंदर से साफ करने में मदद कर सकता है. कई लोग इसे आज भी घरेलू उपाय के रूप में इस्तेमाल करते हैं- चाहे वह त्वचा की समस्या हो या पाचन से जुड़ी दिक्कत. ऐसे में नव वर्ष की शुरुआत नीम से करना एक तरह से शरीर को नई शुरुआत देने जैसा भी माना जा सकता है.

मौसम बदलने के समय की समझदारी

-परंपरा के पीछे छिपा वैज्ञानिक नजरिया हिंदू नव वर्ष आमतौर पर वसंत ऋतु के दौरान आता है. इस समय मौसम बदल रहा होता है-ठंड खत्म हो रही होती है और गर्मी दस्तक दे रही होती है. ऐसे में शरीर पर इसका असर पड़ना स्वाभाविक है.

-पुरानी पीढ़ियां बिना किसी लैब टेस्ट के भी यह समझती थीं कि इस समय शरीर को अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है. नीम जैसे प्राकृतिक तत्व का सेवन इस बदलाव के लिए शरीर को तैयार करने का एक आसान तरीका था.

-आज जब हम इम्युनिटी बढ़ाने के लिए तरह-तरह के सप्लीमेंट्स ढूंढते हैं, तब यह परंपरा हमें याद दिलाती है कि समाधान हमारे आसपास ही मौजूद थे.

संस्कृति और सेहत का अनोखा मेल

-यह परंपरा सिर्फ धार्मिक विश्वास तक सीमित नहीं है. इसमें संस्कृति, स्वास्थ्य और जीवन दर्शन-तीनों का संतुलन दिखाई देता है. यही वजह है कि आज भी कई लोग इस परंपरा को पूरी श्रद्धा के साथ निभाते हैं, भले ही उनकी जीवनशैली कितनी ही आधुनिक क्यों न हो।

-एक छोटे से शहर में रहने वाली एक महिला बताती हैं कि बचपन में उन्हें नीम खाना बिल्कुल पसंद नहीं था, लेकिन अब वह खुद अपने बच्चों को यह परंपरा सिखाती हैं. उनके लिए यह सिर्फ एक रस्म नहीं, बल्कि एक सीख है-जीवन को हर रूप में स्वीकार करने की।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 19 मार्च - 2026

जंग में जलती इंसानियत

आधुनिक युद्धों का चेहरा अब केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह मानवता के मूलभूत सिद्धांतों पर सीधा हमला बन चुका है। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक एडिक्शन ट्रीटमेंट अस्पताल पर पाकिस्तान के एयर स्ट्राइक में 400 से अधिक लोगों की मौत और सैकड़ों के घायल होने की खबर ने इस कड़वी सच्चाई उजागर कर दिया है कि युद्ध अब सैनिकों के बीच नहीं, निर्दोष नागरिकों के खिलाफ लड़ा जा रहा है। यह घटना अपवाद नहीं, बल्कि एक खतरनाक प्रवृत्ति का हिस्सा है, जहां अस्पताल, स्कूल और नागरिक ठिकाने खुलेआम निशाना बन रहे हैं। इस हमले पर पाकिस्तान की यह दलील कि उसने "सैन्य ठिकानों" को निशाना बनाया, न केवल अविश्वसनीय लगती है बल्कि यह अपने कृत्य को वैध ठहराने की असफल कोशिश भी दिखाई देती है। भारत ने इसे स्पष्ट रूप से "सैन्य कार्रवाई के नाम पर नरसंहार" बताया है, जो कि सच भी है। बीते वर्षों में भी पाकिस्तान पर ऐसे आरोप लगते रहे हैं, जब उसने अफगान क्षेत्रों में नागरिक ढांचे को नुकसान पहुंचाया। सवाल यह है कि आखिर कब तक "गलत पहचान" या "कोलैटरल डैमेज" जैसे बहानों के पीछे निर्दोषों की जान ली जाती रहेगी? यह समस्या केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। यूक्रेन से लेकर पश्चिम एशिया तक, युद्धों का दायरा बढ़ने के साथ-साथ मानवीय मूल्यों का क्षरण भी तेज हो गया है। दक्षिण लेबनान में एक मेडिकल सेंटर पर इजराइल के हमले में 12 स्वास्थ्यकर्मियों की मौत हो या गाजा में लगातार अस्पतालों और राहत शिविरों पर हमले, ये सभी घटनाएं दर्शाती हैं कि अब युद्ध के नियमों की खुलकर अनदेखी हो रही है। हाल ही में एक स्कूल पर इजराइली मिसाइल गिरने से 170 लोगों की मौत, जिनमें अधिकतर बच्चे थे, इस अमानवीयता की चरम सीमा को दर्शाता है। अंतरराष्ट्रीय कानून, विशेषकर जिनेवा कन्वेंशन, स्पष्ट रूप से कहता है कि अस्पतालों, मेडिकल स्टाफ और नागरिक ठिकानों पर हमला करना युद्ध अपराध है। इसके बावजूद, विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े बताते हैं कि केवल यूक्रेन में 2022 के बाद से स्वास्थ्य सुविधाओं पर 2800 से अधिक हमले हो चुके हैं। यह आंकड़ा अंतरराष्ट्रीय कानूनों की विफलता का प्रमाण है। असल समस्या है कि इन हमलों के लिए जवाबदेही तय करने का कोई प्रभावी तंत्र नहीं है। संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं केवल निंदा और प्रस्तावों तक सीमित हैं, जिनका जमीनी असर कहीं दिखाई नहीं देता है। वैश्विक राजनीति में शक्तिशाली देशों के हित अक्सर न्याय और नैतिकता पर भारी पड़ते हैं। परिणामस्वरूप पीड़ितों को न्याय भी नहीं मिल पाता है। यह स्थिति न केवल अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की कमजोरी को उजागर करती है, बल्कि यह भी संकेत देती है कि अगर जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो "मानवता" शब्द केवल किताबों तक सिमटकर रह जाएगा। जरूरत है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय केवल बयानबाजी से आगे बढ़कर ठोस कार्रवाई करे। युद्ध अपराधों की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर सख्त प्रतिबंध और पीड़ितों को न्याय ये तीनों कदम अब अनिवार्य हो चुके हैं। इसके साथ ही, विश्व शक्तियों को यह समझना होगा कि अल्पकालिक रणनीतिक लाभ के लिए दीर्घकालिक मानवीय मूल्यों का बलिदान अंततः पूरी मानव सभ्यता को नुकसान पहुंचाएगा। अगर अस्पताल और स्कूल भी सुरक्षित नहीं रहेंगे, तो फिर किसी भी समाज की नींव ही हिल जाएगी। यह केवल सरकारों या अंतरराष्ट्रीय संगठनों की ही जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि वैश्विक नागरिक समाज को भी अपनी आवाज बुलंद करनी होगी।

नवरात्रि: आंतरिक ऊर्जा और आध्यात्मिक उत्थान का पर्व

योगेश गोयल

नवरात्रि महापर्व का भारतीय समाज में विशेष महत्व है, जो आदि शक्ति दुर्गा की पूजा का पावन पर्व है। नवरात्रि के नौ दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि की शुरुआत होती है और इस बार नवरात्रि पर्व की शुरुआत 19 मार्च से हो रही है, जिसका समापन 27 मार्च को होगा। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके। मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरे पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया। मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है। चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुई अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्जवल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं। दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है। दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुई। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है। दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें 'शुभंकरी' भी कहा जाता है। 'कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड्ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है। नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए, अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्जवल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली 'महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं। नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं। नवरात्रि केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मशक्ति के जागरण का पर्व है, जो हमें संयम, साहस, तप और सदाचार का संदेश देता है। मां दुर्गा के ये नौ स्वरूप जीवन के नौ आयामों को प्रकाशित करते हैं और हमें अज्ञान से ज्ञान, भय से निर्भयता तथा दुर्बलता से सामर्थ्य की ओर ले जाते हैं। इस पावन पर्व पर प्रत्येक साधक अपने भीतर की शक्ति को पहचानकर जीवन को सकारात्मक दिशा देने का संकल्प ले सकता है।

ईरान में औंधे मुँह गिरने पर ट्रंप के बोल - मदद करो

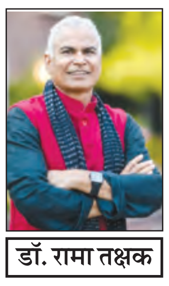
डॉ. रामा तक्षक

28 फरवरी को शुरू हुआ ईरान का युद्ध, अब वैश्विक स्तर पर, एक समस्या बनकर खड़ा हो गया है। ईरान पर इजरायल और अमेरिका द्वारा थोपे गये युद्ध में हजारों आदमी युद्ध की बली चढ़ गए हैं। पूरा मध्य पूर्व युद्ध की चपेट में है। लगभग पूरा विश्व, अमेरिका और इजराइल को छोड़कर यह आस लगाए है कि युद्ध कब खत्म हो, अब खत्म हो ताकि होर्मुज की खाड़ी से तेल की सप्लाई व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रहे। ईरान युद्ध ट्रंप के गले की फाँस बन गया है। ट्रंप ने सोचा था कि आसमान से बम गिराकर, ईरान में सत्ता परिवर्तन संभव हो जाएगा। ईरान पर कुछ बम गिरने के बाद, ईरान की जनता के सत्ता के खिलाफ खड़ी हो जाएगी जबकि ऐसा नहीं हुआ क्योंकि ईरान की जनता यह भलीभाँति जानती है कि ईरान की रिवॉल्यूशनरी गार्ड के सामने जनता का जमावड़ा, गोलियों से भून दिया जाएगा। इस जमावड़े में जिनको बंदी बना लिया जाएगा, उनके पदचिन्ह धरती से उठ जाएँगे। मेरे अपने एक ईरानी परिचित ने व्हाट्सएप के माध्यम से बिना अपना नाम उजागर किये जाने की शर्त पर व्हाट्सएप पर यह लिख भेजा है कि हम इस सत्ता से स्वतंत्र होने का इंतजार कर रहे हैं। युद्ध की शुरुआत में, कुछ सत्ता परिवर्तन समर्थक लोग ईरान की सड़कों पर निकले थे लेकिन क्रांति का रूप न लेकर, सड़कों पर जल्द ही शांति छा गई। दो सप्ताह से अधिक समय की बमबारी और ईरान का अमेरिकी अड्डों पर मिसाइलों से उलट जवाब, होर्मुज की अग्निवाणों से नाकेबंदी से अब रजा पहलवी के बेटे को ईरान की सत्ताधारी बनाने बनाने का सपना भी धराशायी हो गया है। अमेरिकी सैनिकों की ईरान की धरती पर उपस्थिति के बिना सत्ता परिवर्तन सम्भव नहीं है। सत्ता परिवर्तन की भूखी निहत्थी जनता को सैनिकों का साथ चाहिए। ईरान पर युद्ध झोंकने के बाद, ट्रंप नाटो देशों को सीधे-सीधे यह कह रहा है कि यदि इस समय तुमने मेरी मदद नहीं की तो हम इस बात को याद रखेंगे। मूलतः नाटो में यूरोप के देश हैं। रूस द्वारा यूक्रेन पर थोंपा गया युद्ध अपने चार बरस पूरे कर चुका है। यह युद्ध यूरोप के आँगन से जुड़ा है। यूक्रेन ही नहीं यूरोप भी चार साल से इस युद्ध से उपजी विस्थापन की लहर और आर्थिक कारणों से जूझ रहा है। यूरोपीय देश किसी भी कीमत पर नहीं चाहते कि यूक्रेन पर रूस का आधिपत्य हो जाए। ईरान युद्ध पर अमेरिका का साथ देने में यूरोप की स्थिति साँप के मुँह में छछूँदर की सी है। याद रहे कि विश्व का 20 प्रतिशत कच्चा तेल होर्मुज की खाड़ी से होकर दुनियाँ भर में सप्लाई किया जाता है। ट्रम्प होर्मुज की खाड़ी में तेल टैंकरों के यातायात को ईरान के अग्निवाणों से बचाने के लिए चीन को भी ढाल बनने के लिए कह रहा है। चीन ऐसा कदापि नहीं करेगा। ईरान के युद्ध से चीन मजबूत हो रहा है। ट्रम्प ने ईरान पर, युद्ध झोंकने के समय, नाटो देशों के साथ सम्पर्क नहीं किया था। नाटो देशों को इस युद्ध की कानोंकान खबर नहीं थी। इसी कारण यूरोपीय देश कह रहे हैं कि यह हमारा युद्ध नहीं है। हालाँकि ईरान युद्ध की शुरुआती के दिनों में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टारमर ने अमेरिका की मदद की पहल पर ट्रम्प ने कहा हम युद्ध जीत रहे हैं। मदद की क्या जरूरत है। अमेरिका के दादा ने दुनियाँ के देशों पर, तावड़तोड़ व्यापार कर लगाकर निचोड़ना शुरू कर दिया था। आज वही अमेरिकी दादागिरी होर्मुज की खाड़ी में सहयोग के लिए भिखारीपन पर उतरी हुई है। ट्रम्प चीन जैसे प्रतिद्वंद्वी से सहयोग चाहता है। अमेरिकी उपभोक्ता पेट्रोल पंप पर, कारों में पेट्रोल भराते समय, महंगे दामों में पेट्रोल खरीद पर कह रहे हैं कि ईरान युद्ध में खर्च हमारी जेब से हो रहा है। यह सब हमारा पैसा है, ट्रंप का पैसा नहीं है। युद्ध विशेषज्ञों द्वारा इस युद्ध के शुरुआत के दो दिनों में हुए युद्ध खर्चा का आकलन पांच बिलियन से अधिक का खर्च आँका जा रहा है। इन 18 दिनों में कितना खर्च हुआ होगा सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। ट्रंप अपने ही किये के जाल में फंस गया है। ''अमेरिका ग्रेट अगेन'' कहकर उसने राष्ट्रपति का चुनाव जीता था और उसने यह बहुत ही शब्द स्पष्ट शब्दों में कहा था कि अब आगे से हम युद्ध नहीं लड़ेंगे। हम अमेरिका की अर्थव्यवस्था को सुधारेंगे। अमेरिका की अर्थव्यवस्था में सुधार, हमारी पहली प्राथमिकता होगी लेकिन साल भर होते ही ट्रंप ने ईरान पर दोबारा हमला कर दिया है। युद्ध जारी है। देखो ऊँट किस करवट बैठता है। यूक्रेन का राष्ट्रपति जब अमेरिका के राष्ट्रपति से मिलने व्हाइट हाउस गया था तो ट्रम्प ने उसकी बहुत बेईज्जती की थी। इतिहास में शायद ही ऐसा कोई उदाहरण मिलता हो जब एक राष्ट्रपति द्वारा दूसरे राष्ट्रपति को कैमरे के सामने बेइज्जत किया गया। उस समय ट्रंप ने बहुत कड़े शब्दों में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से कहा था कि ''यू डोंट हैव कार्ड्स।'' अब समय आ गया है ये शब्द ''यू डोंट हैव कार्ड्स'' शीशे पर लिखकर, ट्रम्प को दिन में आठ दस बार शीशा दिखाया जाना चाहिए। जानकारों के अनुसार ट्रम्प की नाटो देशों से मदद की पुकार न होकर भविष्य की फुँफकार भी है। दादागिरी करने वाला यही कहता है कि मैं देख लूंगा। इस समय यूरोप को एक स्वर में कहना चाहिए। यह हमारा युद्ध नहीं है। यूरोपीय देशों को यूक्रेन और ईरान के मामले में ट्रम्प को कटघरे में खड़ा करके डील करनी चाहिए। ज्यादा अच्छा तो यह होगा कि ''यू डोंट हैव कार्ड्स'' लिखा दर्पण दिखा कर, डील करनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसे उन्मादी युद्धों से मानवता को बचाया जा सके।

युद्ध में बेगुनाह मासूमों के जीवन पर बड़ी मार

मनोज अग्रवाल

दुनिया भर में हर संघर्ष में सबसे बड़ी मार बचपन पर पड़ रही है चाहे इजरायल हमास गाजा का संघर्ष रहा हो चाहे सीरिया लेबनान ईरान में हुए टकराव सबसे बड़ी कीमत बच्चों को चुकानी पड़ रही है। एशिया में बढ़ते युद्ध का सबसे ज्यादा असर बच्चों पर पड़ रहा है.मौजूदा टकराव में कई सौ बच्चे मिसाइल हमलों से मौत की नींद सो चुके हैं जबकि लाखों बच्चे बेघर हो गए हैं वहीं लाखों बच्चों का सामान्य जीवन प्रभावित हो रहा है उनकी स्कूली शिक्षा में रुकावट आ गयी है और वह दहशत के साए में असुरक्षित जीवन जीने के लिए मजबूर हो रहे हैं। यह सब इक्कीसवीं सदी की कथित शिक्षित विकासशील दुनिया में हो रहा है यह बता रहा है कि दुनिया का इंसान विज्ञान विकास और प्रगति के कितने भी दावे करे लेकिन वह सब बेमानी है जब कथित लोकतांत्रिक और ताकतवर देश दुनिया में हठधर्मी अराजकता फैलाए मनमाने टैरिफ वसूली करे तब दुनिया की अंतराष्ट्रीय संगठन और संस्थाएं सिर्फ बगलें झांकने का काम कर रही हैं तब तमाम मानवतावादी विचार और मानवाधिकारों की बातें भोथरी और खोखली बेमानी बन कर रह जाती है। आपको बता दें संयुक्त राष्ट्र की बाल एजेंसी ने चेतावनी दी है कि लगातार बढ़ती हिंसा से लाखों बच्चों की जिंदगी खतरे में पड़ गई है। इसी बीच ईरान के राष्ट्रपति ने भी शांति की बात करते हुए युद्ध खत्म करने के लिए कुछ शर्तें सामने रखी हैं अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान पर हमलों की शुरुआत की थी। इस दौरान एक अमेरिकी मिसाइल मीनाब के शजारेह तैयबा स्कूल पर जाकर गिरी थी। इस हमले में 168 बच्चे और 14 शिक्षक मारे गए थे। मरने वालों में ज्यादातर छात्राएं थीं। इस हमले की पूरी दुनिया में खूब निंदा की गई थी। अमेरिका भी मामले की जांच कर रहा है दुनिया भर में चर्चा चल रही है कि क्या ये युद्ध अपराध की श्रेणी में आ सकता है? आपको बता दें कि यूनिसेफ ने कहा है कि अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष से पूरे पश्चिम एशिया में बच्चों की स्थिति बहुत गंभीर हो गई है। एजेंसी के अनुसार 28 फरवरी से अब तक हिंसा में एक हजार एक सौ से ज्यादा बच्चे घायल हुए हैं या उनकी मौत हो गई है। ईरान में से लगभग दो सौ बच्चों की मौत ईरान में हुई है. वहीं इक्यानबे बच्चों की मौत लेबनान में हुई है। इसके अलावा चार बच्चों की मौत इजरायल में और एक बच्चे की मौत कुवैत में हुई है। रिपोर्ट्स के अनुसार यूनिसेफ ने चेतावनी दी है कि अगर हिंसा इसी तरह बढ़ती रही तो मरने और घायल होने वाले बच्चों की संख्या और बढ़ सकती है। संस्था ने यह भी बताया कि इस संकट के कारण लाखों बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बाधा के कारण पूरे क्षेत्र में लाखों बच्चे स्कूल से वंचित हो गए हैं, जबकि सैकड़ों हजारों बच्चे लगातार बमबारी के कारण विस्थापित हो गए हैं। अस्पतालों, स्कूलों और पानी और स्वच्छता प्रणालियों सहित नागरिक बुनियादी ढांचे, जिन पर बच्चे का जीवन निर्भर है, दोनों पक्षों द्वारा हमले किए गए हैं, उन्हें नुकसान पहुंचाया गया है या नष्ट कर दिया गया है। बच्चों की हत्या और उन्हें अपंग करना, या उन जरूरी सेवाओं पर हमला कर बर्बाद करना, जिन पर बच्चे निर्भर हैं, किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता.लगातार बमबारी के कारण लाखों परिवारों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं और सैकड़ों हजार बच्चे बेघर हो गए हैं.इजरायल लगातार लेबनान पर भी हमले कर रहा है। इस वजह से करीब 8 लाख लोग घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। इनमें 2 लाख से ज्यादा बच्चे हैं। यूनिसेफ ने कहा कि बच्चों की हत्या या उन्हें घायल करना किसी भी हालत में सही नहीं ठहराया जा सकता. संस्था ने यह भी कहा कि बच्चों के लिए जरूरी सेवाओं को नष्ट करना या बाधित करना भी गलत है. यूनिसेफ के अनुसार पूरे क्षेत्र में लगभग बीस करोड़ बच्चे हैं और वे उम्मीद कर रहे हैं कि दुनिया जल्द कदम उठाएगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया है कि हिंसक टकराव की वजह से पूरे मध्य पूर्व क्षेत्र में स्वास्थ्य प्रणालियों पर दबाव बढ़ रहा है और उपचार के लिए सेवाएँ सीमित होती जा रही हैं. लेबनान में हिज़बुल्लाह लड़ाकों और इसराइली सैन्य बलों में लड़ाई के बीच 11 हज़ार से अधिक गर्भवती महिलाएँ प्रभावित हैं और प्रवासी कामगारों के लिए भी जोखिम बढ़ रहे हैं. रिपोर्ट के अनुसार लेबनान में 11,600 महिलाओं पर इस टकराव का असर हुआ है, जिनमें से 4 हज़ार अगले तीन महीनों के दौरान बच्चों को जन्म देंगी. ईरान पर इसराइली व अमेरिकी हवाई हमलों और उसके बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई से मध्य पूर्व में भड़के भीषण टकराव ने लेबनान, कुवैत, बहरीन, क़तर, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ओमान समेत इस क्षेत्र में स्थित अनेक देशों को अपनी चपेट में ले लिया है. शांति और मानवाधिकारों की तमाम अवधारणाओं और अंतरराष्ट्रीय कानून व मान्यताओं को दरकिनार कर स्कूली बच्चों और अस्पतालों में इलाज करा रहे रोगियों पर मिसाइल हमले इस खूनी मानसिकता की दरिंदगी भरी गाथा को उजागर कर रहे हैं।

प्रदूषण को हराने वाला बायो-टावर

प्रो. आरके जैन

अब दिल्ली घुटती नहीं, जवाब देती है—और यह जवाब किसी मशीन ने नहीं, जीवित प्रकृति ने दिया है। बरसों से जहरीली हवा का बोझ ढोती राजधानी आज एक नई उम्मीद के साथ खड़ी है — माइक्रोएल्गी आधारित प्योरएयर टावर के रूप में। एयरोसिटी के पास एनएच-48 के व्यस्त कॉरिडोर पर स्थापित यह संरचना महज तकनीक नहीं, बल्कि विज्ञान और प्रकृति के अद्भुत संगम की जीवंत मिसाल है। सड़क के बीचों-बीच खड़ा यह "जीवित एयर प्यूरीफायर" न केवल प्रदूषण को थाम रहा है, बल्कि उसे ऑक्सीजन में बदलकर शहर को नई सांस दे रहा है। यह पहल साफ संकेत देती है कि आने वाला शहरी भविष्य कंक्रीट से नहीं, बल्कि जैविक समाधान पर आधारित होगा। जब सारे पारंपरिक उपाय बेअसर होकर ठहर गए, तब यह टावर एक शांत लेकिन प्रभावशाली क्रांति के रूप में उभरकर सामने आया। दिल्ली में पहले लगाए गए स्मॉग टावर बड़े, ऊर्जा-खपत वाले और सीमित प्रभाव वाले साबित हुए थे। इसके विपरीत, माइक्रोएल्गी प्योरएयर टावर सीधे उसी सड़क स्तर पर सक्रिय होता है, जहां प्रदूषण अपनी चरम सघनता पर होता है। यह न शोर करता है, न जटिल मशीनों पर निर्भर रहता है। इसके बजाय, यह सूक्ष्म शैवालों की प्राकृतिक प्रक्रिया का उपयोग करता है, जो प्रदूषकों को अपने पोषण के रूप में ग्रहण करते हैं। यह प्रणाली केवल प्रदूषण को रोकती नहीं, बल्कि उसे उपयोगी संसाधन में परिवर्तित करती है— यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है।जब सूक्ष्मता ही असली ताकत बन जाए, तब माइक्रोएल्गी का विज्ञान अपने प्रभाव से चौंकाता है—छोटा आकार, पर व्यापक और ठोस असर। ये सूक्ष्म जीव पानी में रहते हुए पेड़ों की तरह प्रकाश संश्लेषण करते हैं, लेकिन कहीं अधिक तेज और दक्षता के साथ। सूर्य प्रकाश और एलईडी की सहायता से ये कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर ऑक्साइड तथा पीएम2.5 व पीएम10 जैसे कणों को अवशोषित करते हैं। शोध बताते हैं कि कुछ प्रजातियां पेड़ों की तुलना में 10 से 50 गुना अधिक कार्बन सोखने में सक्षम हैं। इस पूरी प्रक्रिया में न हानिकारक अपशिष्ट बनता है, न अतिरिक्त ऊर्जा लगती है— यह एक स्वाभाविक और सतत समाधान है।जब एक छोटा-सा ढांचा ही "हरे फेफड़े" की ताकत समेट ले, तब इस टावर की असली क्षमता सामने आती है। एक अकेला टावर सालाना लगभग 340 किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर सकता है और करीब 15 लाख लीटर ऑक्सीजन उत्पन्न करता है। इसका प्रभाव लगभग 15–20 परिपक्व पेड़ों के बराबर है, जबकि यह केवल कुछ वर्ग मीटर जगह घेरता है। शहरी इलाकों में, जहां जमीन सीमित है और पेड़ों को बढ़ने में वर्षों लगते हैं, यह टावर तुरंत सक्रिय होकर परिणाम देने लगता है। यह केवल हवा को शुद्ध नहीं करता, बल्कि उत्पन्न बायोमास को खाद या बायोचार में बदलकर सर्कुलर इकोनॉमी का भी सशक्त हिस्सा बनता है। जब समाधान सिर्फ रोकने नहीं, बल्कि रूपांतरित करने लगे, तभी असली बदलाव जन्म लेता है—और यहीं नई सोच इस तकनीक में झलकती है। जहां पारंपरिक एयर प्यूरीफिकेशन सिस्टम प्रदूषण को फिल्टर में कैद कर आगे कचरे की नई समस्या खड़ी करते थे, वहीं यह टावर उसी प्रदूषण को उपयोगी संसाधन में बदल देता है। यह एक बायोमिमेटिक फोटोबायोरिएक्टर है—यानी प्रकृति की कार्यप्रणाली से प्रेरित प्रणाली। इसकी ऊर्जा खपत न्यूनतम, रखरखाव सरल और कार्यप्रणाली सतत है। इस दृष्टि से यह समाधान केवल पर्यावरण के लिए ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से भी कहीं अधिक टिकाऊ और व्यावहारिक है। जब दूरदृष्टि और शोध की मजबूती मिलती है, तभी ऐसा नवाचार आकार लेता है जो वास्तव में असरदार हो। इस टावर के पीछे केवल तकनीक नहीं, बल्कि ठोस वैज्ञानिक सोच है। भारतीय वैज्ञानिकों और स्टार्टअप्स ने इसे स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप विकसित किया है। माइक्रोएल्गी की ऐसी प्रजातियां चुनी गई हैं जो दिल्ली की गर्मी, धूल और उच्च प्रदूषण में भी टिक सकें।

घूंघट, पंचायत और प्रगतिशील पैड

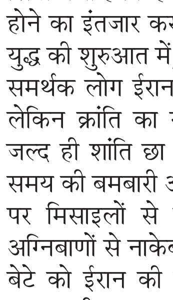
डॉ. सुरेश कुमार

मुरलीपुर गांव में जब 'बिंदिया बुआ' ने प्रधानी का चुनाव लड़ने का मन बनाया, तो गांव के मठाधीशों के हुक्के की गुड़गुड़ाहट अचानक रुक गई। बिंदिया बुआ का मुख्य चुनावी मुद्दा 'महिला स्वच्छता' था, जिसे सुनते ही गांव के बुजुर्गों ने ऐसे कान बंद किए जैसे किसी ने उनके सामने बम फोड़ दिया हो। गांव की चौपाल पर चर्चा छिड़ गई कि यह 'औरतों वाली बात' राजनीति के पवित्र गलियारों में कैसे आ गई? मुखिया जी के खास सिपहसालार 'चैतू' का तर्क था कि जिस विषय पर घूंघट की ओट में बात की जाती है, उसे वोट की पेटी तक ले जाना साक्षात कलयुग है। लेकिन बिंदिया बुआ अडिग थीं; उन्होंने गांव की जर्जर दीवारों पर लिखवा दिया— शर्म छोड़ो, स्वास्थ्य चुनो। उन्होंने तर्क दिया कि जब तक गांव की बेटियां माहवारी के दिनों में पुराने कपड़ों की सड़ांध झेलेंगी, तब तक गांव का 'विकास' केवल फाइलों में इत्र लगाकर घूमता रहेगा। प्रचार के अंतिम सप्ताह में बिंदिया बुआ ने एक 'गुप्त डिब्बा' गांव के चौराहे पर रखा और घोषणा की कि इसमें 'शक्तिवर्धक जड़ी-बूटी' है जो केवल महिलाओं के कष्ट हरेगी। पुरुषों में खलबली मच गई; उन्हें लगा कि शायद इसमें कोई ऐसा जादू है जिससे उनकी सत्ता छिन जाएगी। विपक्षी उम्मीदवार 'दकियानूस लाल' ने अफवाह फैला दी कि बिंदिया बुआ 'अशुद्धता' का व्यापार कर रही हैं और इससे गांव के देवता नाराज हो जाएंगे। जवाब में बुआ ने गांव की सभी महिलाओं की एक गुप्त सभा बुलाई और उन्हें सैनिटरी पैड के इस्तेमाल और उससे जुड़ी वैज्ञानिक सच्चाई के बारे में शिक्षित किया। पहली बार मुरलीपुर की औरतों को लगा कि जिसे वे अपनी नियति का 'अभिशाप' मानती थीं, वह तो मात्र एक शारीरिक प्रक्रिया है। पुरुषों को अब भी लग रहा था कि डिब्बे में कोई राजनीतिक बारूद है, जबकि वहां सिर्फ जागरूकता की मशाल जल रही थी। चुनाव का परिणाम आया और बिंदिया बुआ ने दकियानूस लाल की जमानत जब्त करा दी। जीत के बाद जब उस 'गुप्त डिब्बे' को खोलने की बारी आई, तो पूरा गांव तमाशा देखने इकट्ठा हुआ। डिब्बा खुला तो उसमें से सैनिटरी पैड्स के पैकेट और एक बड़ा सा पोस्टर निकला जिस पर लिखा था— जिस खून से सृष्टि का सृजन होता है, उसे अछूत कहने वालों, अपनी सोच बदलो! पुरुष वर्ग हक्का-बक्का रह गया, उन्हें लगा था कि कोई दैवीय चमत्कार दिखेगा, पर वहां तो एक कड़वी सामाजिक सच्चाई मुस्कुरा रही थी। बिंदिया बुआ ने माइक संभाला और दहाड़ कर बोलीं, भाइयों, जो पैड आपको 'अशुद्ध' लग रहा है, वह आपकी बेटियों के स्कूल जाने का टिकट है। जनता सन्न थी और उधर बुआ ने अपनी पहली सैलरी से गांव में 'पैड वेंडिंग मशीन' लगवाने का टेंडर साइन कर दिया, जबकि पुरुष अभी भी सोच रहे थे कि इस 'जादू' का तोड़ किस पंचांग में मिलेगा।

लंबा जीना है तो अपनी प्लेट में शामिल करें ये चीजें!

लंबा और स्वस्थ जीवन जीने की चाह हर किसी में होती है, लेकिन इसके लिए सिर्फ मेहनत या व्यायाम ही पर्याप्त नहीं है। हम सभी को ये समझने की जरूरत है कि हमारी रोजमर्रा की डाइट यानी खाने की थाली में शामिल चीजें सीधे तौर पर हमारी सेहत और उम्र पर असर डालती हैं। डॉक्टर भी कहते हैं कि सही पोषण और संतुलित आहार लेने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, दिल और दिमाग स्वस्थ रहते हैं और ऊर्जा बनी रहती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ खास खाद्य पदार्थ ऐसे हैं, जिन्हें रोजाना खाने से लंबा जीवन और बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित किया जा सकता है। इनमें प्रोटीन, विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर चीजें शामिल होती हैं। अगर आप भी अपनी थाली को हेल्दी बनाना चाहते हैं और उम्र बढ़ाने के साथ-साथ जीवन की गुणवत्ता भी सुधारना चाहते हैं, तो यहां हम आपको पांच ऐसी जरूरी चीजों के बारे में बता रहे हैं जिन्हें अपने भोजन में अवश्य शामिल करें।

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, मेथी, ब्रोकली, सरसों का साग आदि विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती हैं।

इनमें मौजूद विटामिन A, C, K और फोलेट हृदय, आंखों और हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। एंटीऑक्सीडेंट शरीर में फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान को कम करता है। इसकी वजह से लोगों की उम्र बढ़ती है।

फल

फल जैसे सेब, केला, स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी, संतरा और अनार प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं।

इनमें प्राकृतिक शुगर, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स मौजूद होते हैं जो हृदय, पाचन और मेटाबॉलिज्म के लिए फायदेमंद हैं।

रोजाना 2-3 सर्विंग फल लेने से दिल और दिमाग दोनों स्वस्थ रहते हैं।

नट्स और बीज

नट्स और बीज जैसे बादाम, अखरोट, चिया और फ्लैक्ससीड हृदय स्वास्थ्य, मस्तिष्क के विकास और ऊर्जा बढ़ाने में मदद करते हैं।

इनमें हेल्दी फैट्स, ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन और फाइबर मौजूद होते हैं। नियमित सेवन से कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहता है और मस्तिष्क तेज रहता है।

दालें

मूंग, मसूर, राजमा, छोले जैसी दालें प्रोटीन का अच्छा स्रोत हैं।

प्रोटीन मसल्स के निर्माण और रिपेयर के लिए जरूरी है।

दालों में फाइबर और आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है।

दालें पाचन और रक्त स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है।

दही

दही पाचन सुधारने, प्रोबायोटिक्स और कैल्शियम देने के लिए जरूरी हैं।

ये हड्डियों को मजबूत रखते हैं, पेट की सेहत सुधारते हैं और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं।

इनफर्टिलिटी से बचना है तो महिलाएं तुरंत इन आदतों में कर लें सुधार

प्रजनन की समस्याएं दुनियाभर में तेजी से बढ़ती जा रही हैं, इससे हर 6 में से 1 कपल प्रभावित है। एक रिपोर्ट में हमने वैज्ञानिक तथ्यों के साथ समझने की कोशिश की कि आखिर इस समस्या के लिए महिला या पुरुष कौन ज्यादा जिम्मेदार होता है? स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जब बात महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य की होती है तो ये विषय बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। बच्चे पैदा करने की उम्र में देरी, पर्यावरण में बढ़ते प्रदूषण और लाइफस्टाइल से जुड़े कारक महिलाओं की प्रजनन क्षमता और अंडे की क्वालिटी को खराब करते जा रहे हैं। हमारी रोजमर्रा की भी कई आदतें प्रजनन समस्याओं को बढ़ाने वाली हो सकती हैं, जिसके बारे में सभी महिलाओं को जरूर जनाना चाहिए और समय रहते आदतों में सुधार कर लेना चाहिए।

महिलाओं में फर्टिलिटी की समस्या

महिलाओं में फर्टिलिटी यानी गर्भधारण करने की क्षमता कम होना एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या बनती जा रही है। पहले यह समस्या अधिक उम्र की महिलाओं में ज्यादा देखी जाती थी, लेकिन अब 20-30 साल की उम्र में भी कई महिलाओं को गर्भधारण में कठिनाई हो रही है।

अध्ययनों से पता चलता है कि दुनिया भर में लगभग 12-18% प्रजनन आयु की महिलाओं को किसी न किसी स्तर की इनफर्टिलिटी की समस्या होती है। महिला दिवस के इस खास अवसर पर आइए जान लेते हैं कि महिलाओं की कौन-कौन सी आदतें उनके लिए दुश्मन बनती जा रही हैं?

क्या कहती हैं डॉक्टर?

महिला की फर्टिलिटी, शरीर की कई स्थितियों जैसे हार्मोन, अंडाशय की सेहत, ओवुलेशन और पोषण पर निर्भर होती है। यदि इस सिस्टम में गड़बड़ी हो जाए तो गर्भधारण की संभावना कम हो जाती है। कई मामलों में इनफर्टिलिटी का जोखिम हमारी रोजमर्रा की आदतों से जुड़ा होता है, जिन्हें समय रहते बदलकर काफी हद तक कम किया जा सकता है।

किन आदतों में तुरंत सुधार जरूरी?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहती हैं, प्रजनन स्वास्थ्य को बेहतर रखना है तो कम उम्र से ही लाइफस्टाइल और आहार में सुधार जरूरी है। उम्र बढ़ने के साथ महिलाओं की फर्टिलिटी और अंडों की गुणवत्ता प्राकृतिक रूप से कम होती जाती है। 35 की उम्र के बाद अंडों की संख्या और गुणवत्ता तेजी से कम होने लगती है। इसलिए समय शादी या प्रेग्नेंसी प्लान करना जरूरी है। यदि संभव हो तो 30 साल से पहले परिवार की योजना बनाना बेहतर माना जाता है।

बढ़ने न पाए आपका वजन

वजन बढ़ने का हमारी सेहत पर सीधा असर होता है। ये आपकी प्रजनन क्षमता को भी प्रभावित करने वाली हो सकती है। मोटापा होने पर शरीर में इंसुलिन और हार्मोन का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे ओवुलेशन में दिक्कत आ सकती है जिससे गर्भधारण कठिन हो जाता है। इसलिए वजन को कंट्रोल करना जरूरी है।

धूम्रपान और शराब सेहत के लिए दुश्मन

डॉक्टर कहती हैं महिलाओं में मॉर्डन दिखने के चक्कर में धूम्रपान और शराब की आदत तेजी से बढ़ी है जिसका उनके प्रजनन स्वास्थ्य पर सीधा असर हो रहा है। सिगरेट और शराब में मौजूद रसायन और टार अंडों की गुणवत्ता को नुकसान पहुंचाते हैं और हार्मोनल सिस्टम को प्रभावित करते हैं। धूम्रपान से अंडाशय की उम्र जल्दी बढ़ती है और गर्भपात का खतरा भी बढ़ सकता है।

इसके अलावा शराब और नशीले पदार्थ शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बढ़ाते हैं, जिससे प्रजनन क्षमता प्रभावित हो सकती है। इसलिए डॉक्टर साफ सलाह देते हैं कि फर्टिलिटी बनाए रखने के लिए इन आदतों से दूर रहना जरूरी है।

बढ़ता तनाव भी डालता है असर

तनाव में रहना भी आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। लगातार तनाव में रहना, नींद और शारीरिक गतिविधि की कमी भी महिलाओं की फर्टिलिटी को प्रभावित करती है। तनाव बढ़ने पर शरीर में कॉर्टिसोल नामक हार्मोन बढ़ जाता है, जो प्रजनन हार्मोन के संतुलन को बिगाड़ सकता है। यही कारण है कि महिलाओं के लिए रोजाना वॉक करना जरूरी हो जाता है जो मूड को ठीक रखने और कॉर्टिसोल के स्तर को घटाने में मददगार है।

इलेक्ट्रिक कार चार्जिंग में गलतियां जो अक्सर लोग करते हैं, आपके यहां भी हो सकता है हादसा

क्या आपके पास इलेक्ट्रिक कार है? क्या आप इलेक्ट्रिक कार खरीदने का प्लान कर रहे हैं? अगर हां, तो ये खबर पढ़कर आप चिंता में तो जरूर पड़ सकते हैं। दरअसल, इंदौर से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है। दरअसल, इंदौर के बंगाली चौराहे के पास स्थित एक कॉलोनी में बुधवार भोर में एक मकान के बाहर खड़ी इलेक्ट्रिक कार में चार्जिंग के दौरान शॉर्ट सर्किट हुआ जिससे आग लग गई। ये आग इतनी तेजी से फैली की आग घर में रखे गैस सिलिंडरों तक पहुंच गई जिससे एक के बाद एक धमाके हुए और खबर लिखे जाने तक 8 लोगों की मौत हो गई। जबकि, कई लोग घायल हैं। इसलिए अगर आप भी अपनी इलेक्ट्रिक कार को चार्ज करते हैं, तो आपके लिए ये जानना जरूरी हो जाता है कि इलेक्ट्रिक कार चार्ज करते समय कौन सी गलतियां नहीं करनी चाहिए।

इलेक्ट्रिक कार चार्ज करते समय कौन सी गलतियां करने से बचना चाहिए?

पहली गलती

अगर आप इलेक्ट्रिक कार चार्ज कर रहे हैं, तो उसके अंदर न बैठें

न बच्चों को बैठने दें और न ही खुद बैठें

जहां पर चार्जिंग कर रहे हैं, वहां आप मौजूद रहें

ऐसा न करें कि कार को चार्ज पर लगाकर आप कहीं चले जाएं

दूसरी गलती

एक्सटेंशन केबल से चार्ज करने से बचें

कई लोग घर पर गाड़ी को चार्ज करते समय एक्सटेंशन केबल या एक्सटेंशन बोर्ड का इस्तेमाल करते हैं

इससे ज्यादा दबाव पड़ने से एक्सटेंशन केबल या बोर्ड गर्म हो सकता है और शॉर्ट सर्किट हो सकता है

इसलिए ये गलती न करें

तीसरी गलती

इस बात को सुनिश्चित करें कि सामान्य स्विच या वायरिंग पर कार चार्ज न करें

ध्यान दें कि चार्जिंग सामान्य वायरिंग या नॉर्मल सर्किट पर न हो, क्योंकि ये दबाव नहीं झेल पाते जिससे शॉर्ट सर्किट हो सकता है

इसलिए कोशिश करें कि 15ए का सॉकेट या वॉल बॉक्स लगवाकर ही कार चार्ज करें

चौथी गलती

कार को अगर रात को चार्ज कर रहे हैं, तो पूरी रात चार्ज पर लगाकर न छोड़ें

कई लोग कार को चार्ज पर लगाकर खुद सोने चले जाते हैं

ऐसा करने से बचें और कार को अपने सामने ही चार्ज करें और ठीक से चार्जर हटाकर स्विच ऑफ जरूर करें

पांचवीं गलती

आप जब भी कार चार्जिंग पर लगाएं, तो ये सुनिश्चित करें की कार चार्जिंग सुरक्षित जगह पर हो

जमीन पर अगर पानी फैला है तो चार्ज करने से बचें

बारिश वाली जगह पर चार्ज करने से बचना चाहिए

महिलाओं में तेजी से बढ़ रही हैं ये दिक्कतें, कहीं आप भी तो नहीं हैं इनका शिकार

बदलती जीवनशैली, काम का बढ़ता दबाव और असंतुलित खानपान की वजह से आज के समय में ज्यादातर महिलाएं और लड़कियां स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न समस्याओं का सामना कर रही हैं। लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठना, शारीरिक गतिविधियों की कमी, तनाव और नींद की कमी जैसी आदतें उनके जीवन पर गहरा असर डाल रही हैं।

इन सभी कारणों से उनकी जीवनशैली प्रभावित होती है और उनकी ऊर्जा, कामकाजी क्षमता और सामान्य स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। अगर समय रहते इन समस्याओं को समझा और सही तरीके से सुधारा जाए, तो स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाई जा सकती है। यहां इस लेख में हम आपको बताएंगे उन दिक्कतों के बारे में, जिनसे आजकल हर तीसरी महिला जूझ रही है।

हार्मोनल इंबैलेंस

हार्मोनल असंतुलन महिलाओं में बहुत आम समस्या बन गई है।

इसके कारण मासिक धर्म अनियमित हो सकता है।

पीरियड्स में अत्यधिक दर्द, रक्तस्राव की समस्या या मासिक धर्म का अचानक रुक जाना जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (PCOS) या तनाव जैसी स्थिति भी होने लगती है।

इसके लक्षणों में अचानक वजन बढ़ना, त्वचा पर मुहांसे और बालों का झड़ना शामिल हैं।

थायरॉयड

थायरॉयड ग्रंथी की समस्याएं महिलाओं में तेजी से बढ़ रही हैं।

ये थकान, वजन बढ़ना या घटना, बाल झड़ना और त्वचा की सूखापन जैसी समस्याएं पैदा करती है।

थायरॉयड असंतुलन हार्मोनल इंबैलेंस को और गंभीर बना सकता है और शरीर की ऊर्जा स्तर को प्रभावित करता है।

मोटापा और वजन बढ़ना

आज की जीवनशैली में असंतुलित भोजन, अधिक जंक फूड का सेवन और शारीरिक गतिविधि की कमी से महिलाओं में मोटापा बढ़ रहा है। मोटापा न केवल शरीर की रूपरेखा बदलता है, बल्कि हृदय रोग, डायबिटीज और जोड़ों की समस्या का खतरा भी बढ़ाता है।

कई बार ये दिक्कत पीसीओडी, पीसीओएस और थायरॉयड की वजह से भी होती है।

एनीमिया और पोषण की कमी

आयरन, विटामिन और मिनरल्स की कमी के कारण महिलाओं में एनीमिया आम है।

ये कमजोरी, थकान, चक्कर आना और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई जैसी समस्याएं पैदा करता है। गर्भवस्था के दौरान यह और गंभीर हो सकता है।

हड्डियों और जोड़ों की कमजोरी

कैल्शियम और विटामिन D की कमी साथ ही शारीरिक गतिविधि की कमी, महिलाओं में हड्डियों और जोड़ों की कमजोरी का कारण बनती है। इससे ऑस्टियोपोरोसिस और जोड़ों में दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जो उम्र बढ़ने के साथ गंभीर हो जाती हैं।

इन चीजों में होता है सबसे ज्यादा प्रोटीन, अपनी डाइट में करें शामिल

प्रोटीन न केवल मसल्स बनाने में मदद करता है, बल्कि शरीर की कोशिकाओं की मरम्मत, इम्यून सिस्टम को मजबूत करने और ऊर्जा बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाता है। यही कारण है कि फिटनेस एक्सपर्ट और न्यूट्रिशनिस्ट अपनी डाइट में प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों को शामिल करने की सलाह देते हैं। हालांकि, कई लोगों को यह नहीं पता होता कि किन-किन फूड आइटम्स में प्रोटीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

अगर आप भी अपनी डाइट में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाना चाहते हैं, तो यहां हम आपको कुछ ऐसे खाद्य पदार्थों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें रोजाना खाने से शरीर को पर्याप्त प्रोटीन मिल सकता है और आपकी सेहत बेहतर बनी रहती है।

दालें

दालों में मूंग, मसूर, चना और राजमा शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन का सबसे अच्छा स्रोत माने जाते हैं।

इनमें न केवल प्रोटीन होता है, बल्कि फाइबर, आयरन और मिनरल्स भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

ये पाचन को बेहतर बनाते हैं और शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देते हैं।

नियमित रूप से दालों का सेवन करने से मसल्स मजबूत होते हैं।

अंडे

अंडा एक कंप्लीट प्रोटीन फूड माना जाता है, क्योंकि इसमें सभी जरूरी अमीनो एसिड मौजूद होते हैं।

एक अंडे में लगभग 6–7 ग्राम प्रोटीन पाया जाता है।

ये मसल्स ग्रोथ, वजन कंट्रोल और शरीर की मरम्मत के लिए बेहद फायदेमंद है।

उबले अंडे खाने से शरीर को आसानी से प्रोटीन मिल जाता है और यह लंबे समय तक पेट भरा रखता है।

दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स

दूध, दही, पनीर और हंग कर्ड प्रोटीन के साथ-साथ कैल्शियम के भी अच्छे स्रोत हैं।

ये हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाते हैं।

पनीर और हंग कर्ड में प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है, जो जिम जाने वालों और फिटनेस पर ध्यान देने वालों के लिए फायदेमंद है।

दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स पाचन को सुधारते हैं और शरीर को ठंडक भी देते हैं।

नट्स और बीज

नट्स और बीज जैसे बादाम, मूंगफली, चिया सीड्स और अलसी (फ्लैक्स सीड्स) प्रोटीन, हेल्दी फैट्स और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं।

ये हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं और दिमाग को तेज रखने में मदद करते हैं। थोड़ी मात्रा में रोजाना इनका सेवन करने से शरीर को जरूरी पोषण मिलता है और ऊर्जा बनी रहती है।

सोया प्रोडक्ट्स

सोयाबीन, टोफू और सोया चंक्स शाकाहारी लोगों के लिए सबसे अच्छे हाई प्रोटीन विकल्पों में से एक हैं।इनमें प्रोटीन की मात्रा काफी अधिक होती है, जो मसल्स बनाने और वजन नियंत्रित रखने में मदद करती है। सोया प्रोडक्ट्स हार्मोन बैलेंस बनाए रखने और शरीर को ताकत देने में भी सहायक होते हैं।

इलेक्ट्रिक स्कूटी में इन 4 गलतियों से लग सकती है आग, तीसरी गलती तो ले लेगी जान

इंदौर में इलेक्ट्रिक कार चार्जिंग के दौरान हुए शॉर्ट सर्किट ने अब तक 8 लोगों की जान ले ली है। ये हादसा इतना भयावह था कि हर कोई इससे डरा हुआ है। चार्जिंग के दौरान पहले शॉर्ट सर्किट हुआ और फिर शॉर्ट सर्किट से लगी आग घर में रखे गैस सिलिंडरों तक पहुंच गई।

ऐसे में जरूरी हो जाता है कि हमें उन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए, जो इलेक्ट्रिक कार को चार्ज करते समय जरूरी है। लेकिन अगर आपके पास इलेक्ट्रिक स्कूटी है तो भी आपको कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। तो चलिए जानते हैं इलेक्ट्रिक स्कूटी को चार्ज करते समय किन 4 बातों का ध्यान रखना चाहिए।

इलेक्ट्रिक स्कूटी को चार्ज करते समय किन बातों का रखें ध्यान?

गलती नंबर 1

अगर आप अपनी ईवी स्कूटी को घर पर चार्ज करते हैं, तो एक्सटेंशन केबल से चार्ज करने से बचें

कई लोग चार्ज करते समय एक्सटेंशन केबल या एक्सटेंशन बोर्ड का इस्तेमाल करते हैं जिससे इन पर अधिक दबाव पड़ता है और ये गर्म हो सकता है जिससे शॉर्ट सर्किट हो सकता है।

गलती नंबर 2

अगर आप अपनी ईवी स्कूटी को चार्ज कर रहे हैं, तो हमेशा ओरिजनल चार्जर का ही इस्तेमाल करें।सस्ते या लोकल चार्जर से स्कूटी चार्ज करने से बचना चाहिए, क्योंकि ये बैटरी को नुकसान पहुंचाते हैं। साथ ही इनसे ओवरहीटिंग जैसी दिक्कत हो सकती है जिससे स्कूटी में आग लग सकती है

गलती नंबर 3

स्कूटी को सीधे धूप में खड़ी करने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे अत्यधिक गर्मी बैटरी के सेल्स को प्रभावित कर सकती है जिससे बैटरी में विस्फोट होने का खतरा रहता है।

समय-समय पर स्कूटी और बैटरी की जांच करवाते रहें

बारिश या पानी या गीली जगहों से स्कूटी को खड़ा करने से बचें, क्योंकि इससे बैटरी में शॉर्ट सर्किट हो सकता है

गलती नंबर 4

अगर आप रात भर अपनी स्कूटी को चार्ज पर लगाकर छोड़ देते हैं, तो ऐसा न करें

कभी भी पूरी रात स्कूटी को चार्जिंग पर लगाकर न रखें बल्कि, अपने सामने स्कूटी को चार्ज करें और कोशिश करें कि 80 प्रतिशत तक ही बैटरी को चार्ज करें

श्रीदेवी प्रॉपर्टी विवाद में बोनी कपूर हाई कोर्ट पहुंचे

जान्हवी और खुशी कपूर संग याचिका दाखिल, चेन्नई ईसीआर संपत्ति पर कानूनी लड़ाई तेज हुई

दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की संपत्ति को लेकर कानूनी विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। फिल्म प्रोड्यूसर बोनी कपूर और उनकी बेटियां जान्हवी कपूर व खुशी कपूर ने इस मामले में मद्रास हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक यह पूरा मामला चेन्नई के ईस्ट कोस्ट रोड स्थित श्रीदेवी की एक प्रॉपर्टी से जुड़ा है। इस संपत्ति को लेकर एक व्यक्ति ने दावा किया है और इसी के तहत उसने चेंगलपट्टू की जिला अदालत में याचिका दायर की थी। मामले की सुनवाई करते हुए अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, चेंगलपट्टू ने कपूर परिवार की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने इस याचिका को शुरुआती स्तर पर ही खारिज करने की मांग की थी।

निचली अदालत के इस फैसले के खिलाफ अब बोनी कपूर और उनकी बेटियों ने मद्रास हाई कोर्ट में चुनौती दी है। उनका कहना है कि यह मुकदमा कानून टिकाऊ नहीं है और इसे खारिज किया जाना चाहिए। कपूर परिवार का तर्क है कि संपत्ति से जुड़े सभी अधिकार और दस्तावेज उनके पक्ष में हैं, ऐसे में इस तरह के दावे निराधार हैं।

वहीं, याचिकाकर्ता का दावा है कि संपत्ति को लेकर कुछ अधिकार उसके पास भी हैं, जिनकी कानूनी जांच जरूरी है। इसी आधार पर उसने कोर्ट में मामला दायर किया है। अब इस पूरे विवाद पर अंतिम फैसला हाई कोर्ट में सुनवाई के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

यह मामला इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि यह सीधे तौर पर श्रीदेवी की विरासत से जुड़ा है। उनके निधन के बाद से ही उनकी संपत्तियों और अधिकारों को लेकर समय-समय पर खबरें सामने आती रही हैं। फिलहाल, मद्रास हाईकोर्ट में इस याचिका पर सुनवाई का इंतजार है। अब देखना होगा कि कोर्ट इस मामले में क्या रुख अपनाता है और क्या कपूर परिवार को राहत मिलती है या नहीं।

शाहरुख खान फिर करेंगे रोमांस

विंटेज लुक में नई फिल्म : किंग के बाद रोमांटिक अंदाज में वापसी

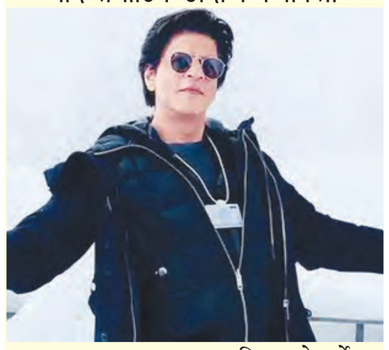

शाहरुख खान एक बार फिर बड़े पर्दे पर रोमांस का जादू बिखेरने की तैयारी में हैं। हाल ही में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 'किंग' के बाद किंग खान एक बिग बजट रोमांटिक फिल्म में नजर आ सकते हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म में उनका लुक काफी अलग और विंटेज स्टाइल का होगा, जो दर्शकों के लिए नया अनुभव लेकर आएगा।

यह फिल्म क्लासिक लव स्टोरी पर आधारित होगी, जिसमें इमोशंस और पुराने दौर की फीलिंग्स को मॉडर्न टच के साथ पेश किया जाएगा। मेकर्स इस प्रोजेक्ट को बड़े स्तर पर बनाने की तैयारी कर रहे हैं, ताकि दर्शकों को एक भव्य सिनेमैटिक अनुभव मिल सके। रिपोर्ट के मुताबिक शाहरुख इस फिल्म में एक परिपक्व और गहराई वाले किरदार में दिखाई देंगे। उनका यह अवतार उनके पुराने रोमांटिक इमेज की याद दिलाएगा, जिसे दर्शकों ने 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है' और 'वीर-जारा' जैसी फिल्मों में खूब पसंद किया था। लंबे समय बाद वे इस जोनर में वापसी कर रहे हैं, जिससे फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

फिल्म की कहानी, डायरेक्टर और बाकी स्टारकास्ट को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इंडस्ट्री में इस प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा तेज हो गई है। मेकर्स इस फिल्म को इंटरनेशनल लेवल पर प्रमोट करने की योजना बना रहे हैं।

गौरतलब है कि शाहरुख खान ने पिछले कुछ सालों में 'पठान' और 'जवान' जैसी एक्शन फिल्मों से बॉक्स ऑफिस पर शानदार वापसी की है। अब वे फिर से अपने रोमांटिक अंदाज में लौटने वाले हैं, जो उनके करियर की पहचान रहा है।

अगर सब कुछ प्लान के मुताबिक रहा, तो यह फिल्म आने वाले समय में बॉलीवुड की सबसे चर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक साबित हो सकती है। फैंस को अब इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

घर में अकेली थीं तेजस्वी प्रकाश, तभी घुसा फैन, एक्ट्रेस ने सुनाई आपबीती, बोलीं- करण ने हैंडल किया

तेजस्वी प्रकाश टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं और अब तो वह ओटीटी के प्रोजेक्ट्स भी कर रही हैं। हाल ही वह 'साइको सैयां' में नजर आई थीं। तेजस्वी प्रकाश की जबरदस्त फैन फॉलोइंग है और जहां भी वह जाती हैं, फैंस की भारी भीड़ उन्हें घेर लेती है। लेकिन एक बार एक्ट्रेस ऐसे सनकी फैन से टकराईं कि वह बुरी तरह डर गई थीं। यह शख्स रोजाना तेजस्वी प्रकाश के घर पहुंच जाता था और उनके आंगन में लेटर डाल देता था।

तेजस्वी प्रकाश ने एक इंटरव्यू में पीछा करने वाले इस शख्स के बारे में बताया। साथ ही बताया कि कैसे करण कुंद्रा और परिवार ने उन्हें उस सनकी आदमी से पीछा छुड़ाने में मदद की। इसके लिए एक्ट्रेस को पुलिस की भी मदद लेनी पड़ी थी।

तेजस्वी प्रकाश ने एक इंटरव्यू में बताया, 'एक स्टॉकर था, जो मेरा पीछा करता था। वो रोज मेरे घर आता था। मैं एक रो हाउस में रहती हूं, तो इसलिए, घर में एक आंगन है। वो फैन वहां चिट्ठियां छोड़ जाता था। हर बार जब मैं घर से बाहर निकलती, तो मुझे वो चिट्ठियां दिखतीं और मैं सोचती कि यह किसने किया होगा। हमने बड़ी समझदारी से कैमरे लगवा लिए, लेकिन हम उसे पकड़ नहीं पाए।'

एक स्टॉकर था, जो मेरा पीछा करता था। वो रोज मेरे घर आता था। मैं एक रो हाउस में रहती हूं, तो इसलिए घर में एक आंगन है। वो फैन वहां चिट्ठियां छोड़ जाता था। मैं सोचती कि यह किसने किया होगा। हमने कैमरे लगवा लिए, लेकिन हम उसे पकड़ नहीं पाए।

लेकिन तब तेजस्वी के होश उड़ गए, जब एक दिन वह घर में अकेली थीं और वो आदमी अंदर घुस गया। तेजस्वी ने वो डरावना वाकया याद करते हुए बताया, 'एक दिन, जब मैं घर में अकेली थी, वह अंदर आ गया। खुशकिस्मती से, मेरा ड्राइवर और मां आ गए और उन्होंने उसे बालकनी में ही पकड़ लिया। हमें उसे पुलिस के पास ले जाना पड़ा। वह बहुत अजीबोगरीब चिट्ठियां छोड़ जाता था। पहले करण कुंद्रा ने उसे हैंडल किया और फिर हम उसे पुलिस के पास ले गए।'

एक दिन जब मैं घर में अकेली थी, वह अंदर आ गया। मेरा ड्राइवर और मां आ गए और उन्होंने उसे बालकनी में ही पकड़ लिया। पहले करण कुंद्रा ने उसे हैंडल किया और फिर हम उसे पुलिस के पास ले गए।

तेजस्वी प्रकाश इस वक्त 'लाफ्टर शेफ्स 3' में नजर आ रही हैं। उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है, पर 2012 में एक्टिंग की दुनिया में आ गई थीं। उन्होंने टीवी शो '2612' से शुरुआत की थी। फिर 'संस्कार-धरोहर अपनों की', 'स्वरागिनी- जोड़े रिश्तों के स्वर', 'पहरेदार पिया की', 'सिलसिला बदलते रिश्तों का' और 'नागिन 6' जैसे टीवी शोज किए। वह 'खतरों के खिलाड़ी' में भी नजर आईं और 'बिग बॉस 15' की विनर रही थीं।

क्या मणिरत्नम की फिल्म में नजर आएंगे विजय सेतुपति व साई पल्लवी?

साउथ अभिनेता विजय सेतुपति इन दिनों अपनी कई फिल्मों की शूटिंग में काफी व्यस्त हैं। विजय जल्द ही मशहूर निर्देशक मणिरत्नम की अगली फिल्म में काम शुरू करने वाले हैं। जानिए कैसी होगी फिल्म और कौन होगी फिल्म की मुख्य अभिनेत्री?

कैसी होगी विजय की आने वाली फिल्म

यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म होगी। इसमें विजय के साथ साई पल्लवी मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आएंगी। विजय की मणिरत्नम के साथ यह दूसरी फिल्म है। इस फिल्म से पहले वह मणिरत्नम के साथ 2018 में फिल्म 'चेक्का चिवंथा वानम' नाम की फिल्म में काम कर चुके हैं, लेकिन इस बार कुछ बिल्कुल अलग और नया करने जा रहे हैं।

कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

इस फिल्म की शूटिंग इस साल गर्मियों में शुरू हो सकती है। इस फिल्म के म्यूजिक के लिए प्रतिभा साई अभ्यंकर से बात चल रही है। फिल्म को मद्रास टॉकीज और लाइका प्रोडक्शंस मिलकर बना रहे हैं। हालांकि, अभी इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा होना बाकी है।

'अरसन' के बारे में

विजय सेतुपति की आने वाली तमिल फिल्म 'अरसन' है। इसमें सिलंबरासन मुख्य भूमिका में हैं। यह एक गैंगस्टर एक्शन ड्रामा है, जिसका संगीत अनिरुद्ध रविचंदर दे रहे हैं। पहले अफवाहें थीं कि व्यस्तता के कारण विजय इस प्रोजेक्ट से बाहर हो गए, लेकिन अब विजय ने साफ कर दिया है कि वह इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म की शूटिंग जारी है।

पॉकेट नॉवेल में नजर आएंगे विजय

विजय सेतुपति निर्देशक थियागराजन कुमारराजा की फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' में काम कर रहे हैं। इसमें मालविका मोहनन और राज बी शेट्टी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में किशोर भी महत्वपूर्ण किरदार में होंगे। इसकी पटकथा एंड्रयू लुईस ने लिखी है। इसका संगीत इलैयाराजा का है।

'सरके चुनर' गाने के विवाद से नोरा फतेही ने खुद को किया अलग

अश्लील बोल को लेकर कही ये बात

अभिनेत्री नोरा फतेही ने बुधवार को 'सरके चुनर' के अश्लील बोल को लेकर चल रहे विवाद से खुद को अलग कर लिया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह गाना तीन साल पहले कन्नड़ भाषा में शूट किया था। बाकी सभी लोगों की तरह वह भी इसके हिंदी संस्करण को सुनकर हैरान रह गई थीं।

गाने पर क्या बोलीं नोरा फतेही?

'सरके चुनर' गाना अपकमिंग फिल्म 'केडी: द डेविल' का है। दो दिन पहले यह यूट्यूब पर रिलीज हुआ था। अलग बोल की वजह से यह गाना तेजी से वायरल हो गया। कई लोगों ने इस गाने पर आपत्ति जताई। इंस्टाग्राम पर एक वीडियो में नोरा ने कहा कि वह गाने पर मिली आलोचना के लिए शुक्रगुजार हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने पहले ही इस बात की ओर इशारा किया था कि गाने के हिंदी बोल आपत्तिजनक हैं।

दिल्ली में होगा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का आगाज

दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर को किया जाएगा सम्मानित

दिल्ली में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (आईएफएफडी) की शुरुआत 25 से 31 मार्च तक आयोजित होगा। इस फिल्म फेस्टिवल में 100 से ज्यादा देशों से कुल 2,187 एंट्रीज आई हैं। इनमें 1,372 अंतरराष्ट्रीय और 815 भारतीय फीचर और नॉन-फीचर फिल्में शामिल हैं। यह आयोजन दिल्ली के भारत मंडपम में होगा।

सिनेमा के कलाकारों को किया जाएगा सम्मानित

इस फिल्म फेस्टिवल में सिनेमा से जुड़े लोगों और कलाकारों के योगदान को सराहा जाएगा। साथ ही कई कलाकारों को सम्मानित किया जाएगा। दिल्ली में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर को भारतीय सिनेमा में अमूल्य योगदान देने के लिए सम्मानित किया जाएगा।

शर्मिला टैगोर ने भी दिल्ली में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सम्मानित किए जाने की बात पर आभार व्यक्त किया है। वह कहते हैं, 'फिल्म फेस्टिवल ऐसे मंच होते हैं, जहां दुनिया भर के सिनेमा को एक छत के नीचे जगह मिलती है। इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली का हिस्सा बनकर खुश हूं। इस सम्मान के लिए मैं आभारी हूं। मैं इस फेस्टिवल में शामिल होकर अलग-अलग कहानियों को सेलिब्रेट करने के लिए उत्साहित हूं।'

क्या रणवीर सिंह के करियर का री-लॉन्च साबित हुई 'धुरंधर' आए बड़े बदलाव; परिवार का यह सदस्य बना लकी चार्म

फिल्म 'धुरंधर' ने बॉक्स ऑफिस पर जादुई प्रदर्शन किया। यह भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई है। इस फिल्म ने न सिर्फ कलेक्शन के मामले में रिकॉर्ड बनाए हैं, बल्कि रणवीर सिंह के करियर को भी नई दिशा दी है। अगर कहा जाए कि फिल्म 'धुरंधर' उनके करियर का री-लॉन्च साबित हुई है तो शायद गलत नहीं होगा। अब जब इसका दूसरा पार्ट यानी 'धुरंधर 2' रिलीज हो रहा है तो जानते हैं कि फिल्म 'धुरंधर' से पहले और बाद में रणवीर सिंह का करियर कैसा रहा है?

'धुरंधर' की रिलीज से पहले रणवीर का करियर

ऐसा नहीं है कि रणवीर सिंह को फिल्म 'धुरंधर' ने ही पहचान दी है। वे इससे पहले भी चर्चित अभिनेता थे और कई अच्छी फिल्मों में काम कर दर्शकों की तारीफ बटोर चुके हैं। मगर, बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के मामले में उनके नाम कोई बड़ा रिकॉर्ड दर्ज नहीं था। रणवीर सिंह के करियर को इस तरह समझते हैं

रणवीर ने साल 2010 में फिल्म 'बैंड बाजा बारात' से डेब्यू किया था, यह फिल्म औसत रही थी

'धुरंधर' से पहले रणवीर ने 15 साल के करियर में 16 फिल्में कीं। रणवीर के खाते में सात हिट फिल्में थीं। ये फिल्में हैं- 'गोलियों की रासलीला राम-लीला', 'गुंडे', 'बाजीराव मस्तानी', 'पद्मावत', 'सिंबा', 'गली बॉय', 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' हैं।

फिल्म 'धुरंधर' से पहले रणवीर

की सबसे कमाऊ फिल्म 'पद्मावत' थी, जिसने 302.15 करोड़ रुपये का लाइफटाइम कलेक्शन किया।

रणवीर की कुछ फिल्मों ने औसत प्रदर्शन किया, जिनमें- 'बैंड बाजा बारात', 'लेडीज वर्सेज रिक्की बहल', 'दिल धड़कने दो', 'बेफिक्रे' हैं।

रणवीर के खाते में आईं फ्लॉप फिल्मों की बात करें तो इनमें 'लुटेरा', 'किल दिल', '83', 'जयेशभाई जोरदार' और 'सर्कस' शामिल हैं।

'धुरंधर' की रिलीज के बाद रणवीर का करियर

फिल्म 'धुरंधर' ने रणवीर के करियर की बाजी पलटकर रख दी है। यह भारतीय बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म है। 'धुरंधर' ने शाहरुख खान की 'जवान' को पीछे छोड़कर नंबर वन की कुर्सी पर कब्जा किया।

5 दिसंबर, 2025 को रिलीज हुई 'धुरंधर' ने वर्ल्डवाइड 1300 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस किया था। सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक इसका इंडिया नेट कलेक्शन 839.90 करोड़ रुपये है।

कौन बना लकी चार्म?

रणवीर सिंह के करियर में 'धुरंधर' नया मोड़ लेकर आई इसका श्रेय बेशक उनकी मेहनत और अभिनय को जाता है। साथ ही आदित्य धर के निर्देशन में पूरी स्टारकास्ट ने दिनरात एक करके जो काम, वह रंग लेकर आया। मगर, सिर्फ रणवीर के करियर के लिहाज से देखा जाए तो उनकी बेटी दुआ लकी चार्म है। रणवीर और दीपिका पादुकोण ने 8 सितंबर 2024 को बेटी दुआ का स्वागत किया। बिटिया के जन्म के बाद 'धुरंधर' रणवीर की पहली फिल्म है। इस फिल्म ने उनके करियर में एक नई ऊर्जा भर दी है।

फिल्म 'धुरंधर 2' के बारे में

फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' का निर्देशन भी आदित्य धर ने किया है। इसमें रणवीर सिंह के साथ-साथ संजय दत्त, माधवन, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन जैसे सितारे नजर आएंगे। इस फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर काफी उम्मीदें लगाई जा रही हैं। देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म कैसा प्रदर्शन करती है!

तमन्ना भाटिया के मूव्स हुए वायरल 'गफूर' सॉन्ग पर किया जबरदस्त डांस

आर्यन खान की फिल्म 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के गाने 'गफूर' ने रिलीज के बाद से ही काफी सुर्खियां बटोरी थीं। जिसकी वजह है इस गाने में तमन्ना भाटिया का बोल्ड डांस। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें तमन्ना फिर से 'गफूर' गाने पर डांस करती नजर आ रही हैं।

तमन्ना भाटिया का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में तमन्ना ने गुलाबी चमचमाती ड्रेस पहनी हुई है। यह किसी कार्यक्रम के दौरान का वीडियो लग रहा है, क्योंकि तमन्ना स्टेज पर डांस कर रही हैं और उनके पीछे कई जूनियर आर्टिस्ट भी उनके साथ ताल में ताल मिलाते नजर आ रही हैं।

यूजर्स के कमेंट्स

तमन्ना का 'गफूर' गाने पर यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जिस पर यूजर्स लगातार अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ तमन्ना के इस डांस को पसंद कर रहे हैं, तो कुछ यूजर्स उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं।

कई यूजर्स ने लिखा- 'किस किस को ये बिल्कुल पसंद नहीं है'

'इस गाने पर किस किस को फरहाना भट्ट का डांस याद आया' 'मेरी पसंदीदा एक्ट्रेस' 'वाह वाह वाह क्या डांस किया है'

'कितनी खूबसूरत'

तो वहीं कई फैंस ने तमन्ना के इस वीडियो पर फायर और लाल दिल वाले इमोजी भी बनाएं हैं

'वीवन' में नजर आएंगी तमन्ना

फिल्म 'वीवनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' में तमन्ना भाटिया नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ सिद्धार्थ मलहोत्रा भी मुख्य भूमिका में होंगे। इस हॉरर फिल्म की कहानी पुराने जंगलों पर आधारित है। इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। ऐसा पहली बार है जब 'वीवन' में सिद्धार्थ और तमन्ना एक साथ नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन दीपक मिश्रा और अरुणाभ कुमार कर रहे हैं। फिल्म के निर्माता शोभा कपूर, एकता आर कपूर और अरुणाभ कुमार मिलकर कर रहे हैं। यह फिल्म 15 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

राज्यसभा में दिग्विजय का विदाई भाषण, अटल जी की पंक्तियां दोहराईं

बोले– न मैं टायर्ड हूं न रिटायर्ड हूं आगे चलकर और काम करेंगे

दिल्ली/भोपाल, 18 मार्च (एजेंसियां)। अगले तीन महीनों (अप्रैल से जुलाई के बीच) में राज्यसभा से रिटायर हो रहे 59 सांसदों को आज राज्यसभा में विदाई दी गई। इस दौरान एमपी से कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने भी विदाई भाषण दिया।

दिग्विजय सिंह ने राज्यसभा में कहा मैंने अपने राजनीतिक जीवन में अपना रास्ता खुद तय किया है। मैं कांग्रेस पार्टी का आभारी हूं जिन्होंने मुझे हर सदन में आने का मौका दिया।

आज इस अवसर पर अटल जी की वो बात याद आती है कि मैं न टायर्ड हूं न रिटायर्ड हूं। आगे चलकर हम और काम करेंगे। मैं उन सदस्यों के प्रति आभार प्रकट करता हूं जिन लोगों ने मेरे लिए अच्छे शब्दों का प्रयोग किया।

भाषण के अंत में बोले- न काहू से दोस्ती न काहू से बैर

दिग्विजय अपने विदाई भाषण में करीब 5 मिनट बोले। अपने भाषण के अंत में उन्होंने कबीरदास जी की पंक्तियां दोहराईं। दिग्विजय ने कहा मैं

अपने राजनीतिक जीवन में जैसा कबीरदास जी कह गए थे उन पंक्तियों पर चलता हूं।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि लोगों को इस बात का आश्चर्य होगा कि छात्र जीवन में मेरा राजनीति से कोई संपर्क और संबंध नहीं था। कुछ परिस्थितियां इस प्रकार की बनीं कि मैं 22 साल की उम्र में सर्वसम्मति से नगर पालिका अध्यक्ष बन गया।

30 साल की उम्र में विधायक और 33 साल की उम्र में मंत्री बन गया, सांसद बन गया और 46 साल की उम्र में मुख्यमंत्री बन गया, लेकिन मैं हमेशा अपनी विचारधारा के मार्ग पर चला। कभी विचारधारा के साथ समझौता नहीं किया। दिग्विजय ने कहा- मैंने अपने राजनीतिक जीवन में कभी किसी से कटुता नहीं पाली। मतभेद होते थे विचारधारा में मतभेद होंगे, लेकिन मनभेद होने का मैंने कभी मौका नहीं दिया। हो सकता है कि मेरे भाषण में कई बार कटुता आई हो किसी को बुरा लगा हो उसके लिए मैं क्षमा प्रार्थी हूं।

दिग्विजय ने कहा- मैं इतना कह सकता हूं कि चाहे मप्र की विधानसभा में हो लोकसभा में हो चाहे यहां राज्यसभा में हो। मेरे संबंध उन लोगों के साथ भी बहुत अच्छे रहे हैं जिनकी विचारधारा से मैं कभी सहमत न था न हूं और न रहूंगा। जहां तक कॉमरेड्स का सवाल है। उनके कार्यसंचालन में कोई बात हो सकती है, लेकिन इनकी गरीबों के पक्ष में जो विचारधारा रहती है मैंने उसका हमेशा समर्थन किया है।

अटल जी, राजीव गांधी के साथ लोकसभा में रहा

मेरा सौभाग्य है कि मैं उस लोकसभा में भी रहा जिसमें अटल जी, राजीव जी, चंद्रशेखर जी भी थे। इंदिरा जी ने मुझे कांग्रेस में प्रवेश दिया। इन लोगों से प्रभावित होकर मैंने अपना राजनीतिक सफर पूरा किया है।

सदन में जो डिस्टर्बेंस होते हैं मैं कभी भी उसके पक्ष में नहीं रहा। लोकतंत्र की बुनियाद है चर्चा और सदन में ये सत्तापक्ष की जवाबदारी होती है कि वो विपक्ष के साथ चर्चा होने के बाद और कोई रास्ता निकालें। इस सदन में हमारे अंसारी साहब भी चेयरमैन रहे हैं। उन्होंने कोई भी बिल दिन में पास होने का मौका नहीं दिया। रास्ता निकलता है यही लोकतंत्र की बुनियाद है जिसमें आज कमी देखने को मिलती है।

आज इस देश में जिस प्रकार से साम्प्रदायिक कटुता, मनमुटाव बढ़ता जा रहा है ये देश के लिए उचित नहीं हैं।

न हमारे संस्कार और संस्कृति न लोकतंत्र और भारतीय संविधान के लिए उचित है।

रेवड़ी बाजार में भीषण आग, 30 से ज्यादा दुकानें खाक

अहमदाबाद, 18 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदबाद में बुधवार को कालूपुर के पंचकुवा रेवड़ी बाजार इलाके में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आगे से 30 से ज्यादा दुकानें खाक हो गईं। आग इतनी भीषण थी कि फायर ब्रिगेड की 25 गाड़ियां लगानी पड़ीं। मार्केट में कपड़ों समेत अलग-अलग सामान की 50 से ज्यादा दुकानें हैं। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। अब तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

बदला लेने के लिए भाजपा नेता की हत्या हुई थी

सीसीटीवी से पकड़े गए हत्यारोपी भतीजे ने मारपीट की थी

गोरखपुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। गोरखपुर में मॉर्निंग वॉक पर निकले भाजपा नेता राजकुमार चौहान की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। एसएसपी डॉ. कौस्तुभ के अनुसार, दो डंपर चालकों ने वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि दो महीने पहले भाजपा नेता के भतीजे ने उनके साथ मारपीट की थी। उस वक्त भाजपा नेता ने भतीजे का पक्ष लिया था। भतीजा उनके दम पर रौब गांठता था, इसलिए बदला लेने के लिए वारदात को अंजाम दिया।

उन्होंने बताया- आरोपियों को पता था कि भाजपा नेता रोज सुबह टहलने निकलते हैं। योजना के तहत दोनों पेड़ के पीछे छिप गए।

भाजपा नेता राजकुमार चौहान

राजकुमार को अकेला देखकर पहले फायर किया, लेकिन वह बच गए। जब वह भागने लगे तो दोनों ने पीछा कर चाकू से गोदकर हत्या कर दी। घटना के बाद पुलिस ने 8 सीसीटीवी कैमरे खंगाले। इनमें दो संदिग्ध दिखे। हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो दोनों ने जुर्म कबूल कर लिया।

मंगलवार सुबह साढ़े 5 बजे चिलुआताल में वारदात हुई थी। इस मामले में पुलिस ने 8 नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। वारदात के करीब 13 घंटे बाद डीएम दीपक मीणा और एसएसपी डॉ.कौस्तुभ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर घटना का खुलासा किया।

उन्होंने बताया कि आरोपी राज चौहान उर्फ निरहुआ और विपिन यादव बरगदवा के रहने वाले हैं। इनकी भाजपा नेता के भतीजे नितेश से 4 महीने से रंजिश चल रही थी। पुलिस ने 7 लोगों को हिरासत में लिया है। इनकी भी भूमिका की जांच जा रही।

नेपाल में गर्लफ्रेंड के लिए बंगला बनवा रहा था इंजीनियर

दार्जिलिंग में चाय बागान खरीदी, ईओयू की रेड में 100 करोड़ की प्रॉपर्टी का खुलासा

मधुबनी, 18 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में बिजली विभाग के एग्जक्यूटिव इंजीनियर मनोज कुमार रजक के 7 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई। ईओयू की 6 टीम ने मधुबनी, दरभंगा, सुपौल (निर्मली और करजाइन) और पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में एक साथ धावा बोला।

8 घंटे तक चली कार्रवाई में इंजीनियर के ठिकानों से अकूत संपत्ति के दस्तावेज मिले। मनोज कुमार रजक नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के एग्जक्यूटिव इंजीनियर हैं। 17 साल की अपनी सेवा में 100 करोड़ की संपत्ति बनाई है।

मनोज ने 2009 में बिजली कंपनी में असिस्टेंट इंजीनियर के रूप में जॉइन किया था। वह पिछले दो सालों से मधुबनी के जयनगर में पोस्टेड थे। मनोज ने अपने भाई के नाम पर सुपौल में

गैस एजेंसी और पत्नी वीणा के नाम पर दरभंगा-बिरौल पथ पर पेट्रोल पंप के लिए लीज पर जमीन ली है।

ईओयू की टीम जब बिजली विभाग के एग्जक्यूटिव इंजीनियर के ठिकानों पर छापेमारी करने पहुंची तो उसकी पत्नी ने टीम से कहा कि उनके पति आशिक मिजाज हैं। एग्जक्यूटिव इंजीनियर अपनी महिला मित्र के लिए नेपाल में आलीशान घर बनवा रहा था।

जांच टीम जमीन से जुड़े दस्तावेजों और बैंक ट्रांजेक्शन की गहन पड़ताल कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि आय से अधिक संपत्ति का आंकड़ा और बढ़ सकता है।

जांच में सामने आया है कि मनोज ने सुपौल जिले के करजाइन गांव में तीन भवन और एक गोदाम बनवा रखा है। इसके अलावा निर्मली में एक गोदाम तथा दरभंगा में एक आलीशान आवासीय मकान भी मिला है।

पत्नी वीणाश्री के नाम पर दरभंगा के बिरौल क्षेत्र में एचपीसीएल का पेट्रोल पंप खोलने के लिए जमीन लीज पर ली गई थी।जांच एजेंसियों को यह भी जानकारी मिली है कि मनोज ने पत्नी के रहते हुए एक रिश्तेदार से शादी कर ली थी।

इस महिला के रहने के लिए उसके ही नाम पर मनोज नेपाल के हरिपुर जिला के सुनसारी में आलीशान मकान बनवा रहा है। इस मकान को बनाने के लिए मनोज मजदूर और मिस्त्री पैतृक गांव से भेजता था।

यूजीसी के समर्थन में प्रदर्शन- पुलिस ने लाठियां बरसाईं

प्रदर्शनकारी बोले- कॉलेजों में अपमान नहीं सहेंगे, वज्र वाहन में बैठाकर ले गई पुलिस

पटना, 18 मार्च (एजेंसियां)। पटना में यूजीसी के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने बुधवार को लाठियां बरसाईं। प्रदर्शनकारी यूजीसी रेगुलेशन लागू करने और एससी-एसटी, ईबीसी-बीसी वर्गों के लिए 65% आरक्षण की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। छात्र सुबह गांधी मैदान के गेट नंबर 10 के पास छात्र जुटे थे। यहां से प्रदर्शनकारी राजभवन के लिए निकले, लेकिन पुलिस ने जेपी गोलंबर के पास रोक दिया, जिसके बाद प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग तोड़ते हुए आगे बढ़ गए।

डाकबंगला में भी पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोकने की कोशिश की तो प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग पर ही चढ़ गए। कुछ लोग सड़क पर बैठकर सरकार के खिलाफ

नारेबाजी करने लगे। इस दौरान पुलिस से हल्की नोकझोंक भी हुई।

प्रदर्शन में शामिल छात्रों का कहना है कि कॉलेजों में अब अपमान नहीं सहेंगे। वहीं, एक प्रदर्शनकारी ने कहा, 'हम अपने बच्चों का भविष्य खराब होता नहीं देख सकते। इसलिए यूजीसी के नए नियम लागू करने के लिए सड़कों पर उतरे हैं।'

प्रोटेस्ट में छात्र संगठन एआईएसए, भीम सेना शामिल हैं। इनके सपोर्ट में माले नेता दिव्या गौतम और पार्टी कार्यकर्ता भी प्रोटेस्ट में शामिल हैं।

गुजरात में 2 साल पहले हुई इंटर-कास्ट मैरिज पर बवाल

थराद, 18 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात की थराद तहसील में करीब 2 साल पहले हुई एक इंटर कास्ट मैरिज को लेकर बवाल मचा हुआ है। इस मामले में चौधरी और रबारी समुदाय के लोग आमने सामने हैं। इसी मामले को लेकर बुधवार को थराद में चौधरी समुदाय का महासम्मेलन हुआ। इसमें उत्तर गुजरात और राजस्थान के अंजना चौधरी समुदाय के नेताओं समेत बड़ी संख्या में लोग जमा हुए थे।

सम्मेलन के बाद, चौधरी समुदाय के हजारों लोगों की भीड़ अपने समुदाय की बेटी की घर-वापसी की मांग करते हुए ओगड़ के ऊण गांव जा पहुंची। भीड़ ने गांव का घेराव कर गाड़ियों में जमकर तोड़फोड़ की।

सूचना मिलते ही डीएसपी समेत बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। इस दौरान नेशनल हाईवे भी कुछ देर के लिए जाम हो गया था।

हरियाणा कांग्रेस ने क्रॉस वोटिंग वाले विधायकों के नाम बताए

चंडीगढ़, 18 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा कांग्रेस ने बुधवार को राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले 4 विधायकों के नाम सार्वजनिक कर दिए। दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रभारी बीके हरिप्रसाद ने बताया कि नारायणगढ़ से शैली चौधरी, पुन्हाना से मोहम्मद इलियास, हथीन से मोहम्मद इसराइल और सढ़ौरा विधायक रेनू बाला ने क्रॉस वोटिंग की थी।

उन्होंने आगे कहा- "पार्टी की डिसिप्लिनरी कमेटी के अध्यक्ष धर्मपाल मलिक को इसकी जानकारी दे दी है। आज इन सभी विधायकों को कारण बताओ नोटिस भेजा जाएगा।" रिजल्ट के बाद सामने आया था कि 5 विधायकों की तरफ से क्रॉस वोटिंग की गई थी। हालांकि, कांग्रेस ने 4 ही नाम बताए।

कुल्हाड़ी से दोनों पत्नियों को काटा

जींद, 18 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के जींद में एक व्यक्ति ने मामूली बहस पर अपनी दो पत्नियों पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इस हमले में उसकी पहली पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया। जबकि पति फरार है। दरअसल, पहली पत्नी से बच्चा न होने पर व्यक्ति हर रोज झगड़ा करता था। बीते दिन भी ऐसा हुआ, जिसके बाद पत्नी ने भी नाराजगी जाहिर की। इसके बाद पति ने सीधा कुल्हाड़ी से गर्दन और छाती पर हमला कर दिया। पत्नी की मौके पर मौत हो गई। बीच बचाव करने आई दूसरी पत्नी पर भी उसने हमला कर दिया, जिससे वो बुरी तरह घायल हो गई। मौके पर पहुंचे चौकी इंचार्ज दिलबाग सिंह ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी एक व्यक्ति ने अपनी दोनों पत्नियों पर तेज धारदार हथियार से हमला किया है।

सिख लड़की को मुस्लिम बनाने के 10 हजार पाउंड

युवती का दावा– यूके में पाकिस्तानी ग्रूमिंग गैंग एक्टिव, कौर–टू–खान मूवमेंट चल रहा

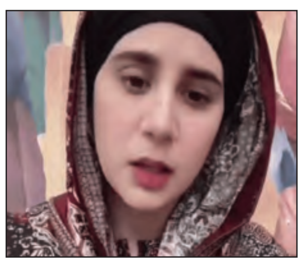

लुधियाना, 18 मार्च (एजेंसियां)। ब्रिटेन में कौर-टू-खान मूवमेंट चल रहा है। सिख लड़कियों को फंसाकर उन्हें मुसलमान बनाया जा रहा है। इसके लिए यूके में पाकिस्तानी ग्रूमिंग गैंग सक्रिय है। इंग्लैंड में रहने वाले पंजाबी नवदीप सिंह ने एक युवती का वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें युवती ये सभी दावे कर रही है। हालांकि, उस युवती के दावों की पुष्टि नहीं करता।

युवती ने वीडियो में दावा किया कि यूके में ग्रूमिंग गैंग को कौर (सिख लड़की) से खान (मुस्लिम) बनाने पर 10 हजार पाउंड दिए जा रहे हैं। युवती का कहना है कि पाकिस्तानी मूल की ग्रूमिंग गैंग सोची-समझी साजिश के तहत गैर-मुस्लिम लड़कियों, खासकर सिख लड़कियों को निशाना बना रहे हैं।

युवती ने ग्रूमिंग गैंग की स्ट्रेटजी का भी खुलासा किया। उसका कहना है कि ग्रूमिंग गैंग पहले लड़कियों को टारगेट कर उनसे इमोशनली अटैच होते हैं, फिर उन्हें महंगी गाड़ियों व रेस्टोरेंट्स में घुमाते हैं और जब लड़की उनके जाल में फंस जाती है तो उसका धर्म परिवर्तन करा देते हैं।

युवती का दावा है कि अलग-अलग धर्म की लड़कियों को फंसाने के रेट भी अलग हैं। सिख लड़की को फंसाकर मुस्लिम बनाने पर युवक को 10,000 पाउंड (करीब 11 लाख रुपये) मिलते हैं।

वहीं, हिंदू या ईसाई लड़की के धर्म परिवर्तन कराने पर 5,000 पाउंड (करीब साढ़े 5 लाख रुपये) का इनाम दिया जाता है।

भारत में रोज ईवी से जुड़े 25 हादसे

तीन साल में इलेक्ट्रिक वाहनों में आग लगने की कितनी घटनाएं

इंदौर, 18 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर में बुधवार अल-सुबह जबरदस्त हादसा हुआ। यहां बंगाली चौराहे के पास स्थित एक कॉलोनी में मकान के बाहर खड़ी इलेक्ट्रिक कार में चार्जिंग के दौरान आग लग गई। यह आग देखते ही देखते इतनी बड़ी हो गई कि तीन मंजिल का पूरा मकान इसकी चपेट में आ गया। इस हादसे में आठ लोगों की जलकर मौत हो गई। वहीं, तीन लोगों को बचाया गया, जिनकी स्थिति गंभीर है।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की सुरक्षा को लेकर सवाल पूछे जा रहे हैं। दरअसल, यह ईवी से जुड़ा कोई पहला हादसा नहीं है, बल्कि समय-समय पर इलेक्ट्रिक कारों, दोपहिया वाहनों में आग लगने की घटनाएं सामने आती रही हैं। इन घटनाओं में पहले भी जान गई हैं।

ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) में आग लगने की घटनाओं का आंकड़ा क्या है? ईवी आमतौर पर इतनी आसानी से आग क्यों पकड़ लेते हैं? इसके अलावा मौसम के बदलाव और तापमान का ईवी की आग से क्या संबंध है? क्या सरकार की तरफ से ईवी हादसों की जांच और आगे हादसे रोकने से जुड़े दिशा-निर्देश भी बनाए गए हैं?

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) के इलेक्ट्रॉनिक डिटेल एक्सीडेंट रिपोर्ट (eDAR) पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों यानी 2023 से 2025 में देश भर में इलेक्ट्रिक वाहनों से जुड़ी कुल 23,865 दुर्घटनाएं दर्ज

की गई हैं। इन कुल दुर्घटनाओं में से इलेक्ट्रिक वाहनों में आग लगने की महज 26 घटनाएं दर्ज हुई हैं।

इन आंकड़ों के मुताबिक, भारत में हर दिन ईवी से जुड़ी औसतन करीब 25 दुर्घटनाएं दर्ज होती हैं। वहीं, आग लगने की घटनाओं के औसतन महज तीन केस ही दर्ज हुए हैं। इसके अलावा, कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2026 में भी इलेक्ट्रिक वाहनों में आग लगने की घटनाएं दर्ज हुई हैं। इनमें फरवरी में यूपी के हापुड़ में एक ईवी में आग लगने की घटना सामने आई थी, जिसमें कंपनी ने बैटरी की खराबी से इनकार किया था। इसी तरह जनवरी में गाजियाबाद में एक ईवी में आग लगने की घटना प्रमुख थी। चौंकाने वाली बात यह है कि इस घटना में ईवी में आग चार्जिंग पॉइंट में शॉर्ट सर्किट के बाद लगी थी। इसके अलावा 2025 में दिल्ली के शहादरा में ई-व्हीकल के चार्जिंग पॉइंट में आग लगने से कई ई-रिक्शा जल गए थे। ऐसी ही कुछ घटनाएं लगभग हर वर्ष देखी जाती रही हैं। खास बात यह है कि ईवी में आग की अधिकतर घटनाएं इनके चार्जिंग में लगे होने के दौरान हुईं। इन चार-पहिया वाहनों से लेकर दो-पहिया तक के जलने की घटनाएं शामिल हैं।

क्यों इलेक्ट्रिक वाहनों में अचानक लग जाती है आग?

मौजूदा समय में इलेक्ट्रिक वाहनों में आधुनिक बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम (बीएमएस) होता है, जो कार के फुल चार्ज होने पर ऑटोमैटिक रूप से पावर सप्लाई को काट देता है, इसलिए तकनीकी रूप से इन्हें सुरक्षित माना जाता है। इसके बावजूद अचानक आग लगने की घटनाएं सामने आती हैं। इसकी एक वजह बैटरी की खराब क्वालिटी या चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर की खराबी हो सकता है।

क्या गर्मी से लग सकती है ईवी में आग?

अक्सर लोग मानते हैं कि गर्मियों के अधिक तापमान के कारण ईवी में आग लगती है, लेकिन विशेषज्ञ इसे एक गलतफहमी मानते हैं। असल में, 99% बैटरी की आग शॉर्ट सर्किट के कारण होती है। शॉर्ट सर्किट से अनियंत्रित करंट बहता है और बैटरी के सेल का तापमान 100°C से ऊपर चला जाता है। इस स्थिति को 'थर्मल रनअवे' कहते हैं। इस स्थिति में बैटरी अपने आप और ज्यादा गर्म होने लगती है और आग बेकाबू हो जाती है, जिससे धमाके और जहरीली गैसें निकल सकती हैं।

क्या बैटरी की खराबी हो सकती है वजह?

बैटरी में शॉर्ट सर्किट होने की एक अहम वजह सेल क्वालिटी का खराब होना, बैटरी का कमजोर डिजाइन और खराब बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम हो सकता है, जहां सॉफ्टवेयर सही तरीके से बैटरी सेल्स को मैनेज नहीं कर पाता। विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि कुछ निर्माता उत्पादों के डिजाइन पर पर्याप्त समय नहीं दे रहे हैं।

क्या हो सकती हैं, ईवी में आग लगने की वजह?

ईवी मालिक अनजाने में कुछ ऐसी गलतियां करते हैं जो बड़े हादसों का कारण बनती हैं। कई बार वे साधारण एक्सटेंशन कॉर्ड का इस्तेमाल करते हैं जो लगातार 15 एम्पियर (15A) या उससे ज्यादा का भारी लोड नहीं झेल पाते और पिघल जाते हैं। इसके अलावा बिना प्रॉपर अर्थिंग वाले सॉकेट का इस्तेमाल करने से शॉर्ट सर्किट का करंट सीधे कार या चार्जर को नुकसान पहुंचा सकता है, जो कि आग का कारण बनता है। जानकारों के मुताबिक, अगर प्लग सॉकेट में ढीला रहता है तो वहां स्पार्किंग होती है, जो धीरे-धीरे प्लग को जला देती है। इसके अलावा वाहन निर्माता कंपनियों की ओर से दिए गए चार्जर की जगह सस्ते और लोकल चार्जर का इस्तेमाल करना भी आग लगने का एक बड़ा कारण है।

दुनियाभर में ईवी में आग लगने की एक बड़ी वजह यह भी रही है कि लंबे समय तक चलने के तुरंत बाद बैटरी के सेल गर्म रहते हैं। ऐसे में बिना बैटरी को ठंडा होने का समय दिए उसे तुरंत चार्जिंग पर लगा देना जोखिम भरा हो सकता है और आग की वजह बन सकता है। इंदौर की घटना में चार्जिंग पॉइंट में शॉर्ट सर्किट को ईवी में आग लगने का कारण माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, शॉर्ट सर्किट से पैदा हुई चिंगारी ईवी तक पहुंच गई और इससे इलेक्ट्रिक कार जल उठी। आइबेरिया में अलायंज कमर्शियल के अधिकारी राफेल रिओबो के मुताबिक, किसी ईवी के जीवन में सबसे ज्यादा जोखिम भरा समय उसकी ड्राइविंग नहीं, बल्कि चार्जिंग का समय होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 90 प्रतिशत मामलों में आग कार की बैटरी से नहीं, बल्कि दीवार के सॉकेट, पुरानी वायरिंग या खराब एक्सटेंशन कॉर्ड से शुरू होती है। लगातार कई घंटों तक हाई-वोल्टेज करंट बहने की वजह से घर के कमजोर तार गर्म होकर पिघल जाते हैं, जो शॉर्ट सर्किट का बड़ा कारण बनता है। गाजियाबाद में हुए एक हादसे में भी आग कार की बैटरी से नहीं, बल्कि चार्जिंग पॉइंट में हुए इलेक्ट्रिकल फॉल्ट के कारण लगी थी।

रालोद का दामन थामेंगे केसी त्यागी?

सियासी दोस्ती के बाद भी टेंशन में बीजेपी, मेरठ की इस सीट पर निगाहें

मेरठ, 18 मार्च (एजेंसियां)। वेस्ट यूपी के बड़े सियासी चेहरे पूर्व सांसद केसी त्यागी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) को अलविदा कहने के बाद जल्द राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) का दामन थाम सकते हैं? रालोद और केसी त्यागी के करीबियों की माने को 22 मार्च को दिल्ली में केसी त्यागी अपने नए सियासी सफर का आगाज कर सकते हैं। इस दिन उन्होंने मावलंकर हॉल में समर्थकों और शुभचिंतकों की एक बैठक बुलाई है।

हालांकि, केसी त्यागी की एंट्री भले ही रालोद में हों, लेकिन वेस्ट यूपी में इस नए राजनीतिक समीकरण से रालोद और बीजेपी का गठबंधन होने के बाद भी टेंशन भगवा खेमे में दिखाई देने लगी है। जेडीयू के नेता और पूर्व

सांसद केसी त्यागी ऐलान कर चुके हैं कि वह यूपी में 2027 के विधानसभा चुनावों के पहले एक नई सियासी पारी शुरू करेंगे।

केसी त्यागी का कहना है कि अब यूपी की राजनीति में सक्रिय होने की कोशिश है। अभी नई पार्टी में जाने की बात है। 22 मार्च को दिल्ली में साथियों की बैठक बुलाई है। वही तय करेंगे कि किस पार्टी में जाना है। मैं उसी दल को चुनूंगा, जो चौधरी चरण सिंह, डॉक्टर लोहिया और कर्पूरी ठाकुर के विचारों के करीब होगा। सियासी जानकार, त्यागी के करीबी और रालोद के सूत्र बता रहे हैं कि उनका अगला सियासी ठिकाना रालोद होगा। वह जयंत चौधरी के साथ मिलकर काम करेंगे।

दरअसल, जयंत चौधरी कई बार सार्वजनिक तौर पर केसी त्यागी की तारीफ कर चुके हैं। वैसे भी त्यागी चौधरी परिवार की तीनों पीढ़ी के करीबी माने जाते रहे हैं। चौधरी चरण सिंह के अनुयायी रहे और साथ काम किया।

अजित सिंह के साथ सियासी पारी आगे बढ़ाई। चौधरी जयंत के साथ कई बार मंच साझा किया। दरअसल, सियासी जानकारों की माने तो केसी त्यागी अब अपने बेटे को सियासत में स्थापित करने के लिए रणनीति बना सकते हैं।

चांदी तीन दिन में 18,138 रुपये सस्ती 2.50 लाख रुपये पर आई

सोना 2,685 रुपये गिरकर 1.56 लाख रुपये पर आया

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, एक किलो चांदी की कीमत 2,177 रुपए घटकर 2.50 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले मंगलवार को इसकी कीमत 2.52 लाख रुपए किलो थी।

वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 143 रुपए गिरकर 1.55 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले 17 मार्च को सोना 1.56 लाख रुपए प्रति 10g था। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना तीन दिन में 4,778 और चांदी 18,138 सस्ती हुई है।

एटीएम और बैंकों में चेहरा पहचानने वाली तकनीक लगाने की तैयारी में आरबीआई

धोखाधड़ी पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों से एटीएम, बैंक काउंटरों और ब्रांच में चेहरा पहचानने वाली तकनीक या अन्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सिस्टम लगाने पर उनके सुझाव मांगे हैं। यह तकनीक खासकर उन इलाकों में लगाई जाएगी जहां फ्रॉड के मामले ज्यादा आते हैं। मामले से जुड़े लोगों ने इकनॉमिक टाइम्स को बताया कि अगर यह तकनीक लागू होती है तो इससे सुरक्षा का एक अतिरिक्त घेरा तैयार होगा और जोखिम वाले इलाकों में बैंकिंग कामकाज को सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी। एक अधिकारी ने बताया कि बैंकों से सुझाव और काम में आने वाली चुनौतियों के बारे में पूछा गया है।

इस महीने देना है जवाब

इस बारे में अंतिम फैसला पब्लिक सेक्टर और प्राइवेट दोनों बैंकों की क्षमता को देखने के बाद लिया जाएगा। बैंकों को इस महीने के अंत तक अपना जवाब भेजना है। इसी महीने आरबीआई ने ऑनलाइन और कार्ड से होने वाली धोखाधड़ी से ग्राहकों को बचाने के लिए ड्राफ्ट गाइडलाइन्स जारी की थीं। इसमें मुआवजे का भी प्रावधान है।

बैंक बोले-कई चुनौतियां भी

एक बैंक एग्जीक्यूटिव ने कहा कि इस सिस्टम से धोखाधड़ी को तुरंत पकड़ने और रोकने में मदद मिलेगी, लेकिन इसे बड़े पैमाने पर लागू करने में कुछ चुनौतियां भी है। सबसे बड़ी चुनौती नए बायोमेट्रिक सेटअप को लगाने में आने वाला खर्च है। उन्होंने कहा कि हमें यह देखना होगा कि क्या सभी बैंक हार्डवेयर अपडेट (जैसे नए कैमरे लगाना) और एटीएम स्विच या कोर बैंकिंग सिस्टम के साथ इस नई तकनीक को जोड़ने के लिए तैयार है।

ऑनलाइन बैंकिंग और डिजिटल ट्रांजेक्शन के दौर में बढ़ते फ्रॉड को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने ग्राहकों की सुरक्षा के लिए बड़ा कदम उठाया है। रिजर्व बैंक की ड्राफ्ट गाइडलाइन्स के अनुसार अब डिजिटल धोखाधड़ी के शिकार हुए लोगों को उनके नुकसान की भरपाई मिल सकेगी। नए नियमों के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति 50,000 रुपये तक की बैंकिंग धोखाधड़ी का शिकार होता है, तो उसे उसके कुल नुकसान का 85% हिस्सा या अधिकतम 25,000 रुपये (जो भी कम हो) मुआवजे के रूप में दिए जाएंगे।

फ्लाइट में 60% सीटों पर एडिशनल चार्ज खत्म

सरकार का आदेश-घरेलू उड़ानों में एक ही पीएनआर वाले यात्रियों को एक साथ सीट देनी होंगी

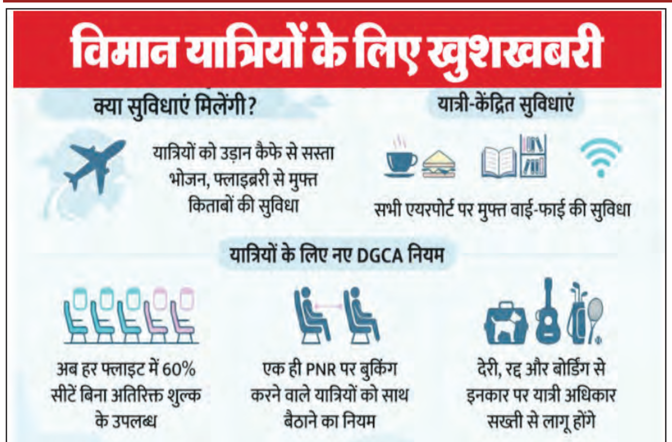

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। भारत में हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने सभी एयरलाइनों को निर्देश दिया है कि हर उड़ान में कम से कम 60 प्रतिशत सीटें बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के उपलब्ध कराई जाएं। इसका उद्देश्य यात्रियों को निष्पक्ष और सस्ती सीट चयन सुविधा देना है।

मंत्रालय की ओर से जारी प्रेस रिलीज के अनुसार, अब तक केवल सीमित सीटें ही मुफ्त में दी जाती थीं, जबकि बाकी सीटों के लिए यात्रियों से अतिरिक्त शुल्क लिया जाता था। नए निर्देश के लागू होने के बाद अधिकतर यात्रियों को बिना अतिरिक्त खर्च के सीट चुनने का विकल्प मिलेगा।

क्या कहते हैं आंकड़े?

भारत का घरेलू विमानन बाजार तेजी से विस्तार करते हुए अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बाजार बन गया है। क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना 'उड़ान' के चलते हवाई यात्रा पहले के मुकाबले अधिक सुलभ और समावेशी हुई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, देश के हवाई अड्डे अब रोजाना पांच लाख से अधिक यात्रियों को संभाल रहे हैं, जो इस क्षेत्र में तेज वृद्धि और बढ़ती मांग को दर्शाता है।

सस्ती दरों पर भोजन और मुफ्त किताबों की सुविधा

सरकार ने यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए अन्य कई पहल भी शुरू की हैं। इनमें उड़ान यात्री कैफे के जरिए सस्ती दरों पर भोजन उपलब्ध कराना, फ्लाइब्रेरी के तहत मुफ्त किताबें पढ़ने की सुविधा देना और देशभर के हवाई अड्डों पर मुफ्त वाई-फाई की व्यवस्था शामिल है।

एक ही पीएनआर पर यात्रा करने वालों को साथ बैठाने का निर्देश

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि अगर यात्रियों ने एक ही पीएनआर के तहत टिकट बुक किया है, तो उन्हें साथ बैठाया जाएगा। मंत्रालय ने कहा है कि ऐसे यात्रियों को पास-पास सीट देना प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि परिवार या समूह को अलग-अलग बैठने की समस्या न हो।

एयरलाइनों के लिए नए नियम भी लागू

सरकार ने यात्रियों की सुविधा और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए कुछ और अहम निर्देश जारी किए हैं

- खेल उपकरण और संगीत वाद्ययंत्र ले जाने के लिए स्पष्ट और यात्री-अनुकूल नियम बनाए जाएं।
- पालतू जानवरों को ले जाने की नीति सार्वजनिक और साफ हो।
- उड़ानों में देरी, रद्दीकरण या बोर्डिंग से इनकार की स्थिति में यात्री अधिकारों का सख्ती से पालन हो।
- एयरलाइन की वेबसाइट, मोबाइल ऐप और एयरपोर्ट काउंटर पर यात्री अधिकार स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किए जाएं।
- क्षेत्रीय भाषाओं में भी यात्रियों को उनके अधिकारों की जानकारी दी जाए।
- सरकार का कहना है कि इन कदमों से हवाई यात्रा को अधिक पारदर्शी, सुविधाजनक और यात्रियों के अनुकूल बनाया जा सकेगा।

देश में 1.1 करोड़ स्नातक बेरोजगार

40 फीसदी युवाओं को नहीं मिल रही नौकरी; रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। देश में 20 से 29 साल के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार हैं। चिंता की बात यह है कि बेरोजगार के रूप में पंजीकरण कराने के एक वर्ष के भीतर सिर्फ सात फीसदी स्नातकों को स्थायी वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। हाल के वर्षों में स्नातकों की बढ़ती संख्या के कारण यह समस्या और बढ़ गई है। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की ओर से जारी रिपोर्ट 'भारत में कामकाज की स्थिति-2026' के मुताबिक, देश में युवाओं (15-29 वर्ष) की उच्च शिक्षा तक पहुंच में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हालांकि, रोजगार से जुड़ी चुनौतियां अब भी कायम हैं। स्नातकों में बेरोजगारी दर उच्च बनी हुई है।

15 से 25 वर्ष के स्नातकों में बेरोजगारी दर करीब 40 फीसदी और 25 से 29 वर्ष की आयु वर्ग में 20 फीसदी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्नातक युवाओं को आय के मामले में लाभ मिलता है और उनकी शुरुआती कमाई गैर-स्नातकों के मुकाबले लगभग दोगुनी होती है। इसके बावजूद 2011 के बाद युवा पुरुष स्नातकों के वेतन में वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ी है। रिपोर्ट की मुख्य लेखिका प्रोफेसर रोजा अब्राहम ने कहा, यह अध्ययन शिक्षा से रोजगार तक युवाओं की यात्रा और उसमें आए बदलावों को दर्शाता है। पिछले चार दशक में उच्च शिक्षा में नामांकन दर 28 फीसदी तक पहुंच गई है, जिसमें महिलाओं की भागीदारी खासतौर पर बढ़ी है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन	मे	मीन....	06-11 बजे
चंद्र	मीन	मे	मेष.....	07-48 बजे
मंगल	कुंभ	मे	वृष....	09-32 बजे
बुध	कुंभ	मे	मिथुन..	11-33 बजे
गुरु	मिथुन	मे	कर्क...	13-45 बजे
शुक्र	मीन	मे	सिंह---	15-57 बजे
शनि	मीन	मे	कन्या--	18-04 बजे
राहु	कुंभ	मे	तुला----	20-09 बजे
केतु	सिंह	मे	वृश्चिक...	22-19 बजे
			धनु.....	00-32 बजे
			मकर...	02-39 बजे
			कुंभ....	04-29 बजे

श्री रौद्र नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /दक्षिण , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
सूर्योदय **06-25**
सूर्यास्त. **18 -23**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885126**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास -चैत्र कृष्ण पक्ष गुरुवार **19 March 2026**
तिथि - अमावस्या **06-52** तक (प्रतिपदा क्षय) उपरान्त द्वितीया
नक्षत्र - उभाद्रपद **04-04** रात तक उप रेवती
योग - शुक्ल **01-16** तक उप ब्रह्म
करण - नाग **06-52** तक उप किस्तुघ्न

नवरात्रि

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-54 से 15-25 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
शुभ 06-25 - 07-53 शुभ	अमृत 18-23 - 19-55 शुभ
रोग 07-53 - 09-23 अशुभ	चंचल 19-55 - 21-25 शुभ
उत्पात 09-23 - 10-54 अशुभ	रोग 20-25 - 22-54 अशुभ
चंचल 10-54 - 12-24 शुभ	काल 22-54 - 00-24 अशुभ
लाभ 12-24 - 13-54 शुभ	लाभ 00-24 - 01-53 शुभ
अमृत 13-54 - 15-25 शुभ	उत्पात 01-53 - 03-23 अशुभ
काल 15-25 - 16-55 अशुभ	शुभ. 03-23 - 04-52 शुभ
शुभ 16-55 - 18-23 शुभ	अमृत 04-52 - 06-25 शुभ

सेंसेक्स में 633 अंक चढ़कर 76,704 पर बंद

निफ्टी में भी 197 अंक की तेजी, 23,778 पर आया; आईटी और रियल्टी शेयर्स में खरीदारी

मुंबई, 18 मार्च (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 18 मार्च को तेजी रही। सेंसेक्स करीब 633 अंक (0.83%) चढ़कर 76,704 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 197 अंक (0.83%) की तेजी रही, यह 23,778 के स्तर पर पहुंच गया है। आज आईटी और रियल्टी शेयरों में खरीदारी दिखी। एसबीआई म्यूचुअल फंड ने अर्बन कंपनी में एडिशनल हिस्सेदारी खरीदी है। इसके बाद आज कंपनी के शेयर में 10% की तेजी रही। ये 122 रुपए के करीब बंद हुआ। एसबीआई म्यूचुअल फंड ने कंपनी में 632 करोड़ में अतिरिक्त 4% हिस्सेदारी खरीदी है।

अमेरिका में शराब की खपत घटी, कमाई पर बड़ा झटका

द न्यूयॉर्क, 18 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका में शराब की खपत घट रही है। इसका सबसे बड़ा असर रेस्तरां बिजनेस पर पड़ रहा है। 2025 के गैलप पोल के मुताबिक अमेरिका में शराब पीने वालों की हिस्सेदारी निचले स्तर पर है। सिर्फ 54% लोगों ने कहा कि वे शराब पीते हैं। जो पीते हैं, वे भी पहले से कम पी रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण सेहत पर असर और शराब की कीमतों में बढ़ोतरी माना जा रहा है। 2025 में 31% अमेरिकी ऑपरेटर्स ने शराब बिक्री में गंभीर गिरावट की बात कही।

ईरान युद्ध ने बदल दी बिटकॉइन की किस्मत

> 19 दिन में 18% का उछाल, सोना-चांदी के छुड़ाए छक्के

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। ईरान युद्ध को आज 19वां दिन है। 28 फरवरी से शुरू हुआ यह युद्ध दुनियाभर में हलचल मचा रहा है। वैश्विक तनाव के बीच क्रिप्टोकरेंसी में जबरदस्त उछाल आया है। बिटकॉइन में 18 फीसदी तो इथेरियम में 27 फीसदी की तेजी आई है। वहीं दूसरी ओर सोना-चांदी में उल्टी धारा बहती हुई दिखाई दे रही है। वैश्विक तनाव में जहां सोना-चांदी की कीमतों में उछाल आता है तो इस युद्ध में दोनों धातुएं गिर रही हैं।

ईरान युद्ध के दौरान क्रिप्टोकरेंसी के ग्लोबल मार्केट कैप में भी तेजी आई है। कॉइनमार्केटकैप के अनुसार 27 फरवरी को क्रिप्टोकरेंसी का ग्लोबल मार्केट कैप 2.27 ट्रिलियन डॉलर था। आज बुधवार को सुबह करीब 9:30 बजे यह 2.55 ट्रिलियन डॉलर पर था। इन 19 दिनों में मार्केट कैप में 12 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है।

बिटकॉइन में कितना उछाल?

ईरान युद्ध ने बिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी की किस्मत बदल दी है। पिछले एक महीने में युद्ध से पहले यह करीब 63 हजार डॉलर पर कारोबार कर रहा था। अपने पीक से यह करीब आधा रह गया है। पिछले साल अक्टूबर में एक बिटकॉइन की कीमत करीब 1.25 लाख डॉलर हो गई थी, जो इसका उच्चतम स्तर है। 27 फरवरी को ईरान युद्ध शुरू होने के बाद इसमें कुछ गिरावट आई। 28 फरवरी को एक बिटकॉइन की कीमत करीब 63 हजार डॉलर थी। लेकिन इसके बाद इसमें तेजी आई। आज बुधवार सुबह करीब 9:30 बजे यह करीब 74,500 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। ऐसे में इस युद्ध के इन 19 दिनों में बिटकॉइन की कीमत में 18 फीसदी का उछाल आया है।

सोना-चांदी का क्या हाल?

युद्ध शुरू होने के बाद सोना-चांदी की कीमतें भी गिर गई हैं। हालांकि बीच-बीच में इसमें कुछ तेजी भी आई, लेकिन निवेशकों के चेहरे पर खुशी नहीं ला सकी। एमसीएक्स पर 27 फरवरी को अप्रैल डिलीवरी वाले सोने की कीमत प्रति 10 ग्राम 1,62,104 पर बंद हुई थी।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज आप व्यावहारिकता की अपेक्षा रखने वाले कई मुद्दों में भावनात्मक व्यवहार करेंगे । स्पष्ट सोच रखते हुए यह समझने की कोशिश करें की आपकी इच्छाएं क्या हैं और आपके लिए अच्छा क्या हैं । आपके भीतर कुछ ऐसी भावनाए पैदा हो सकती हैं जो आपको कुछ सीमायें लांघने के लिए उकसा सकती हैं ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपको आज खुद का ही चिंतन करना है । आपके जीवन में इस समय सब कुछ सही चल रहा है ,फिर भी आपको एक प्रकार की बेचैनी महसूस हो रही है जिसे आप व्यक्त नही कर पा रहे । इसका एकमात्र समाधान यह है कि आप खुद के बारे में शांत दिमाग से सोचें जिससे आपको अपनी स्थितियों को बेहतर तरीके से देखने में मदद मिलेगी और आप सही समाधान खोज पायेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा ,स्थितियां आपके सामने किसी पुरानी अवांछित बात को फिर से लाकर खड़ी कर सकती हैं,जिससे आप बचना चाहते थे । आपको इस समस्या से निपटने के लिए सहनशील नजरिये से सोचना होगा क्योंकि आज आप बिना पर्याप्त कारण अपने आप सहित हर किसी पर सख्त रहें हैं ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
स्थितियां और घटनाएं इस प्रकार बदलेंगे कि आपको पहले से सोच समझकर लिया गया एक फैसला बदलना पड़ सकता है । आपको जीवन में आने वाली चीजों के प्रति अधिक जिम्मेदार रवैया अपनाना होगा । आप अपने पहले तय किये गया कार्यक्रम के अनुसार नही चल पायेंगे क्योंकि आपको कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण अपना कार्यक्रम बदलना पड़ सकता है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज का दिन कुछ अनिश्चित सा है ,आपको संवेदनशील लोगो से बात करते हुए अधिक सावधान रहना होगा । यह समय सामना करने और फैसले लेने के लिए भी उपयुक्त है । आप जिन अवांछित स्थितियों से बचना चाहते थे ,आपको उनमें खींचा जाएगा । कुछ कठोर निर्णय लेने होंगें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप किसी असम्भाव्य साझेदारी की ओर कदम बढ़ा सकते हैं । इससे आपको रोमांस,रोमांच और साहसी होने की अनुभूति तो होगी परन्तु यह देखना होगा कि यह साझेदारी कितनी सफल होगी । किसी अप्रत्याशित श्रोत से समर्थन-सहायता प्राप्त हो सकती है । हालाँकि यह अवसर बहुत कम समय तक ही मिलेगा।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
दिन शांत रहेगा । पिछले सप्ताह के व्यस्त कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी,जो अच्छी लगेगी । आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर नजर रखे हुए हैं ,इसीलिए अधिक मेहनत करें । कुछ अनापेक्षित निजी मुद्दे आपके सामने आ सकते हैं ,उनसे आपको आश्चर्य तो जरुर होगा,लेकिन आप संतोषजनक तरीके से उन्हें सँभालने में कामयाब होंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपका दिमाग आज बहुत सक्रिय है ,आप उर्जा और प्रेरणा से भरे हैं । आपके दिमाग में नयी योजनायें आती रहेंगी जिन्हें आप आसानी से कार्यान्वित भी कर पायेंगे । आपकी समस्या आज यही रहेगी की आपके दिमाग में आज लगातार नए विचारों की बाढ़ सी आती रहेगी । आप अपने आसपास के सभी लोगों को भी अधिक प्रेरित कर पायेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप एक बहुत बड़ी साझेदारी को अंतिम रूप देने वाले हैं लेकिन आपको अपने पार्टनर को अपने मिशन और लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट बता देना चाहिए । यदि कोई विवाद हुआ भी तो आपके भावनाओं में बह जाने की सम्भावना है,इस प्रवृति पर नियंत्रण रखें । आप दिन का अंतिम हिस्सा किसी बोद्धिक कार्यकलाप या कलाकारी सम्बन्धी रूचि में लगा सकते हैं ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आप आवेगी मूड में हैं ,किसी भी काम के बारे में भली प्रकार सोचे बिना ही करने दौड़ पड़ेंगे जिसके कारण आपको कार्यस्थल पर और पारिवारिक जीवन में भी दिक्कतें आ सकती हैं । हालाँकि इस समय ऐसा कर पाना थोडा मुश्किल है , लेकिन मन को शांत रखें । आपके सामने कई अवसर एक साथ आयेंगे,आपको सोच समझकर उनमें से चुनना है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आप सच्चे और ईमानदार लोगों से मिलना पसंद करते हैं । लेकिन आज आपकी मुलाक़ात उनसे होगी जो मुखौटे लगाये रखते हैं । उन्हें पहचानने की कोशिश करें । आपसे जल्दी फैसले लेना समय की मांग रहेगी । किसी भी फैसले को अंतिम रूप देने से पहले अच्छी तरह सोच लें और फैसले लेने तक कोई भी अन्य काम न करें ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दें, दो, चा,ची)
आज का दिन कुछ अजीब सा रहेगा । कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी । आप गृहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं । जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

मार्च के पहले हफ्ते में एलपीजी की खपत 17% घटी

पेट्रोल 13%-डीजल 8% ज्यादा बिका; कमर्शियल सिलेंडर महंगे होने से 57% रेस्टोरेंट्स ने दाम बढ़ाए

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। देश भर में मार्च के पहले हफ्ते में लिक्विफाइट पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की खपत 17% घटी है। ये असर वेस्ट एशिया में बने जंग के हालातों की वजह से हुआ है। 90% मार्केट शेयर वाली 3 सरकारी कंपनियों के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में एलपीजी की खपत कम हुई है।

मार्च की इस अवधि में एलपीजी की खपत 1.147 मिलियन टन रही, जबकि पिछले साल इसी समय में ये 1.387 मिलियन टन थी। फरवरी के पहले पखवाड़े की तुलना में मार्च में 26.3% कम खपत रही। दूसरी तरफ, पेट्रोल-डीजल की मांग बढ़ी। पेट्रोल की बिक्री 13.2% बढ़कर 1.5 मिलियन टन और डीजल की बिक्री 8.2% बढ़कर 3.384 मिलियन टन रही। वहीं, लोकलसर्कल्स सर्वे के मुताबिक कमर्शियल गैस की किल्लत से देशभर में खाना महंगा हुआ है। लागत बढ़ने की वजह से एक हफ्ते में 57% रेस्टोरेंट्स, 54% स्ट्रीट वेंडर्स ने अपने प्रोडक्ट्स के दाम बढ़ा दिए हैं।

एलपीजी सप्लाई पर सरकार की नजर, 12 हजार छापे

केंद्र सरकार ने कहा कि घरेलू एलपीजी की कमी नहीं है। सप्लाई सामान्य है। कालाबाजारी और जमाखोरी पर सख्त कार्रवाई जारी है। देशभर में अब तक 12 हजार से ज्यादा छापे मारे गए। 15 हजार से अधिक सिलेंडर जब्त किए हैं। राज्यों को आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत सख्ती के निर्देश दिए हैं। एलपीजी सप्लाई पर दबाव कम करने के लिए शहरी क्षेत्रों में होटल, रेस्टोरेंट और अन्य कमर्शियल उपभोक्ताओं को पीएनजी अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

डीमैट और म्यूचुअल फंड के नियमों में बदलाव की तैयारी

सेबी का बड़ा प्रस्ताव, नॉमिनी बनाना होगा आसान

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने डीमैट अकाउंट और म्यूचुअल फंड फोलियो में नॉमिनेशन के लिए एक आसान फ्रेमवर्क का प्रस्ताव दिया है। इसका मकसद निवेशकों के लिए ऑनबोर्डिंग को आसान बनाना और इंडस्ट्री द्वारा बताई गई ऑपरेशनल चुनौतियों को हल करना है।

रेगुलेटर ने सुझाव दिया है कि नॉमिनी की जरूरी जानकारी को घटाकर सिर्फ दो फील्ड तक सीमित कर दिया जाए। एक नाम और निवेशक के साथ रिश्ता। वहीं पता, संपर्क विवरण और हिस्सेदारी का प्रतिशत जैसी बाकी सभी जानकारियों को वैकल्पिक बना दिया जाए।

आधे अमेरिकन नहीं दे पा रहे मकान का किराया, जेन जी का सबसे बुरा हाल-मंदी की आशंका बढ़ी

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। ईरान के साथ 19 दिन से युद्ध में फंसे अमेरिका में हाउस अफोर्डिबिलिटी क्राइसिस लगातार गहराता जा रहा है। हालात यह हो गई है कि 49 फीसदी अमेरिकी लोग रेगुलर किराया या मोर्टगेज पेमेंट नहीं दे पा रहे हैं। एक सर्वे के मुताबिक पिछले साल मई में यह आंकड़ा 44 फीसदी था। यानी एक साल से भी कम समय में इसमें 5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। हालत यह हो गई है कि किराया देने और लोन की पेमेंट के लिए पैसा बचाने के वास्ते लोगों को अपना खाना कम करना पड़ रहा है, छुट्टियां स्किप करनी पड़ रही है और इलाज टालना पड़ रहा है।

रेडफिन के एक सर्वे के मुताबिक जेन जी यानी नई पीढ़ी के 67% लोगों के लिए हाउसिंग अफोर्ड करना मुश्किल हो रहा है। जेन एक्स के मामले में यह आंकड़ा 53 फीसदी और बेबी बूमर्स के मामले में 36 फीसदी है। साल 1997 से साल 2012 के बीच पैदा हुए लोगों को जेन जी कहते हैं। इसी तरह साल 1965 और 1980 के बीच पैदा हुए लोगों को जेन एक्स कहते हैं। साल 1946 और 1964 के बीच पैदा हुई पीढ़ी बेबी बूमर कहलाती है।

जेन जी बेहाल

जेन जी को तो अपनी चीजें बेचनी पड़ रही हैं और कई युवा तो खर्च बचाने के लिए माता-पिता के घरों में शिफ्ट हो रहे हैं। हालत यह हो गई है कि अमेरिका में एक टिपिकल होम को अफोर्ड करने के लिए सालाना 111,000 डॉलर इनकम की जरूरत है जो देश में हर परिवार की औसत इनकम से 25,000 डॉलर ज्यादा है। अमेरिका में हाउसिंग कभी भी इतना महंगा सौदा नहीं रहा है।

इस बीच अमेरिका के मंदी में फंसने की आशंका लगातार बढ़ रही है। अगले 12 महीने में मंदी आने की आशंका फरवरी में यह बढ़कर 48.6 फीसदी पहुंच गई जो 2020 की महामारी के बाद सबसे अधिक है। पिछले छह महीने में इसमें 15 फीसदी तेजी आई है। यह प्रोबेलिटी मूडीज के इकनॉमिक इंडिकेटर पर आधारित है। इसमें व्यापक इकनॉमिक डेटा और मशीन लर्निंग मॉडल का यूज होता है।

कच्चे तेल में उछाल

ऐतिहासिक रूप से देखें तो मंदी के बाहर इस तरह की हाई प्रोबेलिटी कभी देखने को नहीं मिली है। जॉब मार्केट की स्थिति खराब होने के बाद मंदी की संभावना बढ़ी है।

मार्च में इसके 50 फीसदी से ऊपर जाने की आशंका है क्योंकि ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के आंकड़े देखें तो कोरोना महामारी को छोड़कर हर बार मंदी से पहले तेल की कीमत में उछाल आई है।

अरे तुम्हारी मर्जी से चलूंगा क्या?

सीएम भजनलाल शर्मा का विपक्ष पर तीखा वार

जयपुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में दिल्ली दौरे वाले सियासी बयान थम नहीं रहे है। अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिल्ली दौरे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सवालों पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि वे दिल्ली जाते समय दोनों पैरों में पट्टी बांध लेते थे, जबकि उनकी सरकार जनता के लिए लगातार काम कर रही है।

दिल्ली दौरे पर सीएम का जवाब

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिल्ली दौरे को लेकर उठे सवालों पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखा हमला बोला। बिना नाम लिए उन्होंने कहा कि पहले के नेता दिल्ली जाते समय दोनों पैरों में पट्टी बांध लेते थे, जो उनके कामों की प्रणाली को दर्शाता है। उन्होंने खुद को एक्टीव बताते हुए कहा कि उन्हें न तो जुकाम-बुखार होता है और न ही किसी सहारे की जरूरत पड़ती है।

सीएम ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि वे उनके हर कदम पर सवाल उठाते हैं। चाहे वे दिल्ली जाएं या न जाएं।

इस पर उन्होंने साफ शब्दों में कहा, 'अरे तुम्हारी मर्जी से चलूंगा क्या, तुम हो क्या मेरे ऊपर?' उन्होंने कहा कि राजस्थान की जनता के हित में जो भी जरूरी होगा, वह किया जाएगा और विपक्ष की आलोचना से कोई फर्क नहीं पड़ता।

विधानसभा से भागने का आरोप

भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वे सरकार के कामों पर बहस से बचने के लिए विधानसभा छोड़कर चले गए। वे 2 साल बनाम 5 साल के कामों पर बहस नहीं चाहते। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने अपने कार्यों का पूरा रिपोर्ट पेश किया है और विपक्ष को भी अपने कामों का हिसाब देना चाहिए। राजस्थान दिवस के उपलक्ष में आयोजित 'राजस्थान युवा शक्ति दिवस' को संबोधित करते हुए सीएम बोल रहे थे। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा और मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भी मौजूद रहे।

जेजेएम घोटाले पर सख्त रुख, 'एक को भी नहीं छोड़ेंगे'

मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन में कथित घोटाले का जिक्र करते हुए कहा कि पिछली सरकार में भ्रष्टाचार हुआ और कुछ मंत्री जेल भी गए। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि जो भी राजस्थान के साथ भ्रष्टाचार करेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

दिल्ली से 'कुछ लेकर आने' का दावा

सीएम ने कहा कि वे जब भी दिल्ली जाते हैं तो राज्य के लिए कुछ न कुछ लेकर आते हैं। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार ने बजट घाटा कम किया है और प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 1.67 लाख से बढ़ाकर 2 लाख रुपए से अधिक कर दी है।

पंचायत चुनाव से डरकर ग्रामीण विकास रोक रही भाजपा

टीकाराम जूली ने बताया 1900 करोड़ फंड पर संकट

जयपुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर में राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राज्य की भाजपा सरकार पर पंचायत चुनाव को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार न तो संविधान की परवाह कर रही है, न ही न्यायालय के निर्देशों का सम्मान और न ही ग्रामीण विकास को प्राथमिकता दे रही है।

सुप्रीम कोर्ट की समयसीमा का मुद्दा

जूली ने कहा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट ने 15 अप्रैल तक पंचायत चुनाव कराने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद समयसीमा नजदीक आने के बावजूद सरकार की ओर से किसी ठोस तैयारी के संकेत नहीं दिख रहे हैं। उन्होंने इसे प्रशासनिक निष्क्रियता करार दिया।

फंड अटकने की आशंका

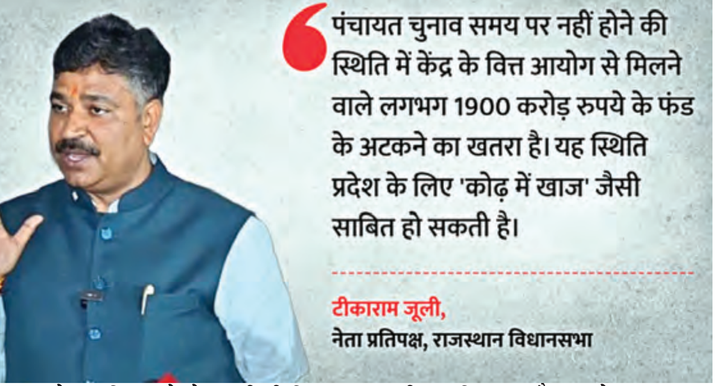

नेता प्रतिपक्ष ने चेतावनी दी कि पंचायत चुनाव समय पर नहीं होने की स्थिति में केंद्र के वित्त आयोग से मिलने वाले लगभग 1900 करोड़ रुपये के फंड के अटकने का खतरा है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति प्रदेश के लिए "कोढ़ में खाज" जैसी साबित हो सकती है।

'योजनाओं पर पड़ सकता है असर'

जूली के अनुसार यदि यह फंड रुकता है तो स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन और मनरेगा जैसी महत्वपूर्ण ग्रामीण विकास योजनाएं प्रभावित होंगी। इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा और प्रदेश की पहले से कमजोर वित्तीय स्थिति और बिगड़ सकती है।

सरकार से उठाए सवाल

उन्होंने मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री से सवाल किया कि क्या भाजपा सरकार चुनाव से डरकर ग्रामीण विकास को दांव पर लगा रही है। उन्होंने यह भी पूछा कि यदि केंद्र से मिलने वाला फंड नहीं आता है तो उसकी भरपाई कैसे की जाएगी और क्या राज्य को और कर्ज में धकेला जाएगा।

पंचायतीराज की परंपरा का उल्लेख

जूली ने कहा कि यह विडंबना है कि जिस राजस्थान से पंचायतीराज व्यवस्था की शुरुआत हुई, वहीं आज इस व्यवस्था को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि 2 अक्तूबर 1959 को पंडित जवाहरलाल नेहरू ने नागौर से पंचायतीराज की स्थापना की थी।

अंत में उन्होंने राज्य सरकार से पंचायत चुनाव प्रक्रिया को तुरंत गति देने, न्यायालय के निर्देशों का पालन करने और ग्रामीण विकास से जुड़े फंड व योजनाओं को प्रभावित होने से बचाने की मांग की।

पंचायत चुनाव से पहले क्यों उठा आरक्षण का मुद्दा?

50% के गणित ने उड़ाई दिग्गजों की नींद

हिला दी टीएसपी बेल्ट की सियासत

जयपुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के जनजाति उपयोजना क्षेत्र में शांति की लहर के नीचे एक बड़ा सियासी तूफान आकार ले रहा है। आगामी पंचायत चुनावों से पहले टीएसपी बेल्ट में 'आरक्षण' का मुद्दा केवल सामाजिक न्याय की मांग नहीं रहा, बल्कि एक ऐसा राजनीतिक हथियार बन गया है, जो आने वाले समय में सत्ता के समीकरणों को पूरी तरह ध्वस्त कर सकता है। बता दें कि ओबीसी, एमबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग ने अब आर-पार की जंग का एलान कर दिया है। नारा साफ है 'आरक्षण नहीं, तो वोट नहीं!'

राजस्थान के अन्य हिस्सों में ओबीसी को 21%, एमबीसी को 5% और ईडब्ल्यूएस को 10% आरक्षण मिलता है। लेकिन टीएसपी क्षेत्र की कहानी अलग है। यहां का ढांचा कुछ इस प्रकार है। यही '50% अनारक्षित' हिस्सा विवाद की जड़ है। टीएसपी क्षेत्र के ओबीसी, एमबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्गों का तर्क है कि राज्य के अन्य युवाओं की तुलना में उन्हें समान अवसर नहीं मिल

रहे हैं, जिससे वे अपने ही क्षेत्र में 'दोयम दर्जे' के नागरिक बनते जा रहे हैं।

ईरान-इजरायल युद्ध में सीकर के विक्रम की मौत, बहनों की शादी के लिए गया था कमाने, शव देख चीख उठीं बहनें, 'भैया किसके भरोसे छोड़ गए'

इस आंदोलन को तब नई धार मिली, जब गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक विजय सिंह बैंसला ने टीएसपी क्षेत्र का दौरा किया। बैंसला ने इस मांग को एक संवैधानिक आधार दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि संविधान के तहत आरक्षण का लाभ स्थान के आधार पर नहीं छीना जा सकता। बैंसला ने सरकार के सामने एक गणितीय प्रस्ताव रखा है। उन्होंने मांग की है कि अनारक्षित 50% हिस्से में से ओबीसी को 21% का आधा यानी 10.50% दिया जाए। एमबीसी को 5% का आधा यानी 2.50% दिया जाए। ईडब्ल्यूएस को 10% का आधा यानी 5.00% दिया जाए। उनका आरोप है कि 2013 से इन वर्गों को उनके संवैधानिक हक से वंचित रखा गया है, जो अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दिलचस्प बात यह है कि राजस्थान की तीन बड़ी ताकतें भाजपा, कांग्रेस और भारत आदिवासी पार्टी इस मुद्दे पर सीधे टकराव से बच रही हैं। कोई भी दल एसटी वर्ग को नाराज नहीं करना चाहता, लेकिन वे ओबीसी-ईडब्ल्यूएस के बड़े वोट बैंक को भी नहीं छोड़ सकते। स्थानीय नेता संकेत दे रहे हैं कि यदि मौजूदा 50% (ST-SC) आरक्षण से छेड़छाड़ किए बिना कोई रास्ता निकलता है, तो उन्हें आपत्ति नहीं होगी।

आंदोलन अब केवल शहरों तक सीमित नहीं है। सरदार पटेल सेना के संयोजक सुनील पाटीदार के नेतृत्व में युवा शक्ति संगठित हो रही है। गांव-गांव, ढाणी-ढाणी बैठकें की जा रही हैं।

रणनीति साफ है कि इस बार चुनाव में 'आरक्षण' ही सबसे बड़ा पैमाना होगा। यह सक्रियता बताती है कि यदि सरकार ने समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो पंचायत चुनाव के दौरान मतदान केंद्रों पर सन्नाटा या विरोध का शोर देखने को मिल सकता है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर भीषण सड़क हादसा

कार 30 फीट नीचे गिरी तीन दोस्तों की मौत

कोटा, 18 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर बालापुरा क्षेत्र में बुधवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें कार सवार तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। एक एसयूवी कार में सवार तीन दोस्त दिल्ली से मुंबई की ओर जा रहे थे। इसी दौरान बालापुरा से करीब 5 किलोमीटर दूर थुमडा के पास कार अचानक असंतुलित हो गई। तेज रफ्तार के चलते चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार डिवाइडर को तोड़ते हुए 30 फीट नीचे जा गिरी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे युवकों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी।

एथेनॉल से भरा टैंकर पलटा, आग लगी

नेशनल हाईवे पर 200 मीटर तक लपटें फैली; ड्राइवर जिंदा जला

सांचौर

राजस्थान के जालोर जिले में जैसलमेर-जामनगर नेशनल हाईवे पर एथेनॉल से भरा टैंकर पलट गया और उसमें आग लग गई। इसके बाद सड़क पर 200 मीटर तक लपटें फैल गई।

टैंकर का ड्राइवर जिंदा जल गया, जबकि उसके साथ बैठा भाई समय रहते कूद गया। हादसा बुधवार दोपहर करीब 2 बजे हुआ। फायर ब्रिगेड ने 1 घंटे बाद आग पर काबू पा लिया।

टैंकर बाड़मेर से गुजरात की तरफ जा रहा था। इस दौरान सिंवाड़ा ओवरब्रिज पर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। सांचौर एसडीएम प्रमोद कुमार और सिंवाड़ा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची।

टैंकर बाड़मेर से गुजरात की ओर जा रहा था

चितलवाना थाने के एएसआई मोहनलाल ने बताया- गुजरात नंबर का टैंकर बाड़मेर से गुजरात की ओर जा रहा था। हादसे में बाड़मेर के गुड़ामालानी के मोखावा निवासी ड्राइवर सुखराम (34) पुत्र देदाराम मेघवाल की मौत हो गई।

सुखराम के बुआ के बेटे नरसीराम (26) पुत्र जोधाराम मेघवाल समय रहते टैंकर से कूद गया और उसकी जान बच गई। नरसीराम को सिंवाड़ा हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसका प्राथमिक इलाज किया गया।

टैंकर में भरा था एथेनॉल

बाड़मेर के आथेथला निवासी बाबूराम मेघवाल ने बताया- ये टैंकर मुरलीधर कंपनी (जामनगर) का है। टैंकर भंटिडा (पंजाब) से कांडला (गुजरात) जा रहा था। इसमें एथेनॉल भरा था। मैं भी इसी कंपनी में काम करता हूं।

नरसीराम और सुखराम मेरे रिश्तेदार है। भंटिडा से एक अन्य ड्राइवर भी टैंकर में था, जो गुड़ामालानी उतर गया था।

घायल बोला- टैंकर में क्या था, मुझे नहीं पता

घायल नरसीराम ने बताया- मैं मामा के बेटे सुखराम के साथ गुड़ामालानी से टैंकर में बैठा था। इस दौरान सिवाड़ा के पास गाड़ी पलट गई। गाड़ी पलटते ही अचानक आग लग गई। जैसे-तैसे मैं बाहर निकल गया, लेकिन सुखराम गाड़ी में फंस गया। टैंकर में क्या था, मुझे पता नहीं है।

टायर फटने जैसी आवाज आई और टैंकर पलटा

प्रत्यक्षदर्शी जीवाराम मेघवाल ने बताया- जहां पर हादसा हुआ, उसके पास ही मेरा खेत है। जब मैं खेत में काम कर रहा था, तभी टायर फटने जैसी आवाज आई। देखा कि एक टैंकर का अचानक बैलेंस बिगड़ गया और सर्विस रोड की तरफ पलट गया।

टैंकर का पिछला हिस्सा डिवाइडर पर टिक गया। इसी दौरान तेल का रिसाव होने लगा। ओवरब्रिज की ढलान के कारण तेल नीचे तक चला गया और आग फैल गई।

करीब आधे घंटे बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आग बुझने के बाद गुड़ामालानी से एक निजी कंपनी की फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंची।

मधुमक्खियों के काटने से मौत

पीपीई किट पहन किया अंतिम संस्कार

श्मशान में लोगों पर फिर मधुमक्खियों का हमला; एक ने दम तोड़ा, 50 घायल

चित्तौड़गढ़, 18 मार्च (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ में मधुमक्खियों के काटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। बुधवार को उसके अंतिम संस्कार के दौरान श्मशान में लोगों पर मधुमक्खियों ने फिर हमला कर दिया। हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 50 लोग घायल हो गए। लोग शव को छोड़कर भाग गए। प्रशासन ने पीपीई किट पहनाकर अंतिम संस्कार करवाया। मामला बेगूं क्षेत्र के पारसोली का दोपहर 12 बजे का है। प्रत्यक्षदर्शी सुनील ओझा ने बताया- जमनेश (80) पर मंगलवार को मधुमक्खियों ने हमला कर दिया था, जिससे वे गंभीर घायल हो गए थे। उन्हें इलाज के लिए चित्तौड़गढ़ लाया गया, जहां बुधवार सुबह उनकी मौत हो गई। इसके बाद उनके अंतिम संस्कार के लिए लोग श्मशान घाट पहुंचे थे। मधुमक्खियों ने जैसे ही लोगों पर हमला किया, वे श्मशान से बाहर भागने लगे। सुनील ओझा ने बताया- श्मशान घाट में अंतिम संस्कार की तैयारियां चल रही थी, इसी दौरान मधुमक्खियों ने लोगों पर हमला कर दिया। सभी लोग इधर-उधर भागने लगे। 50 के करीब लोगों को मधुमक्खियों ने डंक मारे। घायलों को स्थानीय अस्पताल ले गए, जहां से पारसोली निवासी छीतर मल (68), रामेश्वर लाल (55), बस्सी निवासी कृष्ण भैरव (68), कुंभा नगर निवासी सुनील (62) और राणा सांगा बाजार निवासी भवानी शंकर (75) को चित्तौड़गढ़ रेफर कर दिया। इलाज के दौरान भवानी शंकर की मौत हो गई। उपखंड अधिकारी अंकित सामरिया ने हालात को देखते हुए संबंधित अधिकारियों और मेडिकल टीम को अलर्ट किया। तहसीलदार गोपाल जीनगर भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

जर्जर स्कूलों पर हाईकोर्ट सख्त

शिक्षा विभाग से 20 हजार करोड़ की योजना पर जवाब तलब

जयपुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में स्कूलों की जर्जर व्यवस्था को लेकर हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। इस दौरान कोर्ट ने राज्य के शिक्षा विभाग से खराब हालत में चल रहे स्कूलों की स्थिति और सुधार की योजनाओं पर विस्तृत जानकारी मांगी है।

शिक्षा विभाग द्वारा हाईकोर्ट में दायर एफिडेविट में बताया गया कि स्कूलों की मरम्मत और जीर्णोद्धार के लिए 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की आवश्यकता है। इसके मुकाबले प्रदेश के बजट में केवल 950 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस पर हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए सवाल किया कि इतनी बड़ी राशि की जरूरत को सीमित बजट में कैसे पूरा किया जाएगा।

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने शिक्षा विभाग से पूछा कि 20 हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था के लिए क्या ठोस योजना तैयार की गई है। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि यदि कोई स्पष्ट योजना नहीं है, तो क्या इस तरह की स्कूली व्यवस्था को बंद कर देना चाहिए। इन टिप्पणियों ने मामले की गंभीरता को रेखांकित किया है।

मामले में अगली सुनवाई 19 मार्च 2026 को निर्धारित की गई है, जिसमें हाईकोर्ट शिक्षा विभाग से ठोस जवाब और संभावित कार्ययोजना की अपेक्षा करेगा। माना जा रहा है कि इस सुनवाई में कोर्ट सख्त निर्देश जारी कर सकता है।

इस मामले की पृष्ठभूमि में बाड़मेर की एक घटना भी चर्चा में है, जहां एक सरकारी स्कूल में छात्र के सिर पर पंखा गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस घटना के बाद स्कूलों की सुरक्षा और आधारभूत ढांचे को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं।

पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने इस मुद्दे पर एक कमेटी बनाने का सुझाव दिया था। संभावना जताई जा रही है कि आगामी सुनवाई में इस कमेटी को अंतिम रूप दिया जा सकता है, ताकि जर्जर स्कूलों की स्थिति का आकलन कर सुधार के ठोस उपाय सुझाए जा सकें।

सरकारी स्कूल में पेड़ से लटका मिला शिक्षक का शव

जोधपुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के जोधपुर जिला मुख्यालय से करीब 54 किमी दूर कापरड़ा थाना क्षेत्र के कुड़ गांव में बुधवार की सुबह एक खौफनाक मंजर देखने को मिला। गांव के सरकारी स्कूल परिसर में तैनात एक शिक्षक का शव पेड़ से फंदे पर लटका मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 52 वर्षीय मुंशी सिंह के रूप में हुई है, जो मूल रूप से करौली जिले के हिंडौन सिटी के रहने वाले थे। घटना की जानकारी बुधवार सुबह करीब 8 बजे तब हुई जब कुछ ग्रामीण स्कूल के पास से गुजर रहे थे। पेड़ पर झूलते शव को देख ग्रामीणों के होश उड़ गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। कापरड़ा थानाधिकारी सुनीता डूडी के नेतृत्व में एएसआई मनोहर सिंह की टीम और शिक्षा विभाग के आला अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे।

डमी परीक्षार्थियों से परीक्षा पास कर बने शिक्षक

एसओजी ने दो इनामी आरोपियों को दबोचा

जयपुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में शिक्षक भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़े का एक और बड़ा मामला उजागर हुआ है। स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप ने कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा 2022 में डमी परीक्षार्थियों के माध्यम से चयनित दो इनामी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा 24 दिसंबर 2022 को वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की गई थी। इस दौरान सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक मनोविज्ञान का पेपर लीक होने के कारण परीक्षा निरस्त कर दी गई थी, जिसे 29 जनवरी 2023 को पुनः आयोजित किया गया। जांच में सामने आया कि बाड़मेर निवासी अशोक कुमार विश्नोई ने दोनों विषयों की परीक्षा स्वयं नहीं दी। सामान्य ज्ञान और शैक्षिक मनोविज्ञान का पेपर उसके स्थान पर एक अन्य डमी परीक्षार्थी ने दिया था, जिसे पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। इसी प्रकार विज्ञान विषय की परीक्षा में भी फर्जी तरीके से पास होकर वह वरिष्ठ अध्यापक पद पर चयनित हो गया। मामला दर्ज होने के बाद वह दो वर्षों से फरार चल रहा था। न्यायालय द्वारा उसके खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था और उसकी गिरफ्तारी पर इनाम भी घोषित था। इसी मामले में सवाई माधोपुर निवासी एक अन्य अभ्यर्थी ने भी परीक्षा स्वयं न देकर डमी उम्मीदवारों का सहारा लिया। विज्ञान विषय की परीक्षा एक एमबीबीएस छात्र द्वारा दी गई, जबकि पुनः आयोजित परीक्षा में विजय पाल नामक डमी परीक्षार्थी ने पेपर दिया।

पुलिस-एनटीएफ की बड़ी कार्रवाई, टायर फटने पर भी भागता रहा तस्कर

76 लाख का डोडा पोस्त पकड़ा

पाली, 18 मार्च (एजेंसियां)। जैतपुर थाना क्षेत्र के गेलावास-पांचपदरिया के पास पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए नशे के सौदागरों के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने एक स्कॉर्पियो वाहन से 506.540 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद किया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 76 लाख रुपए आंकी गई है। इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

एनटीएफ के महानिरीक्षक विकास कुमार के निर्देश पर जोधपुर एनटीएफ टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि चित्तौड़गढ़ से भारी मात्रा में डोडा पोस्त बालोतरा की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर एनटीएफ प्रभारी दिनेश डांगी और जैतपुर थाना प्रभारी पदमपाल सिंह ने पुलिस जाब्ते के साथ गेलावास के पास नाकाबंदी की।

नाकाबंदी के दौरान एक सफेद स्कॉर्पियो को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक ने वाहन की रफ्तार तेज कर दी और भागने लगा। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए स्टॉप स्टिक का इस्तेमाल किया, जिससे गाड़ी के टायर फट गए। इसके बावजूद तस्कर फटे टायरों के साथ ही वाहन को कच्चे रास्तों पर दौड़ाता रहा और भागने की कोशिश करता रहा। आखिरकार अंधेरे और झाड़ियों का फायदा उठाकर चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया।

परीक्षा बनी मजाक! ड्यूटी से टीचर गायब छात्रों ने जमकर की नकल, शिक्षिका सस्पेंड

बीकानेर, 18 मार्च (एजेंसियां)। बीकानेर जिले के नोखा कस्बे के माडिया गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में चलती परीक्षा में लापरवाही सामने आई। 11वीं कक्षा के इतिहास विषय का पेपर चल रहा था, लेकिन उस समय कक्षा में कोई शिक्षक मौजूद नहीं था। इसी का फायद उठाकर छात्रों ने खुलेआम एक-दूसरे की कॉपियां देखकर नकल शुरू कर दी। आपको बता दें, इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि छात्र एक-दूसरे की उत्तर पुस्तिकाएं लेकर नकल कर रहे हैं। कक्षा में किसी प्रकार की निगरानी नहीं थी, जिससे परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो गए। शिक्षा विभाग ने संबंधित महिला शिक्षिका को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया। घटना के बाद अभिभावकों और ग्रामीणों में भी नाराजगी देखने को मिली। इस पूरे मामले ने सरकारी स्कूलों में परीक्षा व्यवस्था और निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

'फर्जी आईएएस' का खेल खल्लास : यूपीएससी में 899 रैंक बताकर

मनाया गांव में जश्न, बाद में शर्मिंदगी, एडमिट कार्ड ने खोली पोल

अलवर, 18 मार्च (एजेंसियां)। बानसूर क्षेत्र में एक युवक ने खुद को यूपीएससी में चयनित बताकर अपने गांव में जमकर जश्न मनाया। यहीं नहीं युवक की कथित सफलता की खबर सुनकर दिग्गज नेता और प्रशासनिक अधिकारी बधाई देने उसके घर जा पहुंचे। क्षेत्र के नांगल भाव सिंह गांव निवासी निशांत कुमार ने दावा किया था कि उसने सिविल सेवा परीक्षा में 899वीं रैंक हासिल की है, लेकिन एडमिट कार्ड स्कैन करने पर उसका यह दावा पूरी तरह झूठ निकला। अब युवक को बधाई देने वाले लोग ही बगले झांक रहे हैं। यूपीएससी का बीते 6 मार्च को जब रिजल्ट जारी हुआ तो निशांत के घर पर जश्न का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने निशांत को कंधों पर बिठाकर जुलूस निकाला और ढोल-नगाड़ों के साथ गांव में घुमाया। पूर्व कैबिनेट मंत्री शकुन्तला रावत समेत कई जनप्रतिनिधि उसे बधाई देने उसके घर जा पहुंचे। सार्वजनिक मंच से निशांत ने अपनी 'फर्जी' संघर्ष की कहानी सुनाकर सबको भावविभोर कर डाला। निशांत ने एडमिट कार्ड में छेड़छाड़ कर खुद को असली उम्मीदवार दिखाने की करतूत बड़ी सफाई से की थी। उसने एक जैसे नाम का फायदा उठाकर आगरा के वास्तविक उम्मीदवार की 899वीं रैंक को अपना बता दिया। लेकिन पोल तब खुली जब किसी ने एडमिट कार्ड पर मौजूद क्यूआर कोड को स्कैन कर लिया। स्कैन करते ही जो जानकारी स्क्रीन पर आई,उसने निशांत के दावों की पोल खोलकर रख दी।

सीरवी समाज एल.बी.नगर में चैत्र नवरात्रि महोत्सव आज :

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बंडलागुडा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में सीरवी समाज एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोसिएशन के सानिध्य में चैत्र नवरात्रि महोत्सव का आयोजन 19 मार्च को किया जाएगा। अध्यक्ष वेनाराम चोयल ने बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओ के सानिध्य में चैत्र नवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। गुरुवार का प्रात: वेला में मंदिर को सजाकर, माई का श्रृंगार कर, प्रात: 9.15 बजे हवन-यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। शुक्रवार 27 मार्च को पूर्णाहुति कार्यक्रम होगा। सचिव प्रकाश सेप्टा ने सभीसमाज बन्धुओ से निवेदन किया है कि उपरोक्त कार्यक्रम में समय पर पधारकर लाभ लें।

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.47-डीवाय.सीइ/जीएस/जीएनटी, दि.14-03-2026

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.09-04-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.-01 टेंडर आयडी: 86 सेक्शन: डीवाय.सीइ/जीएस/जीएनटी, कार्य विवरण: गुंटूर डिवीजन: डीवाय.सीइ-जीएस-जीएनटी क्षेत्राधिकार के तहत पुलों पर सडक (आरओबी) के निर्माण हेतु प्रस्तावित भू-तकनीकी जांच या जियोटेक्नीकल इन्वेस्टीगेशन तथा डिजाइन तैयार करना। डीवाय.सीइ-जीएस-जीएनटी क्षेत्राधिकार के तहत आरओबीज हेतु विस्तृत फाउण्डेशन डिजाइन, सब-स्ट्रक्चर & सुपरस्ट्रक्चर, कास्टिंग की प्रस्तुति तथा टेस्ट पाइल्स परीक्षण आदि कार्य।

अनुमानित मूल्य रु.3,15,15,528.96 अग्रधन रु.3,07,600.00

ई-बोली की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि 09-04-2026 के 15.00 बजे तक है। विस्तृत विवरण हेतु **वेबसाइट** www.ireps.gov.in पर लागआन करें। किसी भी अधिक संचार/शुद्धिपत्र को **ई-पोर्टल www.ireps.gov.in** द्वारा सूचित किया जायेगा।

उप मुख्य अभियंता, गति शक्ति, गुन्टूर

PUB/2128

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य अभियंता, गति शक्ति, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, विजयवाडा द्वारा निम्न कार्यो हेतु निविदाकरण की खुली निविदा/एकल पैकेट/दो पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1 निविदा सं. व तिथि: डीवाय.सीइ-जीएस-बीजेडए-18-2025-26, दि.13-03-2026 कार्य विवरण: विजयवाडा डिवीजन-इएलएस (विजयवाडा)-(2X17X9.5एम) के दो स्पैन ह्यूम पाइप एएलएस के (केजेडजे एण्ड) का प्रस्तावित विस्तार कार्य, एवं (1X17X9.5एम) के एक स्पैन ह्यूम पाइप एएलएस के (बीजेडए एण्ड) का विस्तार कार्य, मौजूदा सर्विस बिल्डिंग (117X10एम) को तोडना हटाना, नये सर्विस बिल्डिंग (127X10एम) का निर्माण कार्य, हैण्ड वाश एरिया सहित 9.0X6.0एम साइजयुक्त नई शौचालयों का निर्माण कार्य एवं मौजूदा को हटाना। शौचालयों, 200 यूजर्स हेतु सेप्टिक टैंक का निर्माण, एलएल के हेतु सपूर्ण इंडस्ट्रीयल रि-इंफ्रि (बीडीएफ+आयनाइड), ट्रैक कार्य। आइआरपीएसएम आयडी. नं.-11.06.42.23.1.47.007

अनुमानित मूल्य रु.16,42,09,642.18 अग्रधन रु.9,71,100.00 कार्य पूरा करने की अवधि: 12 महिने निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य, बंद करने की तिथि व समय: 06-04-2026 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज व अन्य विवरण हेतु कृपया **वेबसाइट**:https://ireps.gov.in पर लागिन करें।

निविदाकार अपने आफर्स को आनलाइन में निविदा प्रस्तुति/बोली अवधि के दौरान निविदा बंद करने की तिथि से पंद्रह दिन पूर्व अवधि में प्रस्तुत कर सकते है।

निविदाकार किसी भी शुद्धिपत्र (केवल आनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति/बोली अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

उप मुख्य अभियंता, गति शक्ति, विजयवाडा

PUB/2129

निविदा सूचना संख्या:एलजीडी/एल/23/2025-26/ओटी, दि.17-03-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय. सीइ/एलजीडीएस द्वारा संबंधित निविदा संख्या:एलजीडी/एल/23/2025-26/ओटी, -ई-टेंडर- बंद करने की तिथि 15-04-2026 के 15.00 बजे के प्रति ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदाता, अपने मूल/संशोधित बोलियों को बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते है। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य है तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

ठेकेदारों या कान्ट्रैक्टर्स को यह अनुमति है कि, इस निविदा के अग्रधन (बोली सुरक्षा) का भुगतान नकद रुप में ई-पेमेन्ट गेटवे द्वारा कर सकते हैं या भारत के किसी भी अनुसूचित बैंक से आहरित बैंक गारण्टी बाण्ड के रुप में प्रस्तुत कर सकते हैं या निविदा दस्तावेजों में विवरित सूचनानुसार कर सकते है। यह गारण्टी बाण्ड एनेक्सर- VIA नुसार होना चाहिए तथा यह बाण्ड बोली वैधता अवधि से परे, 60 दिनों की अवधि तक वैध होना चाहिए। मूल बैंक गारण्टी को, निविदा दस्तावेज में विवरित सूचनानुसार व्यक्तिगत रुप में, बोली प्रस्तुति की समयसीमा (डेडलाइन) की 5 कार्यालयीन दिनों के भीतर, नामित पदाधिकारी के सुपुर्द करना चाहिए। ई-टेन्डरिंग पोर्टल (आईआरइपीएस) पर बिड सहित बी.जी. की स्कैन की हुई कापी की अप्रस्तुति तथा /या निर्देशित अवधि के भीतर ओरीजीनल बी.जी. की अप्रस्तुति पर बोली या बिड को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।

क्रम सं.1 निविदा सं. एलजीडी/एल/23/2025-26/ओटी कार्य विवरण: तीन वर्षों की अवधि के लिए कैरेज वर्कशाप, लालागुडा पर सर्विसिंग/ओवरहालिंग तथा 310/700/1400 एचपी ट्रैक्शन आल्टरनेटर्स की छिटपुट मरम्मत तथा ओवालिटी मशीनिंग एवं ग्रूव कटिंग तथा ट्रैक्शन मोटर आर्माचर के कम्युटेटर्स की डायनामिक बैलेन्सिंग कार्य।

विज्ञापित मूल्य रु.48,91,399.72 (रु.अडतालीस लाख इक्यानवे हजार तीन सौ न्यिनानवे तथा बहात्तर पैसे मात्र) बोली सुरक्षा रु.97,800.00 कार्य पूरा करने की अवधि: स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से लेकर 36 महिने बंद करने की तिथि: 15-04-2026 के 15.00 बजे

वेबसाइट विवरण:www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थान: उप मुख्य बिजली अभियंता का कार्यालय, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद-500017

निविदा शर्तें/अधिक जानकारी (निविदा दस्तावेजो में उपलब्ध) तथा निविदा दस्तावेजो की डाउनलोडिंग, शुद्धिपत्र हेतु कृपया हमारा **वेबसाइट**:https://ireps.gov.in/ देखें।

उप मुख्य बिजली अभियंता, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद

PUB/2134

सोने की अंगूठियों की चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कुकटपल्ली पुलिस ने जनवरी-फरवरी 2026 में शहर के शॉपिंग मॉल में हुई सोने की अंगूठियों की चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, बीते 23 जनवरी की रात एक शॉपिंग मॉल और 2 फरवरी की रात दूसे मॉल में आरोपी ने सेल्समुमन को ट्रे में रखी अंगूठियां दिखाने के लिए कहा और मौके का फायदा उठाकर अपनी शर्ट की जेब में ट्रे की अंगूठियां छुपाकर चोरी कर भाग गया।

रिश्वत मामले में आबकारी इंस्पेक्टर और शिक्षक गिरफ्तार

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर में एसीबी ने एक भ्रष्टाचार मामले में गुंडेटी रामु, आबकारी और प्रतिबंध निरीक्षक और जक्कानी वेनु, एक सरकारी शिक्षक को गिरफ्तार किया। आरोप है कि ये दोनों 2022 से 2024 तक अवैध भुगतान (रिश्वत) को यूपीआई ट्रांजैक्शन के जरिए बेनामी खाते के माध्यम से स्थानांतरित करते रहे। तलाशी के दौरान लगभग 20 लाख रुपये की नकदी जब्त की गई। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी एओ-1 गुंडेटी रामु ने एसएचओ वेमुलावाड़ा के दौरान जागरी व्यापारी से नियमित रूप से अवैध धन प्राप्त किए और एओ-2 के जरिए अपनी और अपने पिता के खाते में स्थानांतरित करवाए। दोनों को विशेष न्यायाधीश, एसपीई और एसीबी मामलों, करीमनगर के समक्ष पेश किया गया।

निविदा सूचना संख्या: सी_एसजी _36_596, दि.13-03-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूर संचार अभियंता, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु निविदाओं की ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से खुली निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1 निविदा सं. व तिथि: सी_एसजी _36_596, दि.13-03-2026, बंद करने की तिथि: 06-04-2026 कार्य विवरण: सिकंदराबाद डिवीजन पर दूर संचार या टेलिकाम इनफ्रास्ट्रक्चर उन्नयन तथा वृध्दि। 1) सिकंदराबाद डिवीजन पर रेलनेट एक्वीपमेन्ट का मजबूतीकरण तथा बैण्डविड्थ एवं सुधार हेतु नेटवर्क इनफ्रास्ट्रक्चर तथा आईटी आधारित एप्लीकेशन रन्निन्ग (ई-आफिस, ओआरएमएस, आईपीएएस, आईआरडब्ल्यूसीएमएस, आईआरइपीएस, आईआरपीएसएम, एचआरएमएस, एसएमएमएस, पाइण्ट्स व क्रासिंग इंसपेक्शंस ऐप आदि । 2) सिकंदराबाद डिवीजन पर डाटा लाग्गर सिस्टम (सर्वर्स, सीएमयुज, एफइपी) का बायफर्केशन तथा सभी कन्ट्रोल बोड्र्स हेतु मल्टि मानिटर डिस्प्ले का प्रावधान। 3) सिकंदराबाद डिवीजन पर सिग्नल कंट्रोल रूम का नवीनीकरण या रिनोवेशन। 4) एसआर. डीइएन/पश्चिम/एससी क्षेत्राधिकार के तहत फेज-। को पूरा करने हेतु अमृत भारत स्टेशनों (वीकेबी एण्ड टीडीयु) के लिए सिग्नल व दूरसंचार प्रस्ताव। 5) किमी नं. 55/12-14 पर (एससी-डब्ल्यूडी सेक्शन) एलसी नं. 09 पर आरसीसी बाक्स (आरयुबी) सहित एलसी की प्रस्तावित विस्थापन या रिप्लेसमेन्ट से संबंधित सिग्नलिंग व्यवस्था। (कुल 11 कार्य)

अनुमानित मूल्य रु.6,54,20,272.40, बोली सुरक्षा/अग्रधन रु.4,77,100.00

अधिक जानकारी हेतु हमारा **वेबसाइट**: www.ireps.gov.in देखें।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियंता, (को-आर्ड), सिकन्दराबाद

PUB/2135

निविदा सूचना के प्रति शुद्धिपत्र निविदा सं.-08-टीएसएमडी-एमएलवाय-25-26, दि.12-03-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीइइ/टीएसएमडी/एमएलवाय द्वारा संबंधित निविदा सं.-08-टीएसएमडी-एमएलवाय-25-26, दि.12-03-2026 सहित बंद करने की तिथि: 07-04-2026, समय 10.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। उपरोक्त निविदा हेतु निम्न शुद्धिपत्र जारी किया जाता है।

निविदा सं.-08-टीएसएमडी-एमएलवाय-25-26 के प्रति शुद्धिपत्र

मूल विज्ञापन में विवरित निविदा के विज्ञापित मूल्य रु. 40,43,806.00 तथा अग्रधन रु.80,900.00 को संशोधित किया गया है। अत: इसे क्रमशः विज्ञापित मूल्य रु.37,66,206.52 तथा अग्रधन रु.75,300.00 पढा जाना चाहिए।

कृपया यह नोट करें कि, मूल विज्ञापन में विवरित अन्य नियम व शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।

वेबसाइट विवरण: www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थान: डीइइ/टीएसएमडी/एमएलवाय का कार्यालय, मौलाली, सिकंदराबाद-500047

विभागीय बिजली अभियंता, टीएसएमडी, मौलाली

A2695 PUB/2136

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट:https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

अग्रसेन बैंक ने एनएएफसीयूबी के निदेशक को सम्मानित किया

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया और वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने सुनील ओ. देवड़ा को सम्मानित किया। श्री देवड़ा, ओमप्रकाश देवड़ा पीपल्स को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, हिंगोली के उपाध्यक्ष हैं; साथ ही वे नेशनल फेडरेशन ऑफ अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक्स एंड क्रेडिट सोसाइटीज़ लिमिटेड के निदेशक और भारतीय रिज़र्व बैंक, मुंबई की टास्क फोर्स के सदस्य भी हैं।

सुनील ओ. देवड़ा को प्रमोद कुमार केडिया और सीए नवीन कुमार अग्रवाल द्वारा उस अवसर पर सम्मानित किया गया, जब वे 18 मार्च को बैंक के कामकाज और बैंक द्वारा पेश किए जाने वाले विभिन्न उत्पादों के बारे में जानकारी लेने के लिए अग्रसेन बैंक आए थे। उन्होंने तेलंगाना फेडरेशन के पदाधिकारियों से मिलने और शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए हैदराबाद का दौरा किया। इस कार्यक्रम में अग्रसेन बैंक के सीईओ सी.वी. राव, डीजीएम आनंद अग्रवाल और प्रबंधक श्री प्रसाद भी उपस्थित थे।

सत्यम शिवम सुंदरम गगन पहाड़ स्थित गौशाला में गौ सेवा करते गौ भक्त

शिव मंदिर शमशेरगंज स्थित गौशाला में गौ सेवा करते हुए भक्त

एनएमडीसी मुख्यालय हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी लिमिटेड के मुख्यालय में आज कार्मिकों के लिए विशेष हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।\ कार्यक्रम के प्रारंभ में रूद्र नाथ मिश, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सुधांशु वर्मा, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एवं संकाय सदस्य के रूप में उपस्थित हिंदी शिक्षण योजना, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहायक निदेशक (से.नि.) मो. कमालुद्दीन तथा प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए बताया कि कार्मिक अपने दैनिक कार्यालयीन कामकाज राजभाषा हिंदी में सफलतापूर्वक सम्पन्न कर सकें, इस उद्देश्य से एनएमडीसी मुख्यालय में प्रत्येक तिमाही में कम-से-कम एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया जाता है तथा आज की कार्यशाला इस वित्त वर्ष 2026 की अंतिम कार्यशाला है। कार्यशाला का उद्घाटन सुधांशु वर्मा ने किया। इस अवसर पर उन्होंने एनएमडीसी लिमिटेड को राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं नगर स्तर पर निरंतर प्राप्त हो रहे पुरस्कारों तथा उपलब्धियों का श्रेय एनएमडीसी कार्मिकों देते हुए कहा कि ये सभी पुरस्कार आप सभी के द्वारा कार्यालयीन कार्यों में निरंतर राजभाषा हिंदी का प्रयोग करने के फलस्वरूप प्राप्त हो रहे हैं। कार्यशाला का प्रथम सत्र रूद्र नाथ मिश ने भारत सरकार की राजभाषा नीति एवं वार्षिक कार्यक्रम पर लिया तथा सविस्तार जानकारी दी। द्वितीय सत्र मो. कमालुद्दीन, सहायक निदेशक (से.नि.) ने हिंदी पत्राचार एवं हिंदी में टिप्पणियाँ विषय पर लिया तथा अभ्यास करवाया। अगले सत्र में राजेश कुमार गोंड, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) ने कार्यालय के आंतरिक कामकाज में हिंदी के प्रयोग से संबंधित जानकारी दी। कार्यशाला का समन्वयन राजेश कुमार गोंड ने किया तथा इस अवसर पर राजभाषा विभाग के सभी अधिकारी उपस्थित रहे। श्री एनवाईएस रामाराजु, अप्रेंटिस प्रशिक्षु ने कार्यशाला के आयोजन में सहयोग किया।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा आरती में राजेंद्र अग्रवाल सुरेंद्र अग्रवाल गोपाल बलदवा विट्ठलदास अग्रवाल प्रमोद कुमार सरायवाला अशोक अग्रवाल अशोक सरायवाला अशोक लाखोटिया पी सी जैन अजय अग्रवाल राहुल देशपांडे डॉ गिरिराज गुप्ता प्रवीण कुमार अग्रवाल विजय कुमार थंबी राहुल सिंघल मनोहर रेड्डी राजेंद्र प्रसाद विजय कुमार अग्रवाल वर्मा विजेता रेड्डी विजय लक्ष्मी दुर्गा रेड्डी संतोष अग्रवाल दीपा अग्रवाल रजिता एवंम अन्य उपस्थित थे।

सांसद ने सिंगरेणी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन बढ़ाने की मांग की

नई दिल्ली , 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापल्ली सांसद गड्डम वामसी कृष्णा ने कोल माइंस प्रोविडेंट फंड कमिश्नर से मुलाकात कर सिंगरेणी कोयला खदान से सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन बढ़ाने की मांग की। सांसद ने बताया कि वर्तमान पेंशन राशि से रिटायर्ड कर्मचारियों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 163 वां निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर 21 मार्च को

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा मां वैष्णो देवी जागरण मंडल के सहयोग से 163 वां निशुल्क निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर 21 मार्च को शाम 6 से रात्रि 11 बजे तक नामपल्ली स्थित एग्जीबिशन ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में मेडिकवर अस्पताल हाईटेक सिटी द्वारा हड्डी, हृदय, ईसीजी 2 डी इको, बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप, सामान्य चिकित्सा की सेवा प्रदान की जाएगी। नेत्रों की जांच एलसीएच साधुराम आई हॉस्पिटल दोमलगुडा द्वारा की जाएगी और नेत्रों की जांच के पश्चात योग्य को निशुल्क चश्मों का वितरण एवं मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। जनरल फिजिशियन डॉ.अखिल्स क्लिनिक (पुरणदास रणछोडदास) के डॉ.अखिल सुगंधी एवं डॉ.मीनल खैरिया सुंगधी द्वारा की जाएगी। फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो की डॉ.मीता बजाज द्वारा तथा दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ.एस.तेजस्वी नवनीत द्वारा की जाएगी। शिशु रोग की जांच डॉ.पीयूष पीडियाट्रिक क्लिनिक के डॉ.पीयूष अग्रवाल द्वारा की जाएगी। श्री भगवान विकलांग सहायता समिति हैदराबाद द्वारा निशुल्क जांच कर योग्य को एड्स एवं एप्लायंसेज कृत्रिम अंग, हैड किट्स, कैलिपर्स, हैंड्स आदि की सेवा प्रदान की जाएगी। शिविर में आवश्यक रोगी के लिए निशुल्क डायलिसिस की भी सेवा प्रदान की जाएगी। शिविर में रोगी अपने साथ चिकित्सा के पूर्व रिकार्ड साथ लाएं ताकि उनका उचित परामर्श किया जा सके। शिविर में नाम पंजीकरण शिविर स्थल पर शाम 6 से रात्रि 8 बजे तक किया जाएगा जबकि शिविर रात्रि 11 बजे तक जारी रहेगा। अधिक जानकारी के लिए शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, आशीष दोचानिया, अचल गुप्ता, नवीन अग्रवाल से संपर्क किया जा सकता है।

एसबीआई चेयरमैन ने टीजीबी के नए मुख्यालय भवन की आधारशिला रखी

हैदराबाद18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एसबीआई चेयरमैन श्रीनिवासुलु शेट्टी ने कहा कि, बैंकिंग के प्रति एसबीआई का दृष्टिकोण सिर्फ़ वित्तीय सेवाओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह दीर्घकालिक सामाजिक बदलाव लाने पर भी केंद्रित है ।

श्रीनिवासुलु शेट्टी ने ग्रेटर हैदराबाद स्थित उप्पल भगायत में तेलंगाना ग्रामीण बैंक (टीजीबी) के नए मुख्यालय भवन की आधारशिला रखी और साथ ही वारंगल में प्रमुख कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहलों का भी नेतृत्व किया। इन पहलों के माध्यम से एसबीआई ने वित्तीय बुनियादी ढांचे को मज़बूत बनाने और समुदाय पर सकारात्मक प्रभाव डालने के अपने दोहरे लक्ष्य को और अधिक सुदृढ़ किया है।

चेयरमैन श्री शेट्टी ने बैंक के मुख्य सीएसआर फोकस क्षेत्रों की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा प्राथमिक शिक्षा को मज़बूत बनाना, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) में सुधार करना और मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देना ही लक्ष्य बताया।

तेलंगाना ग्रामीण बैंक, एसबीआई द्वारा प्रायोजित 9 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में से एक है। 31 दिसंबर, 2025 तक के आंकड़ों के अनुसार, यह बैंक देश के अग्रणी और सबसे अधिकाधिक लाभ अर्जित करने वाले क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में से एक के रूप में उभरा है। बैंक का कुल कारोबार 79,667 करोड़ है, जिसमें 34,659 करोड़ की जमा राशि और 45,008 करोड़ का ऋण (एडवांसेस) शामिल है। यह बैंक तेलंगाना के ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में फैली अपनी 933 शाखाओं के नेटवर्क के माध्यम से 90 लाख से अधिक ग्राहकों को बेहतर सेवा प्रदान करता है।

सोसाइटी फॉर रूरल डेवलपमेंट को 75 लाख का अनुदान दिया, और सहृदय ओल्ड एज होम को वरिष्ठ नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता, सुरक्षा और आराम को बेहतर बनाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण नवीनीकरण के लिए 17.5 लाख का अनुदान दिया। चेयरमैन श्रीनिवासुलु शेट्टी ने बताया कि बैंक के गृह ऋण पोर्टफोलियो ने 9 लाख करोड़ का आंकड़ा पार किया है। 31 दिसंबर 2025 तक, बैंक के पास 57 लाख करोड़ से ज़्यादा का डिपॉज़िट बेस है, जिसका सीएएसओ रेश्यो 39.13% है,और 46.8 लाख करोड़ से ज़्यादा के एडवांसेज़ हैं।

पूरे राज्य में 1,337 शाखाओं के साथ, बैंक कृषि, एमएसएमइ और स्वयं सहायता समूहों को लक्षित सहायता प्रदान करके अंतिम-मील कनेक्टिविटी को मज़बूत कर रहा है। ये प्रयास तेलंगाना में एक मज़बूत वित्तीय बुनियादी ढाँचा बनाने और समावेशी, सतत विकास को बढ़ावा देने के प्रति एसबीआई की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

इस आधारशिला कार्यक्रम में एसबीआई एमडी अश्विनी कुमार तिवारी,आरबीआई ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्रीय निदेशक चिन्मय कुमार, नाबार्ड तेलंगाना आरओ सीजीएम उदय भास्कर, एसबीआई कॉर्पोरेट सेंटर सीजीएम अतुल श्रीवास्तव, एलएचओ ग्रेटर हैदराबाद सीजीएम राधाकृष्णन, तेलंगाना सरकार के विशेष सचिव (वित्त) राय रवि, बैंक निदेशक मंडल के सदस्य और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

मुख्य सड़कें सुबह समय से साफ हो जानी चाहिए : कमिश्नर

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी कमिश्नर आर.वी. कर्णन ने शहर में कचरा प्रबंधन और सफाई मानकों को कड़ा करने का निर्देश देते हुए कहा है कि सभी प्रमुख सड़कों को प्रतिदिन सुबह 9.30 बजे तक पूरी तरह साफ रखा जाए। बुधवार को जीएचएमसी मुख्यालय में सफाई समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कमिश्नर ने राज्य सरकार के 99-दिन के 'प्रजा पालना — प्रगति प्रणालीका' कार्यक्रम को पूरी गंभीरता से लागू करने पर जोर दिया और अधिकारियों को इसके उद्देश्यों और लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए। आर.वी. कर्णन ने चेताया कि मुख्य सड़कों पर सफाई में किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर संबंधित डिप्टी कमिश्नर और अन्य के खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि प्रमुख सड़कों पर सुबह 10 बजे के बाद कोई सफाई गतिविधि दिखाई नहीं देनी चाहिए, ताकि बेहतर योजना और समय पर कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। कमिश्नर ने जिम्मेदारी पर जोर देते हुए कहा कि सफाई का प्राथमिक दायित्व डिप्टी कमिश्नर पर है। इसके अलावा, हरित कचरे (ग्रीन वेस्ट) की सफाई अब एसडब्लूएम विंग की जिम्मेदारी होगी। उन्होंने निर्माण और विध्वंस कचरे, लंबित कचरा और ग्रीन वेस्ट की शीघ्र सफाई के लिए अतिरिक्त वाहन उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया। साथ ही सफाई कर्मचारियों के वेतन समय पर भुगतान सुनिश्चित करने पर भी बल दिया। बैठक में अतिरिक्त कमिश्नर (सफाई) रवि किरण, ज़ोनल कमिश्नर प्रियांका आला, मंडा मकरंद, मुकुंद रेड्डी के साथ डिप्टी कमिश्नर आदि उपस्थित रहे।

मुख्य चुनाव अधिकारी ने ईवीएम गोदाम का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के चूड़ीबाजार स्थित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) गोदाम का बुधवार को राज्य मुख्य चुनाव अधिकारी सी. सुंदरशन रेड्डी ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ईवीएम की सुरक्षा के लिए लागू कड़े सुरक्षा प्रबंधों, 24 घंटे निगरानी प्रणाली, उचित वेंटिलेशन व्यवस्था और चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार पालन की जा रही नियमों की समीक्षा की। इसके अतिरिक्त उन्होंने अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था, निरंतर विद्युत आपूर्ति और पावर बैकअप प्रणाली का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण में जीएचएमसी चुनाव विभाग के अतिरिक्त आयुक्त चंद्रकला, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भाकृअनुप के तीसरे स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

हैदराबाद18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान (भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं), हैदराबाद ने जलवायु लचीली खेती, पोषण सुरक्षा तथा किसानों को सुदृढ़ करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के तृतीय स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया। इसमें सतत खाद्य प्रणाली को मज़बूत करने तथा गांवों में रोज़गार को बेहतर बनाने में श्री अन्न की परिवर्तनकारी भूमिका पर बल दिया गया।

समारोह का शुभारंभ के बाद डॉ. जी श्याम प्रसाद, प्रधान वैज्ञानिक ने श्री अन्न प्रचार-प्रसार हेतु अनुसंधान, नवाचार एवं लोक-संपर्क को सुदृढ़ करने में श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। डॉ. आर मधुसूदन, समन्वयक, ज्वार तथा लघु उद्घाटन संबोधन में विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों में श्री अन्न की उत्पादकता और स्थिरता को बढ़ाने में समन्वित अनुसंधान प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डाला।

अतिथि के रूप में अभय शर्मा, प्रमुख, प्रचालन (डिजिटलीकरण), आईसीआईसीआई फाउंडेशन ने अनुसंधान, डिजिटलीकरण और क्षेत्र-स्तरीय हस्तक्षेपों के एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से अन्न क्षेत्र को बढ़ाने में भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के प्रयासों की सराहना की।

डॉ. एस के प्रधान, सहायक महानिदेशक अपने आभासी संबोधन में किसान उत्पादक संगठनों को सहायता करके, मूल्यवर्धन को बढ़ावा देकर तथा बाजार संपर्क को सक्षम बनाकर संस्थान की भूमिका की प्रशंसा की। डॉ. संजीव गुप्ता, सहायक महानिदेशक (बीज, तिलहन एवं दलहन), भाकृअनुप ने आभासी संबोधन में बीज प्रणालियों, अनुसंधान प्रगति तथा श्री अन्न प्रौद्योगिकियों के प्रभावी प्रसार में संस्थान के उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। पद्म श्री डॉ. वाई वेंकटेश्वर राव ने पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक प्रगति के बीच की खाई को सफलतापूर्वक पाटने के लिए संस्थान की प्रशंसा की।

अमावस्या पर राकेश जयसवाल पूर्व नगरसेवक जामबाग ने इमलीबन गौशाला में गायों को हरी घास खिलाई। उनके साथ किशन शर्मा, राजेंदर यादव, गजानंद चौधरी, प्रेमचंद मुणत, नरसिंह, सुरेश रघुनंदन आदि शामिल हुए

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

'राजनीति में फुलस्टॉप ...

पीएम मोदी ने सभी सांसदों से कहा कि दलीय सीमाओं से ऊपर उठकर एक-दूसरे का सम्मान करना और अनुभव साझा करना ही लोकतंत्र की असली ताकत है।

पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ की तारीफ की

इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में वरिष्ठ नेताओं के योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने एचडी देवेगौड़ा, मल्लिकार्जुन खरगे और शरद पवार का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा संसदीय सेवा में समर्पित किया है। पीएम मोदी ने कहा कि नए सांसदों को उनसे सीखना चाहिए और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाना चाहिए।

उपसभापति हरिवंश सिंह की भी तारीफ की

इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि हरिवंश जी ने सदन की कार्यवाही को शांत और संतुलित तरीके से संचालित किया, मेहनती हैं और देशभर की यात्राओं के माध्यम से अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभाया। पीएम मोदी ने अपने भाषण का समापन संसद की गरिमा बनाए रखने और वरिष्ठ नेताओं से प्रेरणा लेने पर जोर देते हुए किया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करने में अनुभवी नेताओं का मार्गदर्शन बेहद महत्वपूर्ण है।

ईवी चार्जिंग के ...

पुलिस के अनुसार, कार से घर तक फैली आग ने अंदर रखे गैस सिलेंडरों को अपनी चपेट में ले लिया। इससे एक के बाद एक सिलेंडर फटने लगे। धमाका इतना तेज था कि मकान का एक हिस्सा ढह गया। घर में लगे डिजिटल लॉक खुल नहीं पाए, इसके कारण अंदर सो रहे लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। रहवासियों ने बताया कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियां सूचना देने के करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंचीं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पहलवान मीनाक्षी गोयत ने किया उलटफेर

अंतिम पंघाल को हराया; भारतीय महिला टीम में बनाई जगह

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। पहलवान मीनाक्षी गोयत ने बड़ा उलटफेर करते हुए अंतिम पंघाल को हराकर अगले महीने होने वाली एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय महिला टीम में जगह बना ली है। दो बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता अंतिम को घरेलू मैदान पर हार झेलनी पड़ी। ट्रायल में इससे पहले तीन बार अंतिम से हार चुकी मीनाक्षी ने इस बार मजबूत रक्षात्मक खेल का शानदार प्रदर्शन किया और 6-2 की बढ़त लेने के बाद विन बाय फॉल से जीत दर्ज की।

एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता अंतिम, दिग्गज विनेश फोगाट के 53 किग्रा वर्ग छोड़ने के बाद इस वर्ग में दबदबा बनाए हुए थीं। मुकाबले के दौरान मीनाक्षी ने कई बार अंतिम के सिर पर मजबूत पकड़ बनाई और उन्हें आक्रामक खेल का प्रदर्शन नहीं करने दिया। शुरुआत में अंतिम ने मीनाक्षी के दोनों पैरों को जकड़ने की कोशिश की, लेकिन उनकी यह चाल नाकाम हो गई। अंतिम हार के बाद कुछ समय तक अविश्वास में मैट पर ही पड़ी रहीं, जबकि मीनाक्षी मुस्कुराते हुए उनके पास गईं और हाथ बढ़ाया।

मीनाक्षी बोलीं- अपनी क्षमता पर संदेह था

दो बार की राष्ट्रीय चैंपियन 25 वर्षीय मीनाक्षी सोनीपत में पूर्व राष्ट्रीय कोच कुलदीप मलिक के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेती हैं। वह पहले 50 किग्रा वर्ग में भी खेल चुकी हैं, लेकिन अब 53 किग्रा में चुनौती पेश करती हैं। मीनाक्षी ने कहा, ट्रायल जीतना बेहद खुशी की बात है। मैं इस पल का आनंद ले रही हूं। पहले मैं बड़े नामों के खिलाफ अच्छा खेलते हुए भी हार जाती थी, लेकिन इस बार मैंने मौका नहीं गंवाया। मेरे मन में अपनी क्षमता को लेकर संदेह था, जिसे मैंने दूर कर लिया। अंतिम से भी गलतियां हुईं और मैंने उनका फायदा उठाया।

अन्य वर्गों के नतीजे

एशियाई चैंपियनशिप छह से 11 अप्रैल तक किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित होगी। इसी बीच 50 किग्रा वर्ग में नीलम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम में जगह बनाई। अन्य वर्गों में मानसी अहलावत (62 किग्रा) और मनीषा भानवाला (57 किग्रा) ने जीत दर्ज की। मनीषा के 62 किग्रा से 57 किग्रा में आने के कारण इस वर्ग में कम पहलवानों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा हंशिका (55 किग्रा), नेहा सांगवान (59 किग्रा), मोनिका (65 किग्रा), मानसी लाठेर (68 किग्रा), हर्षिता (72 किग्रा) और काजल (76 किग्रा) ने भी अपने-अपने वर्ग में जीत हासिल की।

पुरुष वर्ग में अंकुश (57 किग्रा), अमन सहरावत (61 किग्रा), सुजीत कलकल (65 किग्रा), अभिमन्यु (70 किग्रा), जयदीप (74 किग्रा), संदीप मान (79 किग्रा), मुकुल दहिया (86 किग्रा), पुनीत कुमार (92 किग्रा), विक्की (97 किग्रा) और दिनेश (125 किग्रा) ने टीम में जगह बनाई।

अबरार अहमद को खरीदने पर फंसी काव्या मारन

अब विवाद में कूदे ललित मोदी, कहा- मुझे कॉल करो

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। सनराइजर्स हैदराबाद की मालिक काव्या मारन की टीम सनराइजर्स लीड्स ने पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद को द हंड्रेड की नीलामी में खरीदा तो बड़ा विवाद खड़ा हो गया। अबरार को 1.90 लाख पाउंड यानी कि करीब 2.34 करोड़ रुपये में टीम में शामिल किया गया जिसके बाद सोशल मीडिया पर सनराइजर्स के खिलाफ जबरदस्त गुस्सा देखा जा रहा है। विरोध इतना बढ़ गया कि टीम का आधिकारिक ट्विटर अकाउंट तक अस्थायी रूप से सस्पेंड करना पड़ा।

ललित मोदी ने किया ऐसा ट्वीट

इस मामले में आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी भी कूद पड़े हैं और उन्होंने सनराइजर्स के इस कदम पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

मोदी ने सोशल मीडिया पर काव्या मारन की टीम को निशाने पर लेते हुए लिखा, 'जब फैंस पहले से ही गुस्से में हों तब एक पाकिस्तानी खिलाड़ी पर 2.34 करोड़ रुपये का निवेश करना? मैं ऑप्टिक्स और साम्राज्य बनाने के बारे में थोड़ा बहुत जानता हूं। मुझे कॉल करें।'

पाकिस्तानी खिलाड़ियों के खिलाफ रहता विरोध

यह विवाद इसलिए भी गहरा है क्योंकि 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद से भारतीय फ्रेंचाइजी मालिक विदेशी लीगों में भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों को चुनने से बचते रहे हैं।

आईपीएल में पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर प्रतिबंध है और सनराइजर्स द्वारा इस अनकहे नियम को तोड़ने को लेकर देश भर में नाराजगी है।

खुद देश से भागे हुए हैं ललित मोदी

दिलचस्प बात यह है कि ललित मोदी खुद 2010 से टैक्स चोरी और मनी लॉनड्रिंग जैसे गंभीर आरोपों के चलते भारत से बाहर ब्रिटेन में रह रहे हैं। हाल ही में दिसंबर 2025 में उन्होंने भारत सरकार से अपने पुराने बयानों के लिए माफी भी मांगी थी। उस समय उन्होंने खुद को और विजय माल्या को सबसे बड़ा भगोड़ा बताया था।

फिलहाल, अबरार अहमद की इस खरीद ने खेल और कूटनीति की बहस को फिर से जिंदा कर दिया है। सनराइजर्स ग्रुप, जिसकी टीमें आईपीएल और दक्षिण अफ्रीका की एसए20 लीग में भी हैं अब इस बड़े विवाद के बीच भारतीय फैंस के गुस्से का सामना कर रहा है।

आईपीएल से पहले सीएसके का मेगा रीयूनियन होगा

22 मार्च को चेपॉक स्टेडियम में इवेंट, रैना-हेडन समेत कई दिग्गज जुटेंगे

चेन्नई, 18 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स 22 मार्च को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में एक खास रीयूनियन कार्यक्रम करने जा रही है। इस इवेंट में टीम के कई पूर्व खिलाड़ी शामिल होंगे, जिनमें कुछ ऐसे नाम भी हैं जो इस समय दूसरी फ्रेंचाइजी से जुड़े हुए हैं।

मुरलीधरन, हेडन और रैना शामिल होंगे

इस रीयूनियन में मुथैया मुरलीधरन, मैथ्यू हेडन और ड्वेन ब्रावो जैसे दिग्गजों के आने की पुष्टि हो चुकी है। वहीं सुरेश रैना भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। करीब 19-20 पूर्व खिलाड़ी, मौजूदा टीम और सपोर्ट स्टाफ के साथ इस कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे।

इवेंट को लेकर शुरुआत में चर्चा थी कि कोई बड़ा ऐलान हो सकता है, लेकिन फ्रेंचाइजी ने साफ किया है कि यह सिर्फ सीजन से पहले का फैन एंगेजमेंट कार्यक्रम है। सीएसके के सीईओ काशी विश्वनाथन ने कहा कि इसे ज्यादा बड़ा मतलब निकालने की जरूरत नहीं है।

एआर रहमान परफॉर्म करेंगे

कार्यक्रम शाम 4 बजे से 9 बजे तक चलेगा और इसमें संगीतकार एआर रहमान की प्रस्तुति भी होगी। टीम ने अन्य फ्रेंचाइजी से भी संपर्क किया है ताकि उनके कोचिंग स्टाफ से जुड़े पूर्व खिलाड़ी इस दिन के लिए उपलब्ध हो सकें।

अश्विन शामिल नहीं होंगे

आर अश्विन इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाएंगे क्योंकि वह शहर से बाहर रहेंगे। वहीं संजू सैमसन और शिवम दुबे, जो हाल ही में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे, इस समय चेन्नई में चल रहे कैंप से जुड़ जाएंगे।

पहला मैच राजस्थान के खिलाफ

चेन्नई सुपर किंग्स अपना आईपीएल 2026 अभियान 30 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शुरू करेगी। टीम का पहला होम मैच 3 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ होगा।

चेन्नई ने 5 आईपीएल खिताब जीते

सीएसके ने आईपीएल इतिहास में अब तक कुल 5 खिताब (2010, 2011, 2018, 2021, 2023) अपने नाम किए हैं। टीम पहले ही सीजन 2008 के फाइनल में पहुंची थी। 2010 और 2011 में लगातार दो खिताब जीतकर सीएसके ने अपना दबदबा कायम किया, जबकि 2018 में दो साल के निलंबन के बाद वापसी करते हुए चैंपियन बनना टीम की सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिना जाता है।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग: बुमराह बिना मैच खेले टॉप 5 में पहुंचे

खेल डेस्क, 18 मार्च (एजेंसियां)। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी-20 बॉलर्स की रैंकिंग के टॉप-5 में वापसी कर ली है। वे बिना कोई मैच खेले टॉप-5 में पहुंच गए हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि टी-20 वर्ल्डकप के बाद हुई साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड की 5 मैच की सीरीज में अफ्रीकी टीम में कॉर्बिन बॉश को मौका नहीं मिला है। इससे उन्हें रैंकिंग में नुकसान हुआ और वह छठे स्थान पर खिसक गए।

आईसीसी ने बुधवार को ताजा प्लेयर रैंकिंग जारी की। इसमें जसप्रीत 702 रेटिंग अंक के साथ पांचवें पहुंच गए। बुमराह टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे।

बैटर्स की रैंकिंग में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। भारत के अभिषेक शर्मा (875 रेटिंग पॉइंट्स) टॉप पर हैं। वे जुलाई 2025 से टी-20 के नंबर-1 बल्लेबाज बने हुए हैं।

टी-20 इंटरनेशनल रैंकिंग में न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर को फायदा मिला है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली जा रही पांच मैचों की सीरीज के पहले 2 मुकाबलों में उन्होंने 3 विकेट लेने के साथ 35 रन भी बनाए, जिसकी बदौलत सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है। वहीं, अभी तीन मैच बाकी हैं। इस प्रदर्शन के दम पर सैंटनर गेंदबाजों की रैंकिंग में 11 स्थान की छलांग लगाकर 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं। पिछले हफ्ते वह 24वें नंबर पर थे।

टी-20 के ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में भी मिचेल सैंटनर करियर की बेस्ट रैंकिंग में पहुंच गए हैं। वे दो पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर आ गए हैं।

बल्लेबाजों की टी-20 रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। ईशान किशन भी पिछले हफ्ते की तरह दूसरे नंबर पर हैं। दोनों में सिर्फ 4 पॉइंट का अंतर है। न्यूजीलैंड के डेवोन कॉन्वे ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार करते हुए चार स्थान की छलांग लगाई।

आईपीएल 2026 से पहले बड़े बवाल में फंसा केकेआर का खिलाड़ी, पत्रकार से भिड़ा, बोर्ड तक पहुंची बात

सिडनी, 18 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है. सभी टीमों ने अपनी तैयारी तेज कर दी है. लेकिन इन सब के बीच कोलकाता नाइट राइडर्स के खेमे से एक बड़ी खबर सामने आई है. दरअसल, कोलकाता नाइट राइडर्स का एक स्टार खिलाड़ी बड़े बवाल में फंस गया है. दरअसल, ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन, जिन्हें आईपीएल 2026 के ऑक्शन में केकेआर ने 25.20 करोड़ रुपए की भारी-भरकम राशि में खरीदा था, हाल ही में एक विवादित घटना के चलते सुर्खियों में आ गए हैं. कैमरन ग्रीन इस समय ऑस्ट्रेलिया में ही हैं. शेफील्ड शील्ड मैच के बाद एक पोस्ट-मैच इंटरव्यू के दौरान ग्रीन ने एक ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार के साथ बहस की है, जिसके चलते वह चर्चाओं में आ रहे हैं. घटना सिडनी में वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया और न्यू साउथ वेल्स के बीच शेफील्ड शील्ड मैच के बाद हुई. ग्रीन ने इस मैच में 135 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली, जो अगस्त के बाद किसी भी फॉर्मेट में उनका पहला शतक था. मैच के बाद मीडिया को प्लेयर ऑफ द मैच से बातचीत के लिए बुलाया गया. ग्रीन शुरू में उपलब्ध नहीं थे, लेकिन बाद में उन्होंने मैच से जुड़े सवालों तक सीमित एक छोटा इंटरव्यू देने पर सहमति जताई.

इस दौरान उन्होंने अपनी फॉर्म में वापसी पर जवाब दिया और कहा कि यह अच्छा महसूस हो रहा है, साथ ही टीम की जीत की उम्मीद जताई. लेकिन जब पत्रकार ने उनके हाल के बल्लेबाजी संघर्षों के बारे में सवाल किया, तो ग्रीन ने जवाब देने से इनकार कर दिया. इंटरव्यू महज एक मिनट से भी कम चला. ग्रीन ने 'टाइम वेस्ट' कहकर वापस जाने की कोशिश की. तभी पत्रकार ने कहा कि वे पूरे दिन इंतजार कर रहे थे, जिस पर ग्रीन ने तीखा जवाब दिया, 'तुम मुझे क्यों टारगेट कर रहे हो?'

इस बहस के दौरान वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के असिस्टेंट कोच ब्यू कैसन ने बीच में दखल दिया और पत्रकार से माफी मांगी. ग्रीन के जाने के बाद स्थिति शांत हुई. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को भी इस घटना की जानकारी दी गई है. ऐसे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया कैमरन ग्रीन के खिलाफ एक्शन भी ले सकता है.

अगस्त में फिर आमने-सामने आएंगी भारत-पाकिस्तान की टीमें

क्रिकेट नहीं, बल्कि हाकी खेल में होगी टक्कर

वेवर (बेल्जियम), 18 मार्च (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान को मेंस एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के लिए 'पूल डी' में रखा गया है। बेल्जियम और नीदरलैंड्स की सह-मेजबानी में आयोजित इस टूर्नामेंट में दोनों टीमें अपने मैच नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम में खेलेंगी। ये मुकाबले 15 से 30 अगस्त तक एम्स्टर्डम और वेव्रे (बेल्जियम) में आयोजित होंगे।

नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम स्थित प्रतिष्ठित 'वैगेनर स्टेडियम' में एक रोमांचक आधिकारिक ड्रॉ समारोह आयोजित किया गया। यह उन दो स्थानों में से एक है, जहां आगामी विश्व कप के मैच खेले जाएंगे। दूसरा स्थान बेल्जियम के वेव्रे में स्थित बिल्कुल नया 'बेल्फियस हॉकी एरिना' है। ड्रॉ के जरिए एफआईएच हॉकी विश्व कप (बेल्जियम और नीदरलैंड्स 2026) के ग्रुप चरण के लिए पुरुष और महिला वर्गों के आठ पूलों का निर्धारण किया गया।

इस ड्रॉ में 16 टीमों को चार-चार के चार ग्रुप में बांटा गया है। भारत, पाकिस्तान के अलावा, पूल डी की अन्य दो टीमें इंग्लैंड और वेल्स हैं। भारत के लिए यह एक कठिन ड्रॉ है, क्योंकि क्वार्टरफाइनल में सीधे जगह बनाने के लिए उसे इंग्लैंड और पाकिस्तान से आगे निकलना होगा, जबकि प्रत्येक ग्रुप में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें टॉप-8 चरण में अपनी जगह पक्की करने के लिए 'क्रॉस-ओवर' मुकाबलों में हिस्सा लेंगी।

विमेंस एफआईएच वर्ल्ड कप बेल्जियम और नीदरलैंड्स में इन्हीं तारीखों पर आयोजित किया जाएगा। भारतीय महिला टीम का मुकाबला एक बार फिर इंग्लैंड से होगा। पूल डी में उनके साथ एशियन चैंपियन चीन और अफ्रीकन चैंपियन दक्षिण अफ्रीका भी शामिल हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम को कुछ दिन पहले ही तेलंगाना के हैदराबाद में खेले गए एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालीफायर के फाइनल में इंग्लैंड के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद टीम दूसरे स्थान पर रही थी। मुख्य टूर्नामेंट में ये दोनों टीमें एक बार फिर आमने-सामने होंगी।

पुरुष - पूल ए: नीदरलैंड्स, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड, जापान (नीदरलैंड्स में खेलेंगे)।

पूल बी: बेल्जियम, जर्मनी, फ्रांस, मलेशिया (बेल्जियम)।

पूल सी: ऑस्ट्रेलिया, स्पेन, आयरलैंड, साउथ अफ्रीका (बेल्जियम)।

पूल डी: इंग्लैंड, भारत, पाकिस्तान, वेल्स (नीदरलैंड्स)।

महिला - पूल ए: नीदरलैंड्स, ऑस्ट्रेलिया, चिली, जापान (नीदरलैंड्स में खेलेंगे)।

पूल बी: अर्जेंटीना, जर्मनी, यूएसए, स्कॉटलैंड (बेल्जियम)।

पूल सी: बेल्जियम, स्पेन, न्यूजीलैंड, आयरलैंड (बेल्जियम)।

पूल डी: चीन, इंग्लैंड, भारत, साउथ अफ्रीका (नीदरलैंड्स)।

सिर्फ खिलाड़ी नहीं, अंपायर को भी मिलता है छप्परफाड़ पैसा, 3.7 लाख रुपये एक मैच की फीस

मुंबई, 18 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) दुनिया की सबसे अमीर और सबसे ज्यादा देखी जाने वाली टी20 लीग है. यहां खिलाड़ियों की करोड़ों की सैलरी और बोनस की चर्चा हमेशा रहती है, लेकिन मैच के दौरान मैदान पर खड़े अंपायरों की मेहनत और उनकी कमाई पर कम ही बात होती है. अंपायर क्रिकेट के नियमों के रखवाले होते हैं और उनके फैसले लाखों-करोड़ों फैंस की नजर में आते हैं. आईपीएल जैसे हाई-प्रेशर टूर्नामेंट में उनकी भूमिका और भी अहम हो जाती है. ऐसे में आईपीएल में अंपायर्स को हर मैच के बदले काफी अच्छी फीस मिलती है.

आईपीएल में अंपायर्स को कितनी मैच फीस मिलती है?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईपीएल में ऑन-फील्ड अंपायर को हर मैच के लिए लगभग 3 लाख रुपए मिलते हैं. वहीं, थर्ड अंपायर और फोर्थ अंपायर को 2 लाख रुपए प्रति मैच दिए जाते हैं. कुछ रिपोर्ट्स में एलीट यानी आईसीसी पैनल के सदस्य या अनुभवी अंपायरों को 3.7 लाख रुपये तक प्रति मैच मिलने का जिक्र भी है. वहीं, डेवलपमेंट अंपायरों को फीस हर मैच के बदले लगभग 60 हजार रुपए मिलते हैं.

प्लेऑफ और फाइनल जैसे बड़े मैचों में बोनस और ज्यादा होता है. एलीट अंपायरों को प्लेऑफ में 5-8 लाख रुपए तक का बोनस मिल सकता है, और फाइनल में यह राशि और बढ़ सकती है. एक पूरे सीजन में औसतन 12-15 मैच अंपायरिंग करने वाले अंपायर की कुल कमाई 25-40 लाख रुपए या उससे ज्यादा हो सकती है. इसके अलावा, सभी अंपायरों को सीजन रिटेनर के तौर पर लगभग 7.33 लाख रुपए का फिक्स्ड अमाउंट भी मिलता है, साथ ही ट्रैवल, स्टे और बाकी भत्ते अलग से दिए जाते हैं.

टी20आई के मुकाबले काफी ज्यादा पैसा

इंडियन प्रीमियर लीग और टी20 इंटरनेशनल मैचों में अंपायरों की फीस में काफी फर्क है. आईपीएल में अंपायरों को टी20I की तुलना में लगभग 2.5 गुना ज्यादा प्रति मैच मिलता है. टी20I मैचों में अंपायरों को प्रति मैच केवल 1.13 से 1.25 लाख रुपए मिलते हैं.जो आईपीएल में मिलने वाली 3 लाख रुपए की मैच फीस से कम है.

आरसीबी के हेजलवुड आईपीएल के शुरुआती 2 मैच नहीं खेलेंगे

एसआरएच के कमिंस का खेलना भी मुश्किल; दोनों के बीच 28 मार्च को ओपनिंग मैच

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 शुरू होने से पहले डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को बड़ा झटका लगा है। टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड शुरुआती 2 मैचों में नहीं खेल पाएंगे। वे चोट से उबर रहे हैं और अभी पूरी तरह फिट नहीं हैं।

हेजलवुड हैमस्ट्रिंग और एचिलीस की समस्या से जूझ रहे हैं। इसी कारण वे एशेज सीरीज में भी नहीं खेल सके थे। हेजलवुड ने पिछले सीजन में 22 विकेट लेकर आरसीबी को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। हेजलवुड के अलावा, सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस भी शुरुआती मुकाबलों में उपलब्ध नहीं रहेंगे। वे पीठ की चोट से उबर रहे हैं और लंबे समय से रिहैब में हैं।

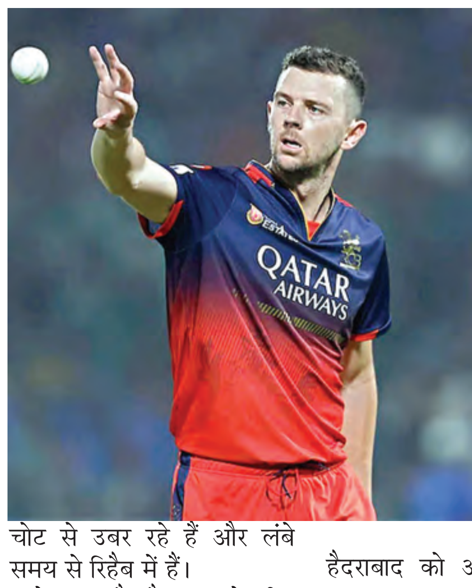

बेंगलुरु और हैदराबाद के बीच 28 मार्च को आईपीएल का ओपनिंग मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। 11 मार्च को बीसीसीआई ने लीग के शुरुआती 20 मैचों का शेड्यूल जारी दिया है।

हैदराबाद को अस्थायी कप्तान चुनना पड़ सकता है

कमिंस की गैरमौजूदगी में हैदराबाद को अस्थायी कप्तान चुनना पड़ सकता है। इसमें ईशान किशन की दावेदारी सबसे मजबूत है। किशन ने अपनी कप्तानी में झारखंड को पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जिताई है।

हेजलवुड-कमिंस चोट के कारण टी-20 वर्ल्डकप से बाहर रहे

दोनों खिलाड़ी टी20 वर्ल्ड कप में भी हिस्सा नहीं ले पाए थे। ऑस्ट्रेलिया टीम मैनेजमेंट उनकी फिटनेस को लेकर सतर्क है और उन्हें पूरी तरह फिट होने का समय दिया जा रहा है।

ऑस्ट्रेलियन प्लेयर्स का फोकस इंटरनेशनल क्रिकेट है

ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ताओं ने भी साफ किया है कि खिलाड़ियों के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट प्राथमिकता है। आने वाले समय में टीम को साउथ अफ्रीका, भारत और इंग्लैंड के खिलाफ अहम सीरीज खेलनी हैं, साथ ही 2027 वनडे वर्ल्ड कप भी शामिल है।

मोइनाबाद ड्रग्स मामले में सरकार की कोई भूमिका नहीं: रेवंत रेड्डी

नई दिल्ली/ हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मोइनाबाद ड्रग्स मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस प्रकरण में राज्य सरकार की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्टेशन बेल नियमों के तहत दी गई थी और इसमें किसी प्रकार का राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं हुआ। दिल्ली दौरे के दौरान मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि तेलंगाना में अगला विधानसभा चुनाव 2029 में ही होगा, 2028 में नहीं। साथ ही उन्होंने महिलाओं के आरक्षण को जल्द लागू किए जाने का समर्थन किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने संसद में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से मुलाकात की। इस दौरान तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ भी मौजूद थे। उन्होंने हाल ही में राज्यसभा के लिए निर्वाचित वेम नरेंद्र रेड्डी का परिचय भी कराया।

मक्का खरीद और बोनस को लेकर बीआरएस का प्रदर्शन

सुरक्षाकर्मियों से झड़प के दौरान पूर्व मंत्री हरीश राव को आई मामूली चोट

तेलंगाना विधानसभा में हंगामा

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बुधवार को उस समय भारी तनाव का माहौल बन गया, जब भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायकों और एमएलसी ने किसानों के मुद्दों को लेकर सदन के बाहर और भीतर विरोध प्रदर्शन किया। विपक्षी दल के सदस्य मक्का की फसल पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की तत्काल खरीद सुनिश्चित करने और किसानों को 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस देने की मांग कर रहे थे। प्रदर्शन के दौरान विधायकों को मक्के के भुट्टे लेकर सदन में प्रवेश करने से रोका गया, जिससे मार्शलों और सदस्यों के बीच तीखी झड़प हुई।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव और टी. हरीश राव के नेतृत्व में पार्टी के विधायक गन पार्क में एकत्र हुए। किसानों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए उन्होंने हरे रंग के स्कार्फ पहने थे और हाथों में मक्के के भुट्टे लिए हुए थे। जब विधायक विधानसभा के मुख्य द्वार की ओर बढ़े, तो वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों (मार्शलों) ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए उन्हें मक्का अंदर ले जाने से रोक दिया। इस दौरान हुई धक्का-मुक्की में पूर्व मंत्री टी. हरीश राव के हाथ में मामूली चोट आई। उन्होंने आरोप लगाया कि एक मार्शल द्वारा जबरन भुट्टा छीनने की कोशिश के दौरान उन्हें यह चोट लगी है।

मीडिया से बात करते हुए हरीश राव ने सरकार पर किसानों की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से मक्का और आम की फसलों को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन सरकार ने अब तक न तो फसल क्षति का आकलन किया है और न ही खरीद केंद्र खोले हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार तत्काल प्रभावित किसानों को इनपुट सब्सिडी प्रदान करे। विधानसभा के प्रवेश द्वार पर विधायक पाडी कौशिक रेड्डी और के. संजय के साथ भी मार्शलों की तीखी बहस हुई, जिसके बाद सदस्यों ने कुछ देर के लिए वहीं धरना दिया। बीआरएस नेताओं ने चेतावनी दी है कि जब तक किसानों को न्याय नहीं मिलता, उनका संघर्ष जारी रहेगा।

कचरे से बनेगा ईंधन: हैदराबाद के वैज्ञानिकों ने खोजा प्लास्टिक प्रदूषण का तोड़

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के प्रतिष्ठित संस्थान इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (आईआईसीटी) ने प्लास्टिक कचरे की समस्या से निपटने के लिए एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। संस्थान ने '2 डिग्रीज क्लिकॉन प्राइवेट लिमिटेड' के साथ एक विशेष समझौता किया है, जिसके तहत रिसाइकिल न होने वाले प्लास्टिक कचरे को उच्च श्रेणी के औद्योगिक ईंधन में बदला जाएगा। यह तकनीक विशेष रूप से चिप्स के पैकेट और पाउच जैसी बहुस्तरीय पैकेजिंग को लक्षित करेगी, जिन्हें नष्ट करना अब तक एक बड़ी चुनौती रही है।

सीएसआईआर-आईआईसीटी के वैज्ञानिकों ने दशकों के शोध के बाद ऐसी विधि विकसित की है, जिससे इस जटिल प्लास्टिक को 'वैकल्पिक डीजल ईंधन' और 'पेट्रो पॉलीमर ईंधन' में परिवर्तित किया जा सकता है। इस ईंधन का उपयोग पहले से ही सीमेंट और स्टील जैसे भारी उद्योगों की भट्टियों में किया जा रहा है। इस पहल से न केवल प्रदूषण कम होगा, बल्कि उद्योगों की पारंपरिक जीवाश्म ईंधन (पेट्रोल-डीजल) पर निर्भरता भी कम होगी।

संस्थान के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने इस साझेदारी को पर्यावरण के लिए गेम-चेंजर बताया है। उन्होंने कहा कि यह नवाचार प्रयोगशाला से निकलकर अब बड़े पैमाने पर जमीन पर उतरेगा, जिससे कचरे से कमाई के नए रास्ते खुलेंगे। 2 डिग्रीज क्लिकॉन की सीईओ शीतल अग्रवाल ने विश्वास जताया कि यह तकनीक उद्योगों को टिकाऊ ऊर्जा समाधान अपनाने में मदद करेगी, जिससे भारत में प्लास्टिक मुक्त भविष्य की दिशा में एक मजबूत ब्लूप्रिंट तैयार होगा।

तेलंगाना में 'गुंडा राज' का आरोप भाजपा ने पुलिस को दी चेतावनी

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने राज्य में कानून-व्यवस्था को लेकर कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 'गुंडा राज' कायम हो गया है और लोकतंत्र कमजोर हो रहा है। नलगोंडा के एक सरकारी अस्पताल में घायल भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात के बाद राव ने मीडिया से कहा कि चंदूर नगरपालिका में कांग्रेस समर्थकों ने भाजपा के छह कार्यकर्ताओं पर हमला किया, जिनमें से चार अभी भी उपचाराधीन हैं। उन्होंने इस घटना को राजनीतिक साजिश करार दिया। राव ने पुलिस पर भी पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ हल्के मामले दर्ज किए जा रहे हैं और उन पर दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर भूमि कब्जा, मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध शराब कारोबार में संलिप्त होने के आरोप भी लगाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस तरह की घटनाएं जारी रहीं तो भाजपा कड़ा विरोध करेगी और दोषियों को सजा दिलाकर ही दम लेगी।

स्कूल बस और टैंकर की टक्कर, कई छात्र घायल

सिद्दीपेट, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट जिले के चिन्नकोडुर मंडल अंतर्गत इब्राहिमनगर में बुधवार की सुबह एक निजी स्कूल की बस और टैंकर के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। इस सड़क दुर्घटना में बस में सवार कई स्कूली छात्र मामूली रूप से घायल हो गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्कूल बस मंडल के विभिन्न गांवों से बच्चों को लेकर सिद्दीपेट स्थित स्कूल की ओर जा रही थी, तभी राजीव राहदारी पर एक तेज रफ्तार टैंकर ने उसे टक्कर मार दी।

हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों ने बचाव कार्य शुरू किया।

राष्ट्र निर्माण एवं युवा विकास में एनसीसी की भूमिका महत्वपूर्ण : वीरेंद्र वत्स

एनसीसी महानिदेशक का सिकंदराबाद दौरा , ड्रोन प्रशिक्षण पर जोर

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स, वाईएसएम, एसएम, वीएसएम ने एनसीसी निदेशालय आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने निदेशालय द्वारा संचालित प्रशिक्षण गतिविधियों एवं कैडेटों के समग्र विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की।

अपने आगमन पर महानिदेशक का स्वागत एयर कमोडोर नरसिंह सैलानी, उप महानिदेशक, एनसीसी निदेशालय (आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना) ने किया। उप महानिदेशक ने निदेशालय की संरचना, प्रशिक्षण प्रणाली तथा प्रमुख उपलब्धियों पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने निदेशालय के कार्यों की सराहना करते हुए राष्ट्र निर्माण एवं युवा विकास में एनसीसी की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संवाद के दौरान उन्होंने प्रशिक्षण को आधुनिक तकनीकी परिवर्तनों के अनुरूप ढालने पर बल दिया। उन्होंने विशेष रूप से कैडेटों के लिए साइबर प्रशिक्षण और ड्रोन प्रशिक्षण को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाया जा सके। दौरे के अंत में एनसीसी की युवा शक्ति को सशक्त बनाने तथा राष्ट्रीय सुरक्षा में उनकी भूमिका को और प्रभावी बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

सेना व राज्य के बीच समन्वय बढ़ाने पर जोर

टीएएसए जीओसी का आंध्र प्रदेश दौरा

अमरावती , 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना एवं आंध्र सब एरिया (टीएएसए) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल अजय मिश्रा ने आंध्र प्रदेश के अमरावती/विजयवाड़ा में विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात कर सैन्य-नागरिक समन्वय को सुदृढ़ करने पर चर्चा की। मेजर जनरल अजय मिश्रा ने आंध्र प्रदेश के राज्यपाल श्री शेख अब्दुल नजीर से भेंट कर राष्ट्र निर्माण, सामुदायिक विकास, आपदा प्रबंधन तथा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भारतीय सेना की पहलों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने उद्योग मंत्री टी.जी. भारत से भी मुलाकात कर आंध्र प्रदेश में रक्षा उद्योग तंत्र को समर्थन एवं मार्गदर्शन प्रदान करने के विषय पर चर्चा की। इसके अतिरिक्त, जनरल ऑफिसर ने पुलिस महानिदेशक हरीश कुमार गुप्ता के साथ सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। वहीं, मुख्य सचिव जी. साई प्रसाद के साथ पूर्व सैनिकों के कल्याण एवं ईसीएचएस से जुड़े विषयों पर चर्चा की। विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों के साथ हुई ये बैठकें सकारात्मक माहौल में संपन्न हुईं, जिनका उद्देश्य सैन्य एवं नागरिक प्रशासन के बीच सहयोग और समन्वय को और मजबूत करना रहा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.